Vol.19, Issue 5 | Annual Subscription ₹420

March 2020

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

INDIA
www.rotarynewsonline.org

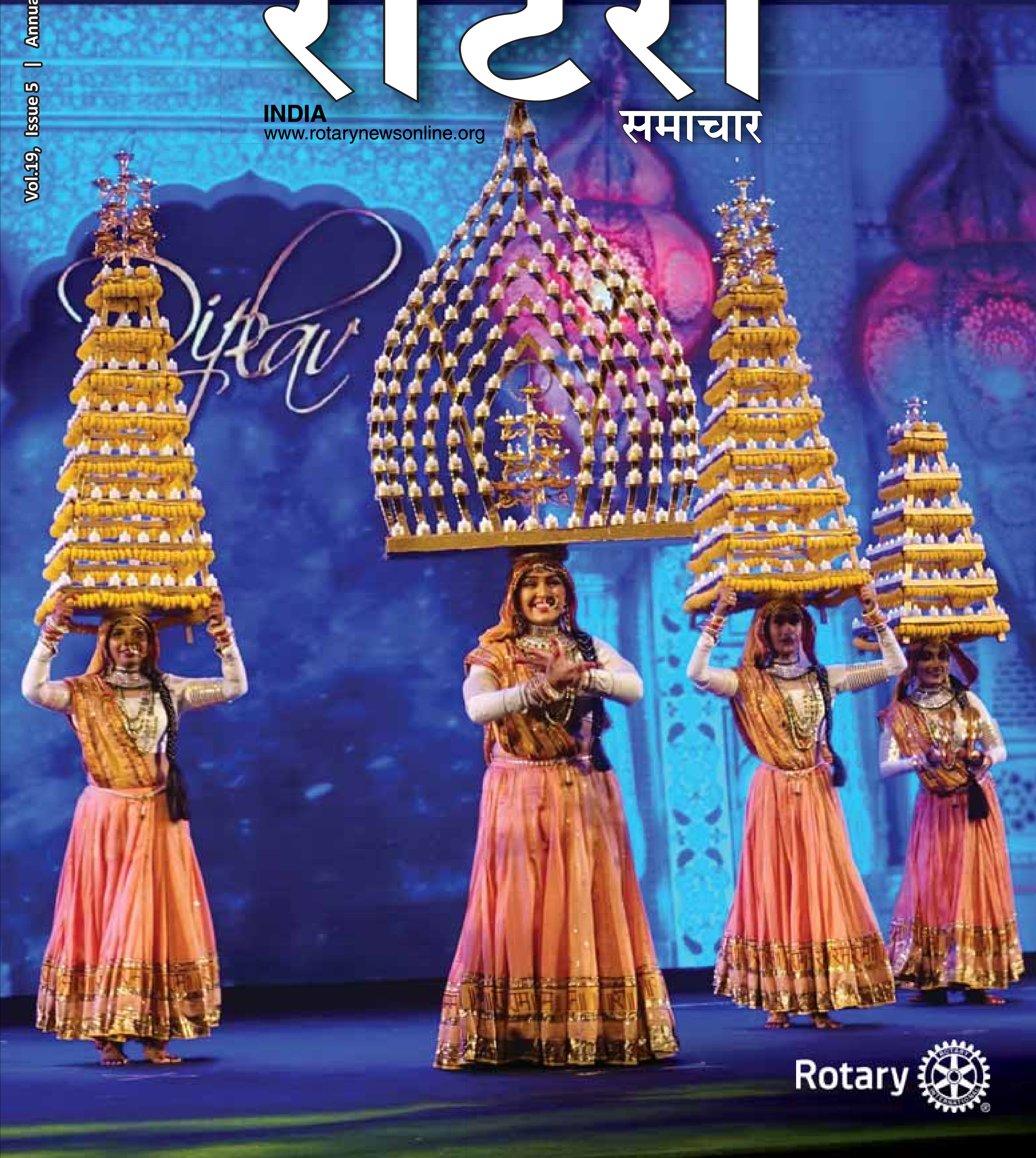

Rotary

शताब्ती शिखर सम्मेलन के कुछ क्षण

हेमन्त कुमार

RIPN शेखर मेहता HoF में।

TRF के दो सबसे बड़े उपकारी : डी रविशंकर, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चड्स् के पूर्व अध्यक्ष और आदित्य गर्ल्स सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिसिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट की अध्यक्ष राजश्री बिड़ला।

विषयसूची

10 300 मिलियन डॉलर की सेवा परियोजनाओं के साथ रोटरी इंडिया शताब्दी का जश्न मना रहा है
कोलकाता में आयोजित हुये शताब्दी उत्सवों का एक विस्तृत विवरण।

16 रोटरी इंडिया अपने दो रत्नों का सम्मान करती है
शिखर सम्मेलन में रोटरी नेतृत्वकरता PRIP राजेंद्र साबू और PRIP कल्याण बेनर्जी के बहुमूल्य योगदानों के लिए आभार प्रकट करते है।

20 आइए एक अधिक विविध एवं लचीली रोटरी के लिए काम करें: मलोनी
कोलकाता शिखर सम्मेलन में रोटेरियनों के लिए अध्यक्ष मलोनी का सम्बोधन।

24 उदारता का सम्मान
शताब्दी शिखर सम्मेलन TRF में भारत के दो सबसे बड़े दानकर्ताओं का सम्मान करता है।

40 RIPE होल्गर नेक के साथ साक्षात्कार
RIPE होल्गर नेक के साथ बातचीत।

46 पोलियो उन्मूलन के लिए एक उच्च-स्तरीय रोटरी प्रतिनिधि मंडल पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से मुलाक़ात करता है
पाकिस्तान में पोलियो को खत्म करने के लिए रोटरी नेतृत्वकर्ता उनके समर्पण एवं सहयोग को दोहराते है।

48 मंडल 3060 ने गोवा में किया सितारों से सजे मंडल सम्मेलन का आयोजन
रोटरी नेता जीवंत संपर्क और संगति के लिए एकत्र हुए।

56 गुलाबी चेन्नई
रो ई मंडल 3232 महिलाओं को ऑटोरिक्शा देकर उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाता है।

कवर पर: कोलकाता में आयोजित शताब्दी शिखर सम्मेलन में एक सांस्कृतिक प्रदर्शन।

चित्र: रशीदा भगत

एक दिलचस्प संकलन

फरवरी अंक में, RIPE होल्गर नेक द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सभा 2020 में दी गई नई अध्यक्षीय थीम रोटरी अवसरों को प्रदान करती है पर लेख प्रेरक था। यह नए रोटरी वर्ष के लिए एकदम आदर्श विषयवस्तु है क्योंकि भारत में रोटरी सेवा की शताब्दी का उत्सव मना रही है।

रोटरी द्वारा क्लब सदस्यों के लिए सेवा के पाँच मार्गों के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले अवसर बड़े है और रोटेरियनों के रूप में हमारे अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए हमें केवल भावनाओं, विचारों एवं कार्यों में स्वयं से ऊपर सेवा के सिद्धान्त को अपनाने की आवश्यकता है।

आर मुरली कृष्ण
रोटरी क्लब बेरहामपुर
रो ई मंडल 3262

फरवरी अंक में बहुत से रोचक लेख थे जिसमें RIPN शेखर मेहता पर लिखा गया लेख भी शामिल था जिसमें वह हमें ऐसी सेवा परियोजनाएं करने के लिए प्रेरित करते है जो 10 प्रतिशत सरकारी काम को प्रदर्शित करती है। हमें एक रोचक एवं सूचनाप्रद पत्रिका, जिसमें रोटरी क्लबों द्वारा की गई उल्लेखनीय एवं प्रेरक परियोजनाएं शामिल होती है, प्रदान करने हेतु किए जाने वाले उत्कृष्ट कार्य के लिए मैं संपादक को बधाई देता हूँ।

संपादक का लेख याद रखने योग्य एक इंस्टीट्यूट (जनवरी अंक) शानदार था और इंदौर इंस्टीट्यूट पर लिखे गए लेख उत्कृष्ट थे। रो ई निदेशक कमल संघवी द्वारा नवम्बर में कोची में उत्साह के सम्मेलन को आयोजित करने का वादा केरल के लोगों के साथ-साथ क्षेत्र के रोटेरियनों के लिए एक अच्छी खबर है। कृपया पत्रों को अधिक स्थान दें ताकि भारत के विभिन्न हिस्सों के रोटेरियनों के विचारों को भी स्थान मिले सके; वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं की तस्वीरों को कम किया जा सकता है।

डेनियल चित्तिलाप्पिल्ली
रोटरी क्लब कलूर
रो ई मंडल 3201

(हम उपयुक्त सम्पादन करने के बाद हमारे पाठकों से प्राप्त लगभग सभी पत्रों को सम्मिलित करते है: संपादक)

रोटरी न्यूज़ का फरवरी अंक कितनी खूबसूरती से संकलित किया गया है! लेख इंस्टीट्यूट दृढ़ इच्छा-शक्ति वाले सफल व्यक्तियों को सम्मानित करता है और हार्ट अटैक पीड़ितों को बचाने के सरल उपाय सूचनाप्रद एवं उपयोगी है। और सबसे बहुमूल्य है एक चम्मच कम, चार कदम आगे के साथ प्रोजेक्ट पॉज़िटिव हैल्थ अभियान। इस अभियान का नागरिकों के स्वास्थ्य पर वाकई में एक बढ़िया प्रभाव पड़ेगा।

चितरंजन बंसल
रोटरी क्लब रूपनगर
रो ई मंडल 3080

विविध विषयों, रंगीन तस्वीर

रोटरी इंडिया सेंटेनियल समिट 2020 का एक हिस्सा होना अद्भुत है। मैं कोलकाता के बिस्व बांग्ला कन्वेशन सेंटर में इस कार्यक्रम का साक्षी बनकर बहुत खुश और धन्य हूँ क्योंकि यह अवसर जीवन में एक बार आता है। *रोटरी न्यूज़* को मेरी बधाइयाँ जो रंगीन चित्रों एवं विभिन्न विषयों पर लेखों से भरी है जो बड़ी संख्या में पाठकों को प्रभावित करती है। *पुणे के किसानों के लिए शहद और आमदनी, हार्ट अटैक पीड़ितों को बचाने के सरल उपाय और अपने 75वें स्थापना दिवस पर रोटरी क्लब नागपुर मानसिक रूप से अशक्त बच्चों के लिए बना सांता* ने हमारे समय के कुछ ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया।

सुमित्रा चक्रबर्ती
रोटरी क्लब कलकत्ता इनोवेशन
रो ई मंडल 3291

अंतर्राष्ट्रीय सभा में संस्थान के नए कार्यक्रमों एवं प्राथमिकताओं पर न्यासी-निर्वाचित के आर रविन्द्रन के विचार वास्तव में प्रेरक थे। मैं हर साल टीआरएफ़ में 1 जुलाई को अपना एक छोटा योगदान देता हूँ। हालांकि वह छोटा होता है, फिर भी ऐसा करना मेरी आदत बन गई है। कभी-कभी मैं सोचता हूँ कि कैसे मेरा योगदान हमारे टीआरएफ़ का समर्थन करेगा। लेकिन इस लेख को पढ़ने के बाद, मुझे लगता है कि मैं टीआरएफ़ द्वारा दुनिया में किए जाने वाले अच्छे कार्यों का एक हिस्सा हूँ। मैं *रोटरी न्यूज़* पढ़ने वाले सभी लोगों से ऐसा ही करने एवं दूसरों को भी ऐसा ही करने हेतु प्रेरित करने का आग्रह करता हूँ। यह 2025 तक हमें और अधिक प्रेरक दानकर्ताओं के साथ हमारे अक्षय निधि लक्ष्य तक पहुँचने में मदद करेगा।

लक्ष्मण श्रीधरला
रोटरी क्लब अनकापल्ली - रो ई मंडल 3020

गैर-रोटेरियन के लिए भी एक योग्य पत्रिका

रोटरी न्यूज़ को एक उच्च दर्जे की पढ़ने योग्य पत्रिका बनाने के लिए बधाइयाँ, यहाँ तक कि गैर रोटेरियनों को भी यह दिलचस्प लगती है। अन्य रोटरी लेखों को पढ़ने से पूर्व मुझे LBW और वर्ड्सवर्ल्ड कॉलम पढ़ना पसंद है। जनवरी अंक में, इंदौर के मशहूर स्ट्रीट फूड। संध्या राव के उनके नियमित कॉलम में की गई किताब की समीक्षा हमारी परिस्थितियों के लिए एक किताब समयोचित है और रोटरी अभियान के सच्चे सिद्धांतों को प्रतिबिम्बित करती है। समीक्षा के लिए आपके द्वारा चुनी गई पुस्तकों को देखकर मैं प्रसन्न हूँ। यही बात इस अंक में जयराम रमेश द्वारा लिखित अ *चेकर्ड ब्रिल्यन्स* के परिचयात्मक अंश पर भी लागू होती है।

मुझे नियमित लेख *आपके गवर्नरों से मिलिए* पसंद है क्योंकि यह पाठकों को हमारे मंडल के

रो ई निदेशक भरत पंडया का दो शब्दों का मंत्र - आशा एवं अवसर - RIPE होल्गर नैक की थीम - रोटरी अवसरों को प्रदान करती है - के अनुरूप है। RIPN शेखर मेहता ने अपने सुझाव 'आइये हम ऐसी सेवा परियोजनाएं करें जो 10 प्रतिशत सरकारी कार्यों का प्रतिबिंब हो' के माध्यम से एक रोचक मार्ग दिखलाया है। मेरे लिए, *रोटरी न्यूज़,* इसकी विस्तृत जानकारी के साथ, एक विश्वकोश है और जब मैंने इसे तमिल में पढ़ा तो मैं पत्रिका के हर एक पन्ने की सराहना कर सकता हूँ।

डॉक्टर सुब्रमण्यम
रोटरी क्लब पुलियांगुड़ी
रो ई मंडल 3212

मैं पिछले 47 वर्षों से *रोटरी न्यूज़* पढ़ रहा हूँ, जब से मैं 1972-73 में रोटरी से जुड़ा। यह प्रकाशन रोटरी को प्रसारित करने, सामाजिक हित के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करने, और रोटरी परियोजनाओं एवं गतिविधियों में रोटेरियनों एवं लोगों को सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करने में एक विशेष मूल्य रखता है। पत्रिका को पढ़ने के बाद, सबसे पहले मैं पॉल हैरिस फैलो और बाद में एक प्रमुख दानकर्ता बनने के लिए प्रेरित हुआ, यद्यपि मैं एक शिक्षक हूँ और मेरी मासिक आय सीमित है।

क्षेत्रवाद और संघवाद पर रोई निदेशक भरत पंड्या के विचारों पर लिखे गए लेख मुझे पसंद है। नियमित लेख जैसे कि किताब पर लेख और ऑन दी रैक्स, सम्मेलन और मधुमक्खी-पालन, कचरा इकट्ठा करने वालों के लिए सुरक्षात्मक कपड़े, और चेन्नई में झीलों का नवीनीकरण जैसी क्लब गतिविधियों एवं परियोजनाओं पर लेख, सभी रोचक है।

माधव कशालीकर
रोटरी क्लब सांगली मिडटाउन
रो ई मंडल 3170

नेतृत्वकर्ताओं के जीवन एवं कार्यों से परिचित होने का एक अच्छा अवसर प्रदान करता है। एक प्रकार से, इसने एक खालीपन को भर दिया है। इसी प्रकार, *मंडल गतिविधियों* का प्रारूप मनभावन है और साथ ही यह देश भर के क्लबों द्वारा किए जाने वाले विविध कार्यों का सार प्रकट करता है।

PDG ललित सुरजान
रो ई मंडल 3261

RISAO में मददगार रो ई स्टाफ

यह जानकार खुशी हुई कि रो ई महासचिव जॉन हेवकों ने टीआरएफ़ स्टाफ को निर्देश दिए है कि वैश्विक अनुदानों की समीक्षा करते वक्त, उनकी भूमिका 'ना' के बजाय 'हाँ' करने की है।

मैंने एक मिलान अनुदान और दो वैश्विक अनुदानों के लिए एक प्राथमिक संपर्क के रूप में काम किया है। इन सभी अनुदानों के लिए स्वीकृति हासिल करना एक सुखद अनुभव था क्योंकि आवेदन जल्दी से संसाधित हो गए और हमारी अपेक्षाओं से अधिक तेज़ी से स्वीकृत हो गए। इवेंस्टन और RISAO में टीआरएफ़ स्टाफ विनम्र एवं मददगार था। हाँ, उन्होंने कुछ स्पष्टीकरण मांगे जो कोई भी पैसा देने से पहले माँगेगा ही। एक बार जब हमने उनकी चिंताओं का समाधान कर दिया, तो स्वीकृतियाँ तेज़ी से मिल गई। हम उनके प्रयास एवं सहयोग की सराहना करते है। क्लबों को उनके वैश्विक अनुदान आवेदनों में तथ्यों का खुलासा करना चाहिए क्योंकि इससे काम तेज़ी से हो जाएगा।

के रविन्द्रकुमार
रोटरी क्लब करूर
रो ई मंडल 3000

कवर स्टोरी *आत्महत्या मदद के लिए एक पुकार है* (दिसंबर अंक) उत्कृष्ट एवं आँखें-खोल देने वाली थी। जयश्री ने उस महत्वपूर्ण पहलू पर ध्यान केन्द्रित किया है जो अवसाद पैदा करता है और युवाओं को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करता है। हम सभी को इसके कारणों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और बाहरी परिस्थितियों को सुधारने के लिए कदम उठाना चाहिए जो अतिसंवेदनशील युवाओं को ऐसे कड़े कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

पायल अग्रवाल
रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर
रो ई मंडल 3291

सुंदरता की रूढ़ियों को अस्वीकार करना

कृपया अपनी संपादकीय *सुंदरता के मायने बादल रहे है* (दिसंबर अंक) को देखें। अतीत में पीछे जाने के आपके जुनून की प्रशंसा की जानी चाहिए क्योंकि केवल उसी तरह से आपने दुनिया के तरीकों, मानव भावनाओं एवं विविधता के रहस्यों को प्रकट किया है।

रूढ़िवाद को नकारने के लिए बहुत सी चुनौतियों एवं हिम्मत की आवश्यकता होती है और आज के अधिकांश युवा इसका दृष्टिकोण बदल रहे है। वे समझ चुके है कि सुंदरता त्वचा के रंग पर नहीं बल्कि आंतरिक गुणों पर आधारित होती है।

अरुण कुमार दास
रोटरी क्लब बारिपदा
रो ई मंडल 3262

अपने विचार संपादक को भेजें:
rotarynews@rosaonline.org;
rushbhagat@gmail.com
पर ई-मेल करें।
Click on Rotary News Plus
in our website
www.rotarynewsonline.org
to read about more
Rotary projects.

रोटरेक्ट के साथ आगे बढ़ते हुए

साथी रोटेरियनों और रोटरी परिवार के सदस्यों,

मार्च वह महीना है जिसमें हम रोटरेक्ट का उत्सव मनाते है - और सेवा में हमारे युवा साझेदारों के लिए यह एक काफी अच्छा वर्ष रहा है।

पिछले वसंत में, विधान परिषद ने हमारे संविधान में रोटरेक्ट को उन्नत कर दिया: रोटरी अंतर्राष्ट्रीय अब रोटरी क्लबों एवं रोटारेक्ट क्लबों दोनों का संयोजन है। फिर अक्टूबर में, रोटरी निदेशक मंडल ने रोटारेक्ट कृत्रिम आयु सीमा को समाप्त कर दिया और उन बाधाओं को खत्म करने के लिए अन्य कदम उठाए जो रोटारेक्ट को दुनिया के कुछ हिस्सों में बढ़ने से रोक रही थी।

यह कदम लंबे समय से उठाए जाने थे, क्योंकि रोटरी को जैसा होना चाहिए रोटारेक्ट उसकी एक परिकल्पना है। ना केवल हमें अपने युवा साथियों के लिए अपने दरवाजों को खोलने की आवश्यकता है, बल्कि हमें उन रोटरी अनुभवों के लिए भी अपने कान एवं सोच को खोलना होगा जो उन्हें आकर्षक लगते है। यह सबसे अच्छे तरीकों में से एक है जिससे हम अर्थपूर्ण ढंग से रोटरी को विकसित कर सकते है।

जब मैं कहता हूँ कि रोटरी का विकास करो, तो इसका अर्थ है कई मायनों में। हमें अपनी सेवा को एवं हमारी परियोजनाओं के प्रभाव को बढ़ाने की जरूरत है। हालांकि, सबसे ज़रूरी है हमारी सदस्यता को बढ़ाना, ताकि हम अधिक हासिल कर सकें। रोटारेक्टर इस अवसर को प्रदान करते है, न केवल इसलिए कि वे उनके अनुकूल समय पर रोटरी में पारगमन कर सकते है, बल्कि इसलिए क्योंकि वे समझते है कि उनके जैसे अन्य लोगों को आकर्षित करने के लिए किस चीज़ की आवश्यकता है।

हमेशा की तरह व्यापार हमारे काम नहीं आएगा। जा चुके सदस्यों के स्थान पर नए सदस्यों को शामिल करना समाधान नहीं है। यह गड्ढों से भरी एक बाल्टी में अधिक पानी भरने जैसा है। हमें दुनिया के अनेक हिस्सों में सदस्यों के छोड़कर जाने की मूल वजह को संबोधित करने की आवश्यकता है: सदस्यों की व्यस्तता जैसी है उसे वैसी नहीं होना चाहिए, और हमारी सदस्य जनसांख्यिकी जो तेजी से वृद्ध हो रही है।

अब समय कुछ बुनियादी बदलाव लाने का है। हम पहले से जानते है कि एक व्यस्त एवं विविध सदस्यता में क्या अड़चनें है। अब समय आ गया है कि हम जो जानते है उस पर काम करें: नए सदस्यता प्रतिमानों का निर्माण, रोटरी सदस्यता के नए मार्गों का सृजन, और जहाँ पर मौजूदा क्लब वर्तमान जरूरत को पूरा नहीं कर पा रहे हो वहाँ पर नए रोटरी एवं रोटारेक्ट क्लबों की स्थापना।

नए क्लब प्रतिमान व्यक्तियों के एक अधिक विविध समूह से जुड़ने के अवसर का प्रतिनिधित्व करते है - विशेष रूप से उनसे जो हमारे पारंपरिक क्लबों से जुड़ने में असमर्थ है या अनिच्छुक है। जबकि नए क्लब प्रतिमान काफी समय से उभर कर सामने आ रहे है, उन्हें वास्तविक रूप देना मंडल गवर्नरों पर निर्भर करता है। जनवरी में अंतर्राष्ट्रीय समारोह में, हमारे नवनिर्वाचित गवर्नर ने *बिल्ड योर ओन क्लब मॉडल* नामक एक अभ्यास में हिस्सा लिया। यह एक अद्भुत अनुभव था जिसने सही दिशा में काम करने हेतु उनकी मनोदशा में परिवर्तन किया।

आखिरकार, हालांकि, अगली पीढ़ी के लिए सबसे अर्थपूर्ण क्लब प्रतिमानों को बनाने की ज़िम्मेदारी रोटारेक्टरों एवं युवा रोटेरियनों पर निर्भर करेगी। हम सोच सकते है कि हमें पता है कि भविष्य में रोटरी क्लबों से युवाओं को क्या चाहिए, लेकिन मुझे विश्वास है कि जो युवा कहेंगे वह हमें चकित कर देगा। उनके नवप्रवर्तन का समर्थन करने का काम हमारा होगा, क्योंकि यह रोटरी को विकसित करने में हमारी मदद करेगा क्योंकि *रोटरी दुनिया को जोड़ती है।*

मार्क डेनियल मलोनी
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

रोटरी इंडिया ने अपने शताब्दी वर्ष का आगाज़ धूम धाम से किया

पिछले पांच सालों में, करीब-करीब सभी रो इ अध्यक्षों ने मुझ से कहा है कि जितनी शान- शौकत से रोटेरियन भारत में रोटरी कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं उतने आलीशान तरीके से इतना शानदार, और रंगीन कार्यक्रम दुनिया में कोई नहीं मनाता। ज़ोन इंस्टीट्यूट की बात तो दर-किनार जो, संगीत, नृत्य और रंगीन चकाचौंध से सराबोर होता ही है, भारत में तो एक मंडल तक भी अपनी वार्षिक सभा का जश्न पूरी मस्ती और भव्यता के साथ मनाता है, उनमें से कई तो सभा का आयोजन आकर्षक कच्छ के रण या कान्हा अभ्यारण्य में करते हैं।

इसलिए अगर भारत में रोटरी अपने शताब्दी वर्ष पर मोहर लगा रहा था रहा था, जिसे कोलकाता में ही आयोजित होना था, क्योंकि 100 साल पहले संगठन ने भारत में अपने कदम रखे थे और रोटरी का सूत्रपात यहीं कलकत्ता के रोटरी क्लब के साथ हुआ था और जब शताब्दी समिति के अध्यक्ष रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष- मनोनीत शेखर मेहता हों तब तो इस उत्सव का विशाल और भव्य होना लाज़मी था और सिटी ऑफ़ जॉय के विशाल बिस्व बँगला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में हुआ भी यही। रो इ अध्यक्ष मार्क मैलोनी, ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी हुआंग, आगामी ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन और इतनी बड़ी संख्या में रो इ निदेशकों की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए अध्यक्ष मैलोनी ने चुटकी लेते हुए कहा कि वह यहां बोर्ड बैठक की योजना आराम से बना सकते थे, रो इ के वरिष्ठ नेता बड़ी तादाद में मौजूद थे और इसमें आगामी निदेशक और ट्रस्टी सहित भारत का पूरा वरिष्ठ नेतृत्व वहां उपस्थित था,बिना किसी अपवाद के।

भारत में लगभग सभी प्रमुख रोटरी कार्यक्रमों के समारोह में वरिष्ठ नेताओं की उद्घाटन परेड आकर्षक होती है लेकिन कोलकाता में भी इसका प्रदर्शन शानदार था। जैसे ही वरिष्ठ नेताओं ने मार्च करते हुए हाउस ऑफ फ्रेंडशिप में प्रवेश किया - चारों तरफ ए आर रहमान का संगीत बह रहा था - और हां, लगता है कि यह निकट भविष्य में भारत में एक रोटरी अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन के आयोजन का पूर्व संकेत प्रतीत हो रहा था, जिसका संकेत खुद मेहता ने दिया था - इस विशाल परिसर में लोकप्रिय गीत मरहबा और हिंदुस्तान मेरी जान के बोल गूँज रहे थे जहां करीने से लगाए हुए आकर्षक कट-आउट और कोलकाता के प्रसिद्ध स्मारक - विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज इत्यादि इलेक्ट्रॉनिक स्क्रीन पर चारों तरफ चमकते नज़र आ रहे थे।

लेकिन इस शानदार उद्घाटन समारोह से भी अधिक प्रभावशाली वो महत्वपूर्ण जानकारी थी जो RIPN मेहता ने 32-देशों के करीब 4,000 प्रतिनिधियों के साथ साझा की, वो थी भारतीय रोटेरियनों द्वारा किये गए अद्भुत कार्य जो उन्होंने ने सामुदायिक परियोजनाओं के माध्यम से निष्पादित किए थे साथ ही सदस्यता और टी आर एफ दोनों में हुई आश्चर्यजनक वृद्धि। भारत में सदस्यता पिछले 10 वर्षों से लगातार बढ़ रही है और "हमारी सदस्यता अब विश्व की कुल सदस्यता का 12.07 प्रतिशत हो गई है।" टीआरएफ दान में, भारत अब नंबर 2 पर है, पिछले तीन वर्षों में हम हर साल 20 मिलियन डॉलर से अधिक दे रहे हैं। भारत में रोटरैक्ट की उन्नति हो रही थी, जहां रोटरैक्ट क्लबों का 24 प्रतिशत और दुनिया की 41 प्रतिशत रोटरैक्ट सदस्यता भारत में थी।

इतना ही नहीं अगर यदि ये संख्याएं प्रभावशाली है तो सामुदायिक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से भारतीय रोटेरियन द्वारा किये गए काम और भी बेहतर हैं। मिसाल के तौर पर यहां कुछ आंकड़े दिए गए हैं :विगत 10 वर्षों में, भारत में रोटेरियनों द्वारा संचालित 200 से अधिक नेत्र अस्पतालों में अनुमानतः दो मिलियन लोगों ने अपनी दृष्टि प्राप्त की है, 20,000 से अधिक बच्चों की दिल की सर्जरी हुई है और आज वे रोटरी की बदौलत ज़िन्दा हैं। सम्पूर्ण भारत में, रोटरी 30 से अधिक ब्लड बैंक चलाता है और 30,000 विधवाओं और उनके बच्चों के कौशल विकास के लिए वचनबद्ध है।

इसमें कोई अचरज नहीं जब रो क्लब कलकत्ता, जहां रोटरी का जादू 100 साल पहले शुरू हुआ था, की पूर्व अध्यक्ष नीलिमा जोशी कहती हैं कि अध्यक्ष के रूप में उनके वर्ष के सबसे यादगार वो पल - जिन छोटे बच्चों के दिल का ऑपरेशन किया था उन के माता-पिता के चेहरे पर झलक रही खुशी और कृतज्ञता की अभिव्यक्ति थी। संतुष्टी की उस भावना का कोई सानी नहीं, उन्होंने हौले से कहा।

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

रो ई निदेशकों

सीधी बात

संस्थान के लिए 100 वर्ष पूरे करना वाकई में एक महत्वपूर्ण अवसर है। एक छोटे से क्लब एवं कुछ रोटेरयनों के साथ शुरुआत करते हुये आज भारत में रोटरी के 3,860 क्लब और 151,160 रोटेरियन है। स्वच्छ जल, उचित स्वछता प्रदान करने, गरीबी मिटाने, साक्षरता को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सुधारने और पर्यावरण को बचाने हेतु भारत में रोटरी सैकड़ों मानवीय कार्यक्रमों का संचालन करती है। भारत को पोलियो मुक्त बनाने में रोटरी ने एक शानदार भूमिका निभाई है।

हमारे ज़ोनों के वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं के मार्गदर्शन से, रोटरी भारत ने रोटेरियनों एवं रोटरी परिवारों की शक्ति एवं समर्पण का अच्छा उपयोग किया है। मैं पूर्व एवं वर्तमान रोटेरियनों की रोटरी को बनाने एवं रोटरी के लिए उनके कार्यों की सराहना करता हूँ। अतीत की उपलब्धियों को दर्शाने एवं भविष्य - एक ऐसा भविष्य जो रोचक एवं उज्ज्वल है - में दृढ़तापूर्वक कदम रखने के लिए सेवा की एक सदी अच्छा समय है। भारत में एक रोटेरियन होने का यह एक बढ़िया समय है।

रोटरी इंडिया सेंटेनियल समिट रोटरी के ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में किए गए कार्यों को दर्शाने के लिए 4,200 रोटेरियनों एवं उनके परिवारों को एक साथ लाया है। अनेक वक्ताओं ने रोटेरियनों को निरंतरता एवं विश्वसनीयता के साथ कार्य करने हेतु प्रोत्साहित, प्रेरित एवं मार्गदर्शित किया। एक सुव्यवस्थित, सफल कार्यक्रम।

मार्च जल एवं स्वच्छता का महीना है। ''जब कुएं सूख जाते है, तब हमें पानी की कीमत पता चलती है।'' यह सत्य जल संरक्षण की महत्ता पर प्रबलता से ध्यान केन्द्रित करता है। जल एवं स्वच्छता साथ-साथ चलते है और एक साथ मिलकर वे प्रगति की कुंजी बनते है। रोटरी भारत जल मिशन और रोटरी भारत स्वच्छता मिशन के तत्वावधान में, रोटरी सरकार के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठा रही है और इन दो बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कार्य कर रही है।

और मार्च में हम विश्व रोटरेक्ट सप्ताह भी मनाते है। रोटरी का उद्देश्य ऐसे मजबूत, जीवंत युवाओं को तैयार करना है जिनका हमारे राष्ट्र के भविष्य के लिए मजबूत मूल्य हो। मेरा मानना है कि रोटरेक्ट नेतृत्व कौशलों को तैयार करने एवं उन जिम्मेदारियों को सीखने, भूलने और फिर से सीखने के बारे में है जो हर एक युवा व्यक्ति की - स्वयं एवं दूसरों के प्रति होती है - और आजीवन टिके रहने वाले मूल्यों को आत्मसात करने के बारे में है। रोटरेक्ट के साथ काम करके युवाओं के पास परिवर्तनों को अपनाने, परिवर्तन के पथप्रदर्शक बनने एवं हमारे विश्व के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने का अवसर होता है। रोटरेक्ट एवं रोटरी के मध्य संयुक्त गतिविधियों को मैं दोनों के लिए आगे बढ़ने के एक अच्छे तरीके के रूप में देखता हूँ। मैं कल्पना कर सकता हूँ कि यही हमारे भविष्य का स्वरूप है।

जब रोटरी दुनिया के हमारे हिस्से में सेवा के एक नए युग में प्रवेश करने जा रही है, आइए हम सब स्वयं को मुख्य मूल्यों के प्रति पुनःसमर्पित करें और सुनिश्चित करें कि *रोटरी दुनिया को जोड़ती है।* रोटरी का आनंद लें, स्वयं आनंदित रहें।

डॉ भरत पांड्या
रो ई निदेशक, 2019-21

का संदेश

रोटरी जल मिशन 2025

प्रिय रोटेरियनों,

स्वच्छ जल मनुष्यों की मूलभूत आवश्यकता है। स्वच्छ जल तक पहुंच स्वस्थ एवं अधिक उत्पादक जीवन को सुनिश्चित करती है। लेकिन भारत में, हर दिन कम से कम 3,000 बच्चे असुरक्षित पानी से होने वाली बीमारियों से मर जाते हैं, जो हमारे सदस्यों को कुओं का निर्माण करने, वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने और समुदाय के सदस्यों को यह सिखाने हेतु प्रेरित करता है कि नए बुनियादी ढांचे का रखरखाव कैसे करें।

जबकि बहुत कम लोग प्यास से मरते हैं, कई मिलियन लोग जलजनित निरोध्य बीमारियों से मर जाते है, जो हमें अविकसित देशों में स्वच्छता सुविधाओं को बेहतर बनाने की चुनौती और अवसर प्रदान करते हैं। सदस्य ऐसे शौचालय प्रदान करके इसकी शुरूआत करते हैं जो एक सीवर या एक सुरक्षित प्रांगण में प्रवाहित होता हैं और फिर हाथों की धुलाई और अन्य अच्छी स्वच्छता आदतों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा कार्यक्रम शामिल करते है।

RIPN शेखर मेहता, निदेशक भारत पांड्या और मेरे नेतृत्व में रोटरी इंडिया ने जल और स्वच्छता के मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता को समझते हुए हाल ही में आयोजित हुए रोटरी इंडिया सेंटेनियल समिट 2020 में दो वर्टिकल की शुरुआत की - पीडीजी रंजन धींगरा की अध्यक्षता में रोटरी इंडिया वाटर मिशन (RIWM) और पीडीजी रमेश अग्रवाल की अध्यक्षता में रोटरी इंडिया सैनिटेशन मिशन (RISM)।

RIWM के लिए अगले पांच-वर्षीय लक्ष्यों में एक जल विकास लक्ष्य - 500 मिलियन एकड़ भूमि को प्रभावित करने वाले 10,000 रोधक बांधों का निर्माण; और ₹165 करोड़ की अनुमानित लागत से इन जल निकायों के आसपास के क्षेत्र में पांच मिलियन पेड़ लगाकर गहन वनरोपण करना शामिल है।

- समर्थन/जागरूकता/सक्रियतावाद लक्ष्य: 500 मिलियन ज़िंदगियों को छूना।
- जल निकायों का रूपांतरण/कायाकल्प लक्ष्य: अखिल भारत में 10,000 बड़े जल निकायों को पुनर्जीवित करना।
- कुशल वर्षा जल संग्रहण (शहरी) लक्ष्य: 50,000 शहरी वर्षा जल संचयन संरचनाएं और गैर-कार्यात्मक RWHS का पुनरुद्धार।
- पानी के इस्तेमाल को घटाना/पुन:प्रयोग/सत्कार/संचयन/पुनर्भरण/पुनर्चक्रण का लक्ष्य: 25,000 गाँव

इसका उद्देश्य केंद्रीय जल मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए एक राष्ट्रीय मिशन, *जल शक्ति अभियान* के साथ RIWM को संरेखित करना है। अगले पांच वर्षों के लिए RISM के लक्ष्यों में WASH, MHM, BCC, स्वच्छता शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए 1.5 लाख स्कूलों को कवर करना शामिल हैं। लगभग 5,000 गांवों को ODF-Plus बनाया जाएगा: घरों, स्कूलों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों, आंगनवाड़ियों, आदि में उचित शौचालय, नल जल आपूर्ति और स्वच्छता की सुविधाएं प्रदान करके।

दोस्तों अपनी कमर कस लीजिए, चढ़ाई खड़ी है लेकिन चढ़ाई करना जरूरी है।

कमल संघवी
रो ई निदेशक, 2019-21

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019–20)

DG Deepak Gupta Chair – Governors Council	RI Dist 3012
DG Nayan Patil Secretary – Governors Council	RI Dist 3160
DG Dhiran Datta Secretary – Executive Committee	RI Dist 3040
DG Ajay Agarwal Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3291
DG Rajendra Madhukar Bhamre Member – Advisory Committee	RI Dist 3030

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website: www.rotarynewsonline.org

Now share articles from *rotarynewsonline.org* on WhatsApp.

Rotary India Centennial Summit 2020

300 मिलियन डॉलर की सेवा परियोजनाओं के साथ रोटरी इंडिया शताब्दी का जश्न मना रहा है

रशीदा भगत

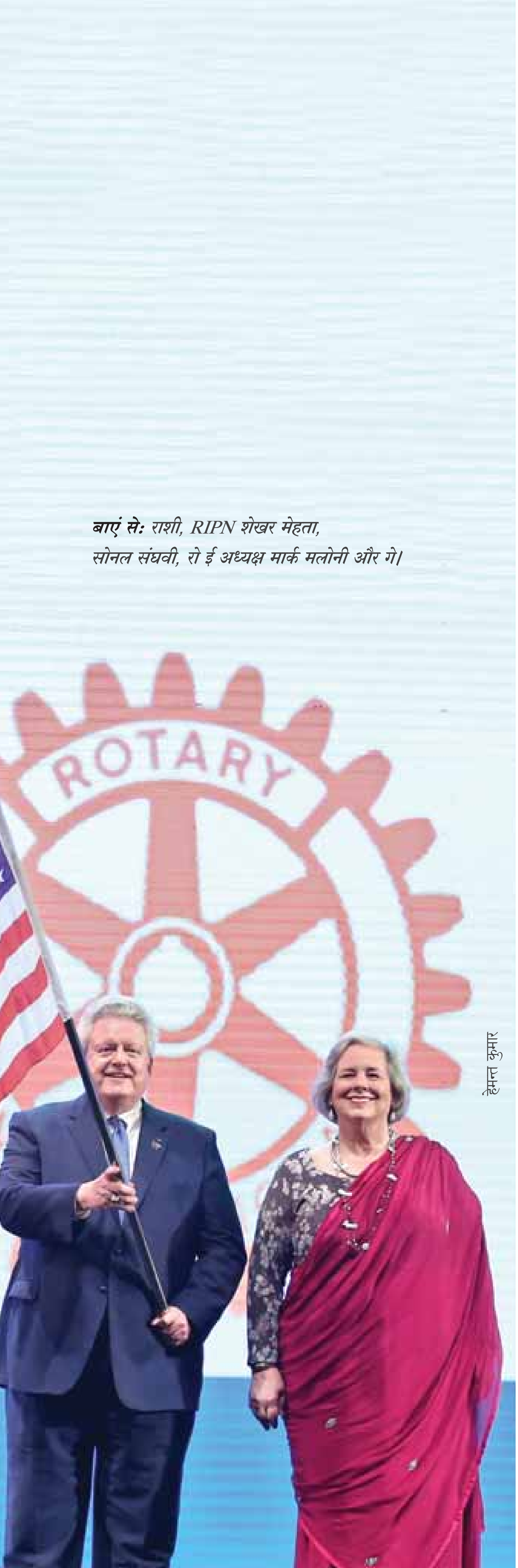

बाएं से: *राशी, RIPN शेखर मेहता, सोनल संघवी, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और गे।*

हेमन्त कुमार

कोलकाता में सितारों से जगमगा रहे रोटरी इंडिया के शताब्दी समारोह के आगाज़ के साथ, जहां 32 देशों के लगभग 4,000 प्रतिनिधियों में कई वर्तमान और आगामी रो ई निदेशक और ट्रस्टी उपस्थित थे, RIPN शेखर मेहता ने तथ्यों और आंकड़ों को उजागर करते हुए विस्तार से बताया कि वह रोटरी इंडियाको रोटरी का कोहिनूर क्यों कहते हैं।

''यह वर्ष भारतीय रोटेरियनों के लिए वास्तव में एक युगांतरकारी वर्ष है; 100 वर्ष पूर्ण होना किसी भी संस्थान के लिए एक महान अवसर है और मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं जब मैं, शताब्दी समारोह समिति के अध्यक्ष के रूप में, हमारे द्वारा की जाने वाली सेवाओं का मूल्यांकन करता हूँ। एक संगठन के लिए, जिसका आदर्श है – *स्वयं से पहले सेवा,* जश्न मनाने का सबसे अच्छा तरीका है अपनी सेवा गतिविधियों का विस्तार, इसे और बढ़ाना।''

भारतीय रोटरियनों ने अपने लक्ष्य, मानक और बढ़ा दिए हैं रोटरी इंडियाको रोटरी की दुनिया का सबसे कीमती रत्न बनाने के लिए अपनी सदस्यता, रोटरेक्ट, कार्यक्रमों और परियोजनाओं, टीआरएफ में देने और इंडिया में नेतृत्व के माध्यम से। 2011 में पोलियो उन्मूलन की सफलता से प्रोत्साहित हो कर (इंडिया में पोलियो के अंतिम प्रकरण के बाद) भारतीय रोटेरियनों ने फोकस के प्रत्येक क्षेत्र में और बड़ी चुनौतियां स्वीकार की हैं।

सदस्यता

''ऐसे वक़्त में जब रोटरी में वृद्धि के आंकड़े उत्साहवर्धक नहीं हैं, इंडियाकी सदस्यता में एक उम्मीद की किरण ज़रूर नज़र आ रही है। पिछले 10 वर्षों में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ, हमारी सदस्यता विश्व सदस्यता की 12.07 प्रतिशत हो गई है। इंडियाविकास की एक लम्बी छलांग लगाने के लिए तैयार था, अगले 30 महीनों में प्रत्येक भारतीय रोटेरियन ने एक-एक सदस्य लाने की चुनौती स्वीकार की है, पिछले तीन महीनों में उन्होंने 15,000 से अधिक रोटेरियन से यह सवाल किया था और उनकी प्रतिक्रिया हमेशा उत्साहवर्धक रही थी ।

उद्घाटन सत्र के दौरान ठसाठस भरे हॉल में जब उन्होंने पूछा कि क्या उनमें से प्रत्येक भी ऐसा करेगा तो सभी ने इसका ज़ोरदार समर्थन किया। खुशी से दमकते मेहता ने कहा: यह वचन उस शख्सियत के सामने दिया जा रहा है जो मरोटरी की बढ़ोतरीफ चाहते है (अध्यक्ष मैलोनी), उनका आह्वान भी यही है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को बनाये रखना भी भारतीय रोटेरियन के कार्यक्रम की प्राथमिकता रहेगा।

रोटरेक्ट

RIPN ने कहा कि इंडिया में रोटारैक्ट भली भांति फलफूल रहा है। 24 प्रतिशत रोटारैक्ट क्लब्स इंडिया में स्थित हैं और दुनिया के कुल रोटरेक्टर्स के 41 प्रतिशत हमारे यहां हैं। रूपांतरण संख्या भी काफी उत्साहजनक थी। ''पिछले हफ्ते मैं PRIP कल्याण बेनर्जी के मंडल (RID 3060) सम्मेलन में गया था, और वहां मैं इन पूर्व रोटरेक्टर्स से मिला जो आज मंडल अध्यक्ष बन गए हैं। पिछले 10 वर्षों में, मंडल 3060 के सात रोटरेक्टर्स, इनमें से चार पूर्व में DRR भी रह चुके थे, वे मंडल अध्यक्ष बने हैं।''

रोटरेक्ट का नया क़ानून लागू होने के साथ, मेहता ने कहा कि वह निश्चिन्त थे कि न केवल इंडियाको और अधिक रोटरेक्टर्स मिलेंगे बल्कि उनमें से कई रोटेरियन भी बन जाएंगे।

कार्यक्रम और परियोजनाएं

यदि हमारी सदस्यता और रोटरेक्ट मजबूत हैं तो समाज सेवा में हमारे काम भी और मजबूत होंगे। भारतीय रोटरी क्लब और

अध्यक्ष मलोनी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ का स्वागत (बाएं से) शिखर सम्मेलन के संयुक्त अध्यक्ष अनिरुद्धा रॉय चौधरी, राशी, गे, सुदेश धनखड़ और RIPN मेहता की उपस्थिति में किया।

रोटरी मंडल अद्वितीय कार्य कर रहे हैं। आपकी जानकारी के लिए, इंडिया के 38 और नेपाल से एक मंडल अध्यक्ष ने इस साल 300 मिलियन डॉलर से अधिक की परियोजनाऐं करने की प्रतिबद्धता जताई है। मैं उनसे हर तीन महीने में पूछता रहा कि क्या वे अपने लक्ष्यों को संशोधित कर कुछ कम करना चाहेंगे और एक ने भी ऐसा नहीं किया। उनकी प्रतिबद्धता अक्षुण्ण है।

समारोह में उपस्थित पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, इंडिया में हमारे द्वारा संचालित 200 से अधिक आँखों के अस्पताल में 2 मिलियन लोगों को दृष्टि मिली है। अगर हमारे परिवार के किसी बच्चे के दिल में छेद हो जाए तो हमारे जीवन में अशान्ति छा जाएगी। पिछले 10 वर्षों में 20,000 से अधिक बच्चों की दिल की सर्जरी हुई है, और रोटरी द्वारा दिए गए ज़िंदगी के उपहार के कारण आज वो जीवित हैं।

इंडिया में, 30 से अधिक ब्लड बैंक का संचालन रोटरी करती है और 30,000 विधवाओं और उनके बच्चों में कौशल विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसका 20 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

हमने 25,000 आश्रय किट प्रदान किए हैं जिससे 125,000 लोग लाभान्वित हुए; और 20,000 ग्रामीण शौचालयों का निर्माण करके 100,000 लोगों के जीवन में गरिमा प्रदान की है। हमने 25,000 से अधिक ई-लर्निंग इकाइयों की स्थापना की जिससे 7.5 मिलियन छात्रों की शिक्षा में सुधार हुआ है। 70,000 से भी ज़्यादा शिक्षकों को प्रशिक्षित और उनके काम के लिए सम्मानित किया गया है।''

> **इंडिया में आर्च क्लम्फ सोसाइटी के सदस्यों की झड़ी लग गई है; दुनिया में हमारे यहां AKS सदस्यों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है।**
>
> **RIPN शेखर मेहता**

85,000 से अधिक वयस्कों को साक्षर कर उन्हें आत्म सम्मान से जीना सिखाया है और यह छोटे बच्चे हैं जो इन वयस्कों को साक्षर कर रहे हैं। इंडिया में किसी भिखारी के बच्चे को स्कूल भेजना एक मुश्किल काम है। किसी सेक्स वर्कर की बेटी को स्कूल भेजना और भी कठिन है। लेकिन इंडिया में रोटेरियनों ने 50,000 से अधिक बच्चों को स्कूल भेजा है, उन्होंने कहा।

भारतीय रोटेरियनों ने पुस्तकालयों का निर्माण किया है और 2,500 से अधिक स्कूलों को पुनर्निर्मित कर 75,000 छात्रों को लाभान्वित करने वाले हैप्पी स्कूलों में परिवर्तित किया गया। हमारे कार्यक्रम देश के चारों कोनों में फ़ैल चुके हैं और हम राज्य तथा केंद्र दोनों सरकारों के साथ मिल कर काम करते हैं।

साक्षरता के बारे में मेहता ने कहा कि रोटरी इंडिया साक्षरता मिशन की कहानी अद्वितीय थी; इंडिया में किसी भी अन्य संगठन द्वारा चलाया जाने वाला कोई भी कार्यक्रम रोटरी के सम्पूर्ण साक्षरता

रशीदा भगत

कार्यक्रम से अधिक समग्र नहीं है। रोटेरियन कंधे से कंधा मिला कर सरकार के साथ काम कर रहे थे और कई राज्य सरकारों ने अपने राज्यों में रोटरी को काम करने के लिए आमंत्रित किया था। हमने 100 मिलियन से अधिक बच्चों को लाभान्वित करने वाले 30,000 स्कूलों में काम किया है। सरकार के साथ काम करते हुए, हम 2025 तक इंडिया को पूरी तरह से साक्षर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, एक सपना जो हमें PRIP बेनर्जी ने दिया था।

स्वास्थ्य और WASH

हेल्थकेयर और थ-डकदोनों में, भारतीय रोटेरियनों ने कुछ अति महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखे थे; रोटेरियनों का दृढ़ संकल्प ऐसा है, पिछले सप्ताह, जब मैं इंडिया के राष्ट्रपति और इंडिया के गृह मंत्री से मिला, तो मैंने लिखित में दिया है कि कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों का 10 प्रतिशत कार्य करने के लिए रोटरी प्रतिबद्ध है।

वह इसलिए यह प्रतिबद्धता कर पाये क्योंकि कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में, रोटेरियन पहले से ही ऐसे काम कर रहे थे। पानी और स्वच्छता में, वे 100,000 जल निकायों के सरकार के लक्ष्य में से 10,000 जल निकायों को पुनःर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध थे और 100,000 के सरकारी लक्ष्य के सामने 10,000 से अधिक बांध बना रहे थे। दोस्तों, ये लक्ष्य दुष्कर हैं, लेकिन तब पोलियो का लक्ष्य भी तो ऐसा ही था । NIDs (पोलियो प्रतिरक्षण दिवस) के दौरान, आज भी, बड़ी संख्या में बाहर जा कर, स्वेच्छा से रोटेरियन पोलियो उन्मूलन के लिए अपना समय देते हैं और पोलियो ड्रॉप पिलाते हैं ताकि कोई बच्चा छूट न जाए।

टीआरएफ में योगदान

''इंडिया को रोटरी के कोहिनूर से अलंकृत करने का एक कारण और है,TRF में हमारा योगदान। हम, पिछले तीन वर्षों से लगातार TRF के लिए दूसरे सबसे बड़े दान दाता रहे हैं ... प्रति वर्ष 22 मिलियन डॉलर दे रहे हैं।'' ₹70 प्रति अमरिकी डॉलर के हिसाब से, भारतीय रुपये में ये राशि ₹1,500 करोड़ प्रति वर्ष होती है।

> 10 वर्षों में 20,000 से अधिक बच्चों की दिल की सर्जरी हुई है, और रोटरी द्वारा दिए गए ज़िंदगी के उपहार के कारण आज वो जीवित हैं।
>
> **RIPN शेखर मेहता**

इंडिया में आर्च क्लम्फ सोसाइटी के सदस्यों की झड़ी लग गई है; दुनिया में हमारे यहां AKS सदस्यों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है; बड़े भाई अमरीका के बाद दूसरे स्थान पर। और हमारे पास एन्डोमेंट (बंदोबस्ती) भी सबसे अधिक संख्या में है। हमारे साथ यहां रोटरी वर्ल्ड के नए पोस्टर बॉय हैं - रविशंकर डाकोजू । इस अकेले व्यक्ति ने ₹100 करोड़ प्रतिबद्ध किये हैं।

नेतृत्व

मेहता ने कहा कि विश्व का सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व रोटरी इंडिया के पास था। 86 साल की उम्र में, PRIP राजेंद्र साबू एक या दो नहीं बल्कि कभी कभी तो साल में तीन बार भी अफ्रीका के लिए चिकित्सा मिशन का नेतृत्व करते हैं। PRIP कल्याण बेनर्जी पूरी तरह से साक्षर इंडिया के सपने ही नहीं देखते बल्कि इसके लिए काम भी करते हैं और उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। पूर्व निदेशक सुशील गुप्ता को इंडिया में WASH मैन ऑफ रोटरी के रूप में जाना जाता है; अगर कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तो उस से निपटने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति,जो कायापलट सकता है, वह है PRID यशपाल दास।

अगर आपको अच्छे काम के लिए पैसे की ज़रूरत है, तो सिर्फ PRID अशोक महाजन को फोन लगाना है, WinS में PRID पी टी प्रभाकर ने बेहतरीन काम किया है; आर्थोपेडिक सर्जन PRID मनोज देसाई ने पोलियो पीड़ितों के लिए सैकड़ों सुधारात्मक सर्जरी की है। आज हमारे बीच PRIDs सुदर्शन अग्रवाल और ओ पी वैश्य नहीं हैं, हम उन

बाएं से: *RID पांड्या, अध्यक्ष मलोनी, TRF ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी हुआंग, गे, राशी, RID कमल संगवी, शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष विनोद बंसल और सचिव किशोर कुमार चेरुकुमल्ली।*

की कमी महसूस करते हैं। PRID सी भास्कर, ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, रो ई निदेशक कमल संघवी और भरत पांड्या ने रो ई बोर्ड और हमारे फाउंडेशन में इंडिया के प्रतिनिधियों के रूप में उत्कृष्ट कोटि का नेतृत्व प्रदान किया है।

एक तरफ जहां इंडिया के वरिष्ठ नेता मप्रकाशस्तंभफ थे, वहीं सैकड़ों पूर्व मंडल अध्यक्ष और हजारों रोटेरियनों का नेतृत्व कौशल, ''उनमें से प्रत्येक का हमारे देशवासियों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए आतुर रहना, अपने आप में अनुकरणीय हैं। इसमें अचरज की कोई बात नहीं कि हमारे रोटरी सपने विशाल हैं और हम उन्हें हक़ीक़त में बदलने का प्रयास करेंगे।

अंत में, मेहता ने प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया और कहा: ''इससे पहले वरिष्ठ नेताओं ने इतनी बड़ी तादाद में किसी स्वैच्छिक आयोजन का रुख नहीं किया। हम इससे भी बड़ी संख्या की उम्मीद करते हैं, और आशा करते हैं कि निकट भविष्य में जल्द ही दिल्ली में एक रोटरी सम्मेलन का आयोजन होगा।''

सम्मेलन के संयोजक कमल संघवी ने कहा कि 32 देशों के रोटरी नेताओं और प्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति से आयोजक अभिभूत हैं और उनकी मौज़ूदगी के सम्मान में, मंच पर उनके देश के झंडे प्रदर्शित किए गए थे।

वैश्विक चुनौतियों के आकार और जटिलता को, समाज में परिवर्तन लाने वाले हर प्रकार के चेंजमेकर्स की जरूरत है।

रो ई अध्यक्ष **कमल संघवी**

हम तेजी से बदल रही और परस्पर संबद्ध दुनिया में रहते हैं। वैश्विक चुनौतियों के आकार और जटिलता को, समाज में परिवर्तन लाने वाले हर प्रकार के चेंजमेकर्स की जरूरत है, उन्होंने कहा और शताब्दी शिखर सम्मेलन दर्शकों में उपस्थित सभी चेंजमेकर्स को समर्पित किया, जिनकी संयुक्त रूप से की गई साहसिक कार्रवाई हमारे समाज पर अपना ध्यान केंद्रित करती है और उसे लाभ पहुंचाती है। आइए जैसा समाज मिला था एक बार फिर हमें इसे और बेहतर बनाने का संकल्प लें।

सम्मेलन के अध्यक्ष विनोद बंसल ने सभा में पधारे प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आग्रह किया कि इस अवसर का उपयोग खुद को सामुदायिक कल्याण के लिए, स्वयं को फिर से समर्पित करने के लिए करें, इस विविध दुनिया के प्रतिनिधि बनें, मानवता की सेवा में अधिक असरदार बनें और रोटरी की संस्कृति और लोकाचार को एक करुणामयी मानवीय संस्था के रूप में प्रदर्शित करें।

समय आ गया है रोटरी इंडियाअन्य देशों की मदद करे

कोलकाता में आयोजित शताब्दी समारोह में, RIPN शेखर मेहता ने भारतीय रोटेरियनों से अन्य देशों में सेवा परियोजनाऐं करने का प्रस्ताव रखा। इंडिया में हमने हजारों सेवा परियोजनाओं की योजना बनाई और उनका निष्पादन किया, अंतरराष्ट्रीय सेवा क्षेत्र में हम एक मंझे हुए खिलाड़ी के रूप में परिपक्व हुए हैं और अब अपने संसाधनों और प्रतिभा को अन्य देशों के साथ साझा करना चाहते हैं। अगले साल, इंडिया में कुल अनुदान का पाँच प्रतिशत हम अन्य देशों के साथ करना चाहते हैं, और उसके अगले वर्ष 10 प्रतिशत।

विश्व रोटरी के चहुंमुखी विकास में इंडियाअब अपनी जिम्मेदारी के साथ और सक्रीय भूमिका निभाना चाहता है

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

District Wise TRF Contributions as on January 2020

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
				India			
2981	25,913	5,986	0	8,480	40,378	131	2.9
2982	23,639	16,036	161,362	720	201,757	109	3.6
3000	69,727	2,403	29,314	296	101,740	93	1.8
3011	80,045	1,189	31,816	0	113,049	57	1.6
3012	161,284	10,715	136,902	58,986	367,887	143	3.9
3020	25,800	35,437	0	12,029	73,265	100	2.6
3030	2,203	7	1,423	2,000	5,633	8	0.2
3040	7,084	245	8,949	0	16,278	11	0.5
3053	36,059	32	64,331	0	100,422	80	2.8
3054	5,848	168	35,809	0	41,825	19	0.3
3060	52,894	57,014	125,678	21,876	257,463	647	16.0
3070	22,909	705	9,884	0	33,498	86	2.8
3080	48,706	6,017	14,219	1,013	69,956	131	3.8
3090	11,928	1	0	0	11,930	32	1.6
3100	25,908	0	0	0	25,908	76	4.0
3110	17,021	1,710	1,045	0	19,776	30	0.8
3120	59,715	141	4,565	0	64,421	138	4.1
3131	148,421	4,077	256,246	43,000	451,743	544	10.4
3132	7,276	292	11,538	30,000	49,105	45	1.2
3141	520,658	12,648	671,528	86,392	1,291,226	653	11.9
3142	111,829	1,916	80,282	16,763	210,789	343	10.6
3150	63,004	6,486	35,504	170,368	275,363	480	13.5
3160	2,107	3,057	0	0	5,165	13	0.5
3170	53,145	5,450	23,921	0	82,516	192	3.4%
3181	146,771	13,685	0	0	160,456	313	8.8
3182	43,800	7,606	4,723	0	56,128	228	7.3
3190	104,623	21,145	67,025	0	192,793	537	11.3
3201	38,367	26,291	120,866	30,431	215,954	122	2.3
3202	60,365	53,211	169,525	1,000	284,101	91	1.8
3211	15,319	57	52,829	436	68,641	26	0.6
3212	41,780	19,612	7,488	0	68,880	70	1.7
3231	2,940	1,720	3,083	0	7,742	38	1.0
3232	43,309	45,150	157,547	7,500	253,507	147	2.8
3240	143,671	34,660	33,004	0	211,334	246	8.1
3250	24,899	0	(85)	10,000	34,814	44	1.1
3261	5,261	0	28,670	0	33,931	6	0.2
3262	37,112	3,848	5,507	0	46,467	69	2.1
3291	62,287	3,038	33,250	0	98,576	65	1.8
India Total	**2,353,627**	**401,753**	**2,387,747**	**501,289**	**5,644,416**	**6,163**	**4.2**
3220 **Sri Lanka**	49,996	7,807	47,564	1,000	106,367	81	4.1
3271 **Pakistan**	3,401	8,167	20	0	11,588	10	0.7
3272 **Pakistan**	10,849	992	300	0	12,141	42	2.5
3281 **Bangladesh**	95,593	4,100	106,051	6,000	211,744	210	3.7
3282 **Bangladesh**	25,461	14,157	0	2,000	41,618	35	0.7
3292 **Nepal**	160,602	13,490	399,511	0	573,603	290	6.2
South Asia Total	**2,699,528**	**450,466**	**2,941,193**	**510,289**	**6,601,476**	**6,831**	**4.1**
World Total	**68,793,808**	**18,780,776**	**14,147,611**	**24,778,180**	**126,500,375**		

Source: RI South Asia Office

रोटरी इंडिया अपने दो रत्नों का सम्मान करती है

रशीदा भगत

PRIP गण राजेंद्र साबू और कल्याण बेनर्जी।

कोलकाता के बिस्व बंगला कन्वेंशन सेंटर में खचाखच भरे हॉल में वे अत्यंत भावुक क्षण थे, जहाँ 32 देशों के 4,000 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में भारत में रोटरी का एक शताब्दी समारोह का विशाल आयोजन किया जा रहा था। भारत में रोटरी में उनके योगदान के लिए पूर्व रो इ अध्यक्ष राजेंद्र साबू और कल्याण बेनर्जी का अलंकरण कर उन्हें सम्मानित किया गया था।

पूर्व रो इ अध्यक्ष औरआगामी ट्रस्टी चेयर के आर रविन्द्रन ने पूर्व रो इ अध्यक्ष साबू का परिचय देते हुए कहा कि उन्होंने अध्यक्ष पद की गरिमा को और ऊपरउठाया है और रो इ निदेशक रहते हुए, हमारे क्षेत्र में रो इ कार्यालय लाने के लिए वे ही जिम्मेदार थे। उनके गवर्नर रहते हुए, रोटरी की जादुई दुनिया में मेरा परिवर्तन हुआ । ट्रस्टी चेयर रहते हुए शांति केंद्र स्थापित करना, यह साबू का ही विचार था और इस के लिए उन्हें धन्यवाद है आज कई प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी में हमारे यहां छह रोटरी शांति केंद्र स्थापित हो चुके हैं। यह हमारे प्रमुख कार्यक्रमों में से एक बन चुका है।

लेकिन साबू के सबसे बड़े प्रयास रोटरी अध्यक्ष के रूप में पद संभालने के बाद हुए और पिछले

20 वर्षों में, उन्होंने अफ्रीकी देशों में 30 से अधिक चिकित्सा मिशन का नेतृत्व किया है।

लेकिन, रविंद्रन ने कहा, जब मैं राजा के बारे में बात करता हूं तो यहां मैं कहना चाहूंगा कि उषा के बिना राजा का कोई अस्तित्व नहीं है; वह अपने आप में एक ज़बरदस्त शक्ति का प्रतिरूप है। मैंने उसे रोटरी कन्वेंशन और अंतर्राष्ट्रीय असेम्बली में सुना है, और यदि रोटरी इंडिया के ताज में राजा एक रत्न हैं या रोटरी के राजा हैं, तो मेरे विचार से उषा साबू भारतीय रोटरी की मदर टेरेसा हैं, एक नाइटिंगेल हैं (क्योंकि चिकित्सा मिशन में वे नर्स, वेटर, काउंसलर और एक मां के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं।

पूर्ण विनम्रता के साथ सम्मान और पुरस्कार को स्वीकार करते हुए, PRIP साबू के ने एक सरल संदेश दिया। रोटरी मेरी शिक्षक हैं। इसने मुझे अपने अंदर झाँक कर देखने और खुद से परे देखने की क्षमता प्रदान की है। मैं एक आत्म-केंद्रित व्यक्ति था ... मेरा व्यवसाय, मेरा परिवार और अपनी महत्वाकांक्षाओं के बारे में ही सोचता था। तब तक रोटरी ने मेरे भीतर प्रवेश नहीं किया था।

लेकिन एक बार जब रोटरी ने उनके लिए अपने दरवाजे खोल दिए, वह सिर्फ एक भारतीय से ऊपर उठ गए थे ; मैं सम्पूर्ण विश्व का नागरिक बन गया था। मेरी दृष्टि का विस्तार हुआ, मैं संयमित हुआ और मुझे मानवता का अर्थ समझ में आने लगा। मेरे रोटरी क्लब के प्रोजेक्ट के तहत दिल का ऑपरेशन सफल हो जाने के बाद जब पाकिस्तान के एक लड़के, तौसीफ ने कहा, आज मैं कह सकता हूं कि एक देश ने मुझे जन्म दिया तो दूसरे ने जीवन दिया है। दोनों देश मेरे अपने हैं। पाकिस्तान ज़िंदाबाद, भारत ज़िंदाबाद, रोटरी ज़िंदाबाद , और रोटरी मुझे सबक सिखा रही थी।

पोलियो की दवाई पिलाये जाने के दौरान, जब वह जर्जर कपड़े पहने,बहती नाक वाली छोटी लड़की के मुंह में पोलियो की बूंदें डालते हैं, तो ये जान कर कि ये कीमती बूँदें उस लड़की के लकवाग्रस्त जीवन के खतरे को ख़त्म कर देंगी, रोटरी से मुझे एक और सबक मिलता है

साबू ने कहा कि चिकित्सा मिशन पर जब वह अफ्रीकी देशों में जाते हैं, तब उन्हें मालूम चलता है कि चाहे वह भारतीय हो या अफ्रीकी, खून का रंग लाल ही होता है। कुछ साल पहले, जब सर्जरी के लिए ऑपरेशन टेबल पर लिटाने की कोशिश की तो उस 2-वर्षीय नाइजीरियाई लड़की ने मेरी गोद नहीं छोड़ी तो उस लड़की में उन्हें अपनी पोती का चेहरा नज़र आया; तब रोटरी से मैंने सहानुभूति का अर्थ सीखा।

एक बार जब उनका व्यवसाय तकलीफ के दौर से गुजर रहा था और मुझे अपनी उस फैक्ट्री से अलग होना पड़ा जिसकी एक - एक ईंट मैनें रखी थी, तो लोगों की जिज्ञासा थी अब साबू की पहचान क्या होगी। मुझे जरा भी तकलीफ नहीं हुई। नैतिकता और ईमानदारी का पाठ मैंने रोटरी से सीखा था और इसी का अभ्यास किया । यह हमारे परिवार की पहचान बन गया। रोटरी का एक और उपहार मेरे लिए ।

वे और भी उदाहरण दे सकते थे, अनगिनत व्यक्तिगत अनुभव जो मेरे जीवन में परिवर्तन लाये, इसके लिए रोटरी को धन्यवाद। सर्वश्रेष्ठ तरीके से तराशा हुआ हीरा भी अंधेरे में अपनेआप नहीं चमकता। पर जब उस पर प्रकाश पड़ता है, तभी हीरे की चमक उसकी कीमत का निर्धारण करती है। संभव है हम सभी हीरे बन सकते हैं, केवल जब रोटरी की रोशनी हम पर पड़ती है, तभी हमें अपनी कीमत का अहसास होता है।

शताब्दी समारोह समिति के अध्यक्ष, RIPN शेखर मेहता को धन्यवाद देते हुए, साबू ने कहा: रोटरी को मैं अपना शिक्षक, अपना गुरु और अपनी जीवन रेखा के रूप में पहचानता हूं।

> **रोटरी को मैं अपना शिक्षक, अपना गुरु और अपनी जीवन रेखा के रूप में पहचानता हूं। मैं एक आत्म-केंद्रित व्यक्ति था ... मेरा व्यवसाय, मेरा परिवार और अपनी महत्वाकांक्षाओं के बारे में ही सोचता था। तब तक रोटरी ने मेरे भीतर प्रवेश नहीं किया था।**
>
> **PRIP राजेन्द्र साबू**

> **मुझे वाक्यांश 'रोटरी इंडिया' कई कारणों से पसंद है; पहला ये कि हम भारतीय एक ऐसी संस्कृति से सम्बन्ध रखते हैं जिस में वो सब निहित है जिससे रोटरी का निर्माण हुआ है। वो संस्कृति जो सभी धर्मों और धार्मिक आस्था को अंगीकार करती है, ठीक वैसे ही जैसे हम रोटरी में भी करते हैं।**
>
> **PRIP कल्याण बेनर्जी**

PRIP कल्याण बेनर्जी का परिचय कराते हुए, PRID मनोज देसाई ने एक खूबसूरत कहानी सुनाई ITI के एक शानदार युवा केमिकल इंजीनियर, जिनका स्वास्थ्य कलकत्ता में ठीक नहीं रहता था, वहां उनकी मुलाकात एक खूबसूरत नर्स (बिनोता) से हुई। उन्होंने शादी करने का इरादा किया और गुजरात के एक छोटे से शहर वापी में स्थाई रूप से बसने का मन बना लिया। इस आदमी के पास अपने सपने थे, और उस की आकर्षक पत्नी ने मुस्कुराते हुए उसेअपना पूरा समर्थन देने का वादा किया। वह मानवता की सेवा करना चाहते थे, और अपने गृहनगर वापी से उन्होंने इसकी शुरुआत कर दी।

इसका परिणाम यह है कि आज वापी में आपको शायद ही कोई स्कूल, कॉलेज या अस्पताल मिले जहां रोटरी व्हील का लोगो नज़र ना आये।

इसके बाद, बेनर्जी वापी से 150 किमी दूर डांग के जंगल गए, जहां आदिवासीयों को एक दिन में दो वक़्त का भोजन भी नसीब नहीं होता। वह वहां गए और ठीक हमारे विजन स्टेटमेंट के अनुरूप वहां एक स्थायी परिवर्तन लाये। उनकी यात्रा जारी है और मानवता (अपने अध्यक्ष काल के दौरान बेनर्जी की थीम) को गले लगा कर वो गहरे उतर चुके हैं।

देसाई ने कहा कि उनकी कहानी का हीरो कुछ ही शब्दों का व्यक्तित्व है ... एक ऐसा व्यक्ति जो अन्य की खामियों में ख़ूबसूरती ढून्ढ निकालता

है। वह नाराज नहीं होता बल्कि उनकी गलतियों में भी अच्छाई ढूंढता है। पिछले 25 वर्षों से शर्मिष्ठा और मैं उन्हें जानते हैं। वह एक महान व्यक्ति हैं ... उच्च मानक, सही निर्णय, उच्च कोटि की संगठन क्षमता और एक उत्कृष्ट नेता हैं।

पत्नी बिनोता संग पधारे बेनर्जी ने कहा, रोटरी में मेरे बड़े भाई, पूर्व अध्यक्ष राजा साबू के साथ-साथ मुझे, ज्वेल ऑफ़ रोटरी इंडिया का जो सम्मान आपने दिया है, हम इससे अभिभूत हैं। मुझे विश्वास है कि खुशी के इस मौके पर, हमारे पहले ज्वैल ऑफ इंडिया, पूर्व अध्यक्ष नितीश लाहिड़ी, हमारी तरह कोलकाता से ही थे, ऊपर वे जहाँ कहीं भी हों, इस अवसर पर मुस्कुरा कर आशीर्वाद दे रहे होंगे।

यह सम्मान, उन्होंने कहा ज्वेल ऑफ़ रोटरी इंटरनेशनल भारत के सम्पूर्ण रोटरी परिवार का सम्मान है। मुझे वाक्यांश 'रोटरी इंडिया' कई कारणों से पसंद है; पहला ये कि हम भारतीय एक ऐसी संस्कृति से सम्बन्ध रखते हैं जिस में वो सब निहित है जिससे रोटरी का निर्माण हुआ है। वो संस्कृति जो सभी धर्मों और धार्मिक आस्था को अंगीकार करती है, ठीक वैसे ही जैसे हम रोटरी में भी करते हैं। भारतीय संस्कृति उस विचारधारा और आस्था का प्रतिनिधित्व करती है जो कहती है - सब से प्रेम करो, भारत में और पूरे विश्व में भी- ठीक वैसे ही जिस प्रकार रोटरी करती है।

ठीक रोटरी की तरह, भारतीय भी - वसुदैव कुटुम्बकम की इस मान्यता पर विश्वास करते हैं -यह पूरी तरह से सारगर्भित है ... कि ये दुनिया एक विशाल परिवार है। हम निश्छल कर्म में भी विश्वास करते हैं - फल की इच्छा किये बिना कर्म करना, क्या रोटरी भी यही नहीं करती?इसी वजह से मेरा दृढ़ विश्वास है कि सही मायने में रोटरी भारत है और भारत रोटरी है।

बेनर्जी ने कहा कि उन्हें ये उक्ति पसंद भी है, रोटरी इंडिया, क्योंकि भारत मिल कर साथ रहने में विश्वास करता है बड़े परिवारों में, आपस में खुशियां बांटते हुए।

और रोटरी इंडिया, में उनकी खुशी की आख़री वजह ये थी कि21 वीं शताब्दी में रोटरी का विस्फोट करने के लिए सही मायने में हम आज अपने मार्ग पर अग्रसर हैं, वो वर्ष जब युवाओं को वास्तव में ये दुनिया विरासत में मिलेगी।यह समय है मलाला युसुफ़ज़ई का जो साक्षरता को बढ़ावा देती है और ग्रेटा थनबर्ग का जो पर्यावरणीय मुद्दों की अगुआई करती है - वे और उनके जैसे लोग इस इस दुनिया को आगे ले जाएंगे।

ऊपरः (बाएं से) PRIP गण डी के ली, कल्याण बेनर्जी, TRF ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी हुआंग और RIPN शेखर मेहता की उपस्थिति में रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, PRIP राजेंद्र साबू को सम्मानित करते हुए।

नीचे: *(बाएं से)ट्रस्टी चेयर-इलेक्ट के आर रवींद्रन, PRIP डी के ली, अध्यक्ष मलोनी, PRIP गण बेनर्जी, साबू, RIPN मेहता और ट्रस्टी चेयर गैरी हुआंग की उपस्थिति में गे, बिनोता को सम्मानित करती हुयी।*

बेनर्जी का कहना था कि भारत सदैव ही रोटरैक्ट का प्रबल समर्थक रहा है। संभवतः आज *रोटरेक्ट न्यूज़* के नाम से त्रैमासिक रोटरेक्ट मैगज़ीन निकालने वाले हम एकमात्र राष्ट्र हो सकते हैं। हमेशा से भारत में वरिष्ठ रोटेरियन की मंशा थी कि पहले उनके बच्चे रोटरक्ट बनें और फिर रोटरी में शामिल हों। यह वास्तव में हमारी पहुंच दूर तक बढ़ा रहा है। आज रोटरी के मार्ग पर चलने के लिए रोटरेक्ट से इसकी शुरुआत होते हुए देखना बहुत ही रोमांचक है। यह बिलकुल उपयुक्त तरीका है रोटरी के भविष्य का और विश्व के भविष्य के निर्माण का भी।

पूर्व रो ई अध्यक्ष डी के ली ने PRIP साबू को और ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी हुआंग ने PRIP बेनर्जी को पुरूस्कार दे कर सम्मानित किया।

चित्र: रशीदा भगत

Rotary India Centennial Summit 2020

आइए एक अधिक विविध एवं लचीली रोटरी के लिए काम करें: मलोनी

रशीदा भगत

कोलकाता में आयोजित हुई रोटरी इंडिया सेंटेनियल समिट में मार्क मलोनी ने विस्मय के भाव के साथ अपना अध्यक्षीय भाषण दिया। ऐसा लगता है कि पिछले हफ्ते ही रोटरी ने शिकागो में अपनी 100वीं सालगिरह मनाई थी। लेकिन असल में यह 15 साल पहले की बात है। आप में से कितने लोग 2005 में शिकागो सम्मेलन में मौजूद थे? बहुत कम, मैं देख सकता हूँ। शिकागो का वह छोटा क्लब केवल चार सदस्यों के साथ 115 वर्ष पहले शुरू हुआ था; एक क्लब जो इतना छोटा था कि आज की तारीख में वह इवेंस्टन से अधिकार पत्र हासिल करने के योग्य भी नहीं होता!

और अब रोटरी क्लब कलकत्ता उसके 100 वर्षों का उत्सव मना रहा है, जिसकी स्थापना 1 जनवरी, 1920 में हुई थी। और इसके शीघ्र बाद, रोटरी के मार्को पोलो, जिम डेविडसन, ने भारत में रोटरी की पहुँच को बढ़ाने का जिम्मा अपने हाथों में लिया था। डेविडसन ने दो वर्षों में 240,000 किमी की यात्रा की, भाप से चलने वाली ट्रेन और कार, डोंगे एवं हाथी पर यात्रा करते हुए वह फरवरी 1929 में अपनी पत्नी एवं बेटी के साथ एक क्लब शुरू करने के इरादे से बॉम्बे पहुँचे। लेकिन 1.2 मिलियन की आबादी वाले इस शहर में एक क्लब की शुरुआत करना आसान काम नहीं था। क्या डेविडसन यह जानकर चकित नहीं होते कि बॉम्बे की जनसंख्या आज 18 मिलियन से अधिक है?

मलोनी ने याद किया कि उनके आने से पहले बॉम्बे में रोटरी क्लब शुरू करने के तीन प्रयास विफल हो चुके थे, लेकिन उस साल मार्च में, डेविडसन ने सफलतापूर्वक एक क्लब का आयोजन किया जिसे अपना अधिकारपत्र 8 मई को मिला। फिर, उन्होंने कलकत्ता में रोटेरियनों से मिलने जाने से पूर्व, दिल्ली में एक क्लब का आयोजन किया, तब एन. सी. लाहिरी क्लब सचिव के रूप में सेवा दे रहे थे। आप सभी जानते है कि आगे चलकर लाहिरी 1962-63 में रोई अध्यक्ष बने। इसके माध्यम से मेरे सामने भारत में रोटरी की सबसे महत्वपूर्ण कहानी सामने आई है। और यह आपका अतीत नहीं है बल्कि आपका भविष्य है। 1 जुलाई, 2021 को शेखर मेहता भारत से चौथे रोटरी अध्यक्ष बनेंगे। मैं रोटरी के नेतृत्व दल के अंतर्गत शेखर के साथ काम करके प्रसन्न हूँ। रोटरी सेवा परियोजनाओं में उनके निरंतर प्रयास उन्हें ना केवल रोटरी नेतृत्व में भारत का प्रतिनिधित्व करने बल्कि अधिक सदस्यों एवं दुनिया भर में अधिक प्रभाव के साथ भविष्य की ओर नेतृत्व करने के लिए भी उपयुक्त बनाते है।

पीछे मुड़कर भारत में रोटरी के 100 वर्षों को देखने पर और आगे हमारे संगठन में भारत की बढ़ती महत्ता को देखने पर, हम दुनिया में अच्छाई के प्रत्येक कार्य के महत्व को प्रतिबिम्बित कर सकते है जो हम सब ने साथ मिलकर किए है। और कैसे वे सभी कार्य मिलकर हमें परिवर्तित करते है, मलोनी ने कहा।

कभी-कभी, दुनिया में हमारे सामने मौजूद समस्त जरूरतों के सामने किए गए सेवा के व्यक्तिगत कार्य हमें महत्वहीन लग सकते है। लेकिन जब आप इतने वर्षों में सभी

रोटेरियनों द्वारा किए गए उन सभी कार्यों को जोड़कर उन्हें दुनिया भर में मौजूद हजारों रोटरी क्लबों के साथ मिलाते है, तो आपको उस प्रभाव का एहसास होता है जो हम में से हर एक तब डाल सकता है जब हम एक रोटरी क्लब से जुड़ते है और सेवा के लिए प्रतिबद्ध होने को जीवन का एक तरीका बना लेते है।

एक साल के अंदर मेहता एक थीम चुनेंगे; एक वाक्यांश जिसका अर्थ अच्छा होगा, जो इतना संक्षिप्त होगा कि आसानी से किसी बैनर में समा जाए और जो किसी कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं करेगा। इन सब से बढ़कर, एक थीम जो अलग-अलग देशों के रोटेरियनों से बात करके उन्हें प्रेरित करेगी।

रो ई अध्यक्ष यह बताते हुए प्रसन्न हुए कि आज हर पाँच रोटेरियनों में से एक रोटेरियन महिला है और हम आने वाले वर्षो में 50:50 के लक्ष्य की ओर बढ़ते रहेंगे। लेकिन हमें विविध पृष्ठभूमियों के पुरुष एवं महिलाओं को शामिल करके रोटरी को बढ़ाने की आवश्यकता है, जो ना केवल हमसे जुड़ने के लिए बल्कि सेवा करने के लिए भी इच्छुक हो।

हमें विविध पृष्ठभूमियों के पुरुष एवं महिलाओं को शामिल करके रोटरी को बढ़ाने की आवश्यकता है, जो ना केवल हमसे जुड़ने के लिए बल्कि सेवा करने के लिए भी इच्छुक हो।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि रोटरी कभी भी सभी-के-लिए-उपयुक्त संगठन नहीं रहा है और यदि हमें बढ़ते रहना है, तो हम इसे एक जैसा रहने नहीं दे सकते; इसके लिए हमारे क्लबों में लचीलापन और सदस्यता में विविधता दोनों ही ज़रूरी है। कुछ क्लबों को अभी भी उनकी पारंपरिक लंच बैठक पसंद हो सकती है। लेकिन हमें नए क्लबों द्वारा उनके सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए नए तरीकों से चीज़ें करने की संभावना के लिए भी खुला रहना होगा। रोटरी नई मित्रताओं, अवसरों एवं अनुभवों के द्वार खोलती है।

लेकिन रोटरी सेवा एकतरफा मामला नहीं है जिसमें हम केवल दूसरों का भला करते है। एक रोटेरियन होने के नाते आपका जबर्दस्त रूप से व्यक्तिगत विकास भी हो सकता है... चाहे वह एक बैठक को आयोजित करना हो, एक परियोजना का प्रबंध करना हो, सार्वजनिक रूप से बोलना या कुछ और सीखना हो। रोटरी में जानने के लिए बहुत कुछ है और जितना अधिक आप जानेंगे उतना ही अधिक समृद्ध आपका रोटरी सदस्यता का अनुभव होगा।

चित्रः वी मुत्तुकुमारन

RID पांड्या होंगे रो ई के कोषाध्यक्ष (2020-21)

रो ई निदेशक भरत पांड्या 2020-21 के लिए रोटरी इंटरनेशनल के कोषाध्यक्ष होंगे, जबकि होल्गर नेक रो ई के अध्यक्ष होंगे।

रो ई मंडल जोह्निता सोलारी उपाध्यक्ष और रो ई मंडल स्टेफनी उर्चिक, कार्यकारी समिति के अध्यक्ष होंगी।

***बाएंः** रो ई निदेशक भरत पांड्या, RIPE होल्गर नेक, RID गण जोह्निता सोलारी और स्टेफनी उर्चिक।*

स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, रोटरी की सर्वोच्च प्राथमिकता

वी मुत्तुकुमारन

सिर्फ गांवों एवं स्कूलों में ही स्वच्छता के बुनियादी ढ़ांचे का निर्माण करने से अभिलाषित परिणाम नहीं आएंगे बल्कि हमें स्थानीय क्षमता को निर्मित करने पर ध्यान देना चाहिए, लाभार्थियों एवं हितधारकों को सम्मिलित करना चाहिए, प्रोफेशनल मैनेजरों की भर्ती करनी चाहिए और सामाजिक उद्यमियों को शामिल कर लक्षित समूहों के बीच सामाजिक व्यवहार में बदलाव लाना चाहिए - पीडीजी रॉन डेनहम, चेयर एमरिटस, वॉटर एंड सेनिटेशन रोटेरियन एक्शन ग्रुप (WASRAG) ने कहा।

कोलकत्ता में स्वच्छता सम्मेलन में, स्वच्छ जल प्रदान करने के संदर्भ में सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वॉटर एंड सेनिटेशन रोटेरियन एक्शन ग्रुप (WASRAG) स्थानीय समुदायों को पानी और स्वच्छता सुविधाओं हेतु उन्हें इसके 'कार्यान्वयन में भागीदार' बनाकर पानी और स्वच्छता सुविधाओं पर उनका स्वामित्व प्रदान करने में मदद कर रहा है। पिछले पांच सालों में फांउडेशन ने पूरी दुनिया में 113 मिलियन डॉलर की वॉश (WASH) परियोजनाओं क्रियान्वित किया है। रोटरी ने 23 मिलियन डॉलर का जल एवं स्वच्छता पर निवेश करके 316 ग्लोबल ग्रांट कार्यक्रमों को किया है और भारतीय क्षेत्रों में 250000 डॉलर की व्यक्तिगत परियोजनाओं को पूरा किया है। वॉटर एंड सेनिटेशन रोटेरियन एक्शन ग्रुप (WASRAG), ग्लोबल ग्रांट फंडिग के लिए मसौदा तैयार करने में मदद करता है और क्लबों के निष्पादन हेतु सर्वोत्तम प्रथाओं का एक संग्रह उपलब्ध करवाता है - उन्होंने बताया।

अपनी प्रस्तुति में, पीडीजी रंजन ढ़ींगरा, आरआई वाटर मिशन (RIWM) के चेयरमैन ने राष्ट्रपति सम्मेलन की दिल्ली घोषणा 2003 को स्मरण किया जिससे अगले साल में आरआई वाटर कंजरवेशन ट्रस्ट का गठन हुआ। उन्होंने कहा कि - 'अब तक हमने राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में 110 से अधिक चेक डैम बनाए हैं जिससे 5,000 लोगों का फायदा हुआ है। हमें आशा है कि हम RIWM के इस समग्र कार्यक्रम के अंतर्गत कम से कम 10 प्रतिशत सरकारी परियोजनाओं को पूरा कर लेंगे।' सन् 2025 तक में RIWM की 10,000 चैक डैम बनाने एवं ₹50 करोड़ में 10000 जल निकायों और 50,000 शहरी RWH संरचनाओं को पुर्नजीवन एवं कायाकल्प प्रदान करने की योजना है।

व्यापक स्तर पर, रोटरी इंडिया ने 250000 गांवों को ₹25 करोड़ की अनुमानित लागत से आत्मनिर्भर समुदाय बनाने की योजना बनाई है और रोटरी इंडिया ₹2.5 करोड़ की अनुमानित लागत पर

बाएं: पीडीजी रमेश अग्रवाल, रंजन ढींगरा, RIPN शेखर मेहता, PRID वाई पी दास, केंद्रीय जल मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, PRID पी टी प्रभाकर, PRIP कल्याण बेनर्जी, DG हरीश गौड़ और TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती।

शिखर सम्मेलन के सचिव किशोर कुमार चेरुकुमल्ली, PRID जैक्सन हेसिह और RID फ्रांसेस्को अरेजो की उपस्तिथि में PRID P T प्रभाकर ने मेग्सेसे पुरस्कार के विजेता गजेंद्र सिंह को सम्मानित किया।

पूरे देश में 50 करोड़ लोगों से संपर्क स्थापित करने के लिए एडवोकेसी अभियान चलाएगा। आरआई स्वच्छता मिशन के चेयरमैन, पीडीजी रमेश अग्रवाल ने कहा कि – 'स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता कवरेज 39 प्रतिशत बढ़कर 99 प्रतिशत हो गया है, जो कि जून 2019 में 700 राजस्व जिलों के छह लाख गांवों को कवर करता है।' उन्होंने कहा कि रोटरी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जल शक्ति मंत्रालय के साथ काम करने के अलावा भी यूनिसेफ, वर्ल्ड विजन, सुलभ इंटरनेशनल और अन्य एजेंसियों के साथ गठजोड़ बना रही है।

मैग्ससे पुरस्कार से सम्मानित और जल संरक्षणकर्ता राजेंद्र सिंह ने कहा कि उत्तर भारत की तुलना में पृथ्वी पर कहीं पर भी भूजल में इतनी गिरावट नहीं थी जहांकि नासा की इमेजेस से पता चला है कि व्यापक स्तर पर सिंचाई एवं भूजल का शोषण भूमि के अत्याधिक परिवर्तन का कारण बना है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन को बदलने के लिए स्वदेशी तौर तरीके सही थे और यहां तक कि रिस्टोर्ड जल-निकायों पर माइक्रो क्लाउड्स बने थे।

केंद्रीय जल मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि 'जहां 89 प्रतिशत जल संसाधनों का उपयोग कृषि के लिए किया जाता है, वहीं 11 प्रतिशत का उपयोग औद्योगिक और घरेलू जरूरतों के लिए किया जाता है। हमें उस कमी को पूरा करने के लिए पानी के संरक्षण करने और रिसाक्ल करने की आवश्यकता है जिसके लिए हमें लोगों की मानसिकता में परिवर्तन लाने की जरूरत है।'

बैठक की अध्यक्षत करते हुए, PRID पी टी प्रभाकर, ग्लोबल चेयर, स्कूल टार्गेट चैलेंज कॉमेटी वॉश (WASH) ने कहा कि वीन्स की सफलता की कहानी को RIPN शेखर मेहता, रो ई मंडल के भारत पांडया और कमल संधवी के साथ सतत रखने के लिए कहा, जिन्होंने रोटरी इंडिया के जल एवं स्वच्छता मिशन (RIWSM) का गठन किया है जो कि भारत के स्वच्छ भारत और जल शक्ति मिशन के लक्ष्यों में मदद करेगा।

रो ई वाटर एंड सैनिटेशन मिशन टारगेट 2025:

- 1,00,000 स्कूलों में WinS
- 5,000 ODF-Plus गांव
- जल जीवन मिशन के तहत 1,000 गांवों मे नल कनेक्शन
- गांवों में 500 सामुदायिक शौचालय
- लोगों के उपयोग हेतु शहरों में 500 सार्वजनिक शौचालय ब्लॉक
- अस्पतालों के लिए 500 WASH प्रॉजेक्ट

चित्र: जयश्री

Rotary India Centennial Summit 2020

उदारता का सम्मान

जयश्री

टीआरएफ के दो सबसे बड़े व्यक्तिगत दानकर्ताओं, दोनों ही भारत से, को कोलकाता में शताब्दी शिखर सम्मेलन में उदारतापूर्वक दान देने के लिए सम्मानित किया गया।

राजश्री बिड़ला, आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव एंड रूरल डेवलपमेंट की अध्यक्ष, रोटरी भारत का एक अभिन्न हिस्सा रही है और रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स के पूर्व अध्यक्ष रविशंकर दकोजू, जिन्होंने पिछले वर्ष संस्थान को ₹100 करोड़ दान देकर संस्थान को तरंगित किया, के बाद रोटरी संस्थान की दूसरी सबसे बड़ी व्यक्तिगत दानकर्ता है।

टीआरएफ में राजश्री का योगदान 12 मिलियन डॉलर से अधिक हो चुका है। उन्हें रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी और RIPN शेखर मेहता द्वारा *एंजेल ऑफ़ बनेवलेंस अवार्ड* से सम्मानित किया गया है।

भौगौलिक सीमाओं से परे, देना और देखभाल करना रोटेरियनों के स्वभाव के प्रतीक है। यह एक ऐसा पहलू है जो बिड़ला परिवार के डीएनए में भी निहित है, राजश्री ने उनके स्वीकृति भाषण में कहा। वास्तव में, देने की यह धारणा 150 वर्ष पुरानी है जब मेरे परदादा ससुर शिव नारायण बिड़ला और राजा बलदेव दास बिड़ला ने महसूस किया कि जीवन में एक उच्च उद्देश्य होना चाहिए जो स्वयं से परे हो। अपने तरीके से उन्होंने शिक्षा, मन्दिर निर्माण और गो-शालाओं का समर्थन किया।

उनके दादा ससुर जी. डी. बिड़ला महात्मा गाँधी के बहुत करीबी थे। उनके बेटे कुमार मंगलम दान का उल्लेख 'करुणामय पूँजी' के रूप में करते है, उन्होंने कहा, और अपने पति आदित्य बिड़ला के कथन को याद किया: 'वो देने में है जो हमें मिलता है।'

आदित्य बिड़ला सेंटर 7,000 गाँवों का विकास करने में व्यस्त है और स्वास्थ्य, शिक्षा, स्थायी

बाएं से: PDG सुभाष जैन, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, PRIP राजेंद्र साबू, राशी मेहता, टीआरएफ चेयर - इलेक्ट के आर रविंद्रन, RIPN शेखर मेहता, RIDगण भारत पांड्या और कमल संघवी की उपस्थिति में राजश्री बिड़ला, अध्यक्ष, आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट, PRID अशोक महाजन से प्रशस्ति पत्र प्रदान करती है।

***बाएं से:** PRIP कल्याण बेनर्जी, गे, RIPN मेहता, टीआरएफ ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी हुआंग, PDG गण एस सुरेश हरि, जॉन डैनियल और DG दीपक गुप्ता की उपस्थिति में रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने डी रविशंकर, पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड को सम्मानित किया।*

आजीविका और मूलभूत आवश्यकताओं के माध्यम से 9 मिलियन लोगों तक पहुंचता है।

मेरी शब्दावली में देने का अर्थ है आपके पास जो कुछ भी है – चाहे वह प्यार, भावनात्मक समर्थन, समय और वित्तीय मदद हो, सीमाओं से परे अबाध रूप से एवं बिना शर्त के उसकी पेशकश करना। दयालु बनो आमतौर पर उपयोग किया जाने वाला वाक्यांश है। यह देखभाल और करुणा के लिए

उपयोग किया जाने वाला एक भावनात्मक रूपक है। कर्तव्य, त्याग, भक्ति और दान जैसे अपने शानदार गुणों के माध्यम से दिल तन और मन को पिघला देता है। इसलिए बड़ा दिल रखो और पूरे दिल से देने का आनंद लो, ज़ोरदार तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा।

राजश्री ने रोटरी भारत को उसके शताब्दी वर्ष और इसकी सेवा परियोजनाओं के लिए बेजोड़ प्रतिबद्धता और समर्पण हेतु बधाई दी। पोलियो, थैलेसीमिया, डायबिटीज और ट्यूबरक्लोसिस जैसी बीमारियों को संबोधित करते हुए जीवन परिवर्तक परियोजनाएं करने में रोई द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य का मैंने करीब से अनुभव किया है, उन्होंने कहा।

इस सत्र की अध्यक्षता PRID अशोक महाजन ने की थी जिन्होंने रोटरी उलेमा काउंसिल का गठन करके मुस्लिम समुदाय को राज़ी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वो भी उस वक्त जब इस समुदाय में पोलियो टीकाकरण का काफी विरोध किया गया था।

भारत को पोलियो मुक्त बनाने के लिए महाजन ने सरकार, रोटेरियनों और स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया। यह दुनिया हमसे और किस बेहतर उपहार की आशा कर सकती है क्योंकि हमने 2.5 बिलियन डॉलर खर्च करके दुनिया भर के 2 बिलियन से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया है और अनुमानित 18 मिलियन बच्चों को बचाया है, उन्होंने कहा।

रविशंकर को संस्थान के लिए किए गए उनके विशाल योगदान हेतु सम्मानित किया गया। जितना महत्वपूर्ण उनका योगदान है, उतनी ही महत्वपूर्ण एक टीआरएफ राजदूत के रूप में रवि की भूमिका है जिसने ना केवल भारत में, बल्कि नेपाल, ताइवान और ब्राज़ील में भी अनेक रोटेरियनों को संस्थान को उदारतापूर्वक दान देने हेतु प्रेरित किया, सत्र अध्यक्ष और टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवती ने कहा। उन्होंने याद किया कि कैसे दिल्ली में डीजी दीपक गुप्ता की नियुक्ति के दौरान, एक दानकर्ता ने टीआरएफ के लिए 100,000 डॉलर का चेक पेश करते हुए एक एकेएस सदस्य बनने की तात्कालिक घोषणा की। वह रविशंकर और उनकी पत्नी पाओला से पूरी तरह प्रभावित थी। सबसे अधिक महत्वपूर्ण, मैं इस ज़मीन से जुड़े, विनम्र, जोशीले और स्नेही व्यक्ति से मिलकर बहुत खुश था। उनकी पत्नी पाओला और वह रविशंकर एंड पाओला एंडोमेंट फण्ड में बराबर के हिस्सेदार है, उन्होंने कहा।

भारत, 100 से अधिक एकेएस सदस्यों के साथ, दुनिया में अमेरीका के बाद दूसरे स्थान पर है और शताब्दी शिखर सम्मेलन में, वाहनवती ने घोषणा की कि उनकी उदारता को सम्मानित करने एवं अधिक लोगों को संस्थान में देने हेतु प्रेरित करने के लिए एक एकेएस संस्था बनाई जा रही है।

चित्र: जयश्री

Rotary India Centennial Summit 2020

समारोह से इतर

रशीदा भगत

एक शानदार इण्टरफेथ सर्विस

हाल ही में हुई घटनाओं के बावजूद, भारत की मिली जुली संस्कृति, आस्था, विश्वास, विविधता में एकता, इण्टरफेथ सर्विस में खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया था, रोटरी भारत के शताब्दी समारोह के आगाज़ के साथ कोलकाता में।

एक आलिशान और गरिमामय अधिवेशन में, पहले सभी धर्मों की प्रार्थना पढ़ी गई और संक्षिप्त परिचय दिए गए, जो भारत की समग्र धार्मिक निष्ठा को परिभाषित करते हैं। सिख धर्म से इसकी शुरुआत हुई, जहां हमें दिलचस्प किस्सा सुनने को मिला। हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार बलराज साहनी ने एक बार रवींद्रनाथ टैगोर से पूछा था कि आपने मजन गण मनफ की रचना कर भारत के लिए एक महान और अद्वितीय राष्ट्रगान की रचना की है, अब आप विश्व के लिए एक रचना का सृजन क्यों नहीं करते? और टैगोर ने कहा: लेकिन गुरु नानक जी ने तो बहुत पहले ही इसकी रचना कर दी थी सन1506 ईस्वी में मआरतीफलिख कर, जो एकता का गीत है।

इसका संकेत गुरु नानक द्वारा रची गई आरती की ओर था जब वो पुरी के मंदिर में खड़े थे, परंपरागत आरती से हट कर, आरती में परमात्मा के विराट स्वरुप का चित्रण किया है जिसका सार है परम रचनाकार की महिमा का बखान मनुष्य द्वारा नहीं किया जा सकता।

आकाश रूपी थाल में सूर्य और चंद्र दीपक के समान प्रज्वलित हैं, तारा मंडल मोतियों की तरह शोभायमान हैं। वायु चंवर ढुला रही है, समस्त वनों के पुष्प सृष्टि को सुगंधित करते हैं। हे भवखंडन! तुम्हारी आरती की भव्यता का वर्णन कैसे किया जा सकता है।

रंग बिरंगी वेशभूषा, संगीत, नृत्य की एक मादक कॉकटेल

मानो सम्पूर्ण सिटी ऑफ़ जॉय में ए आर रहमान रचित फिल्म जोधा अकबर के संगीत की धुन गूँज रही थी, रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के वरिष्ठ नेताओं का प्रतिनिधि

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और गे बॉलीवुड गीत पर नृत्य करते हुए। चित्र में राशी मेहता (गे के दाहिनी ओर) शमिल है।

मंडल, रो ई अध्यक्ष मार्क मैलोनी और गे के नेतृत्व में; ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी हुआंग और कोरिना, RIPN शेखर मेहता और राशी, भारत के दो सेवारत रो ई निदेशक अपनी पत्नियों के साथ और भारत व अन्य कई देशों के टीआरएफ ट्रस्टी, रो ई निदेशक और सेवारत ट्रस्टी, रंगीन साफे पहन कर, जोशीली गाने की राजसी धुन पर चल रहा था मरहबा। (जिसका अर्थ-स्वागत है)।

जैसे-जैसे नेताओं ने हाउस ऑफ फ्रेंडशिप की ओर बढ़ना शुरू किया, हर दिशा से हिंदुस्तान मेरी जान की आवाजें गूंजने लगीं। विशाल परिसर में फैले हाउस ऑफ फ्रेंडशिप के उद्घाटन के बाद, जहां करीब 100-रंगीन बूथ बनाये गए थे, यहां रहमान का एक और प्रसिद्द गीत मजय होफ चल रहा था और इस कार्यक्रम में विदेश से पधारे रो ई के कई निदेशक जूलिया फिप्स और स्टेफ़नी अर्चिक भी ठेठ बॉलीवुड अंदाज़ में थिरक रही थीं, विदेशी मेहमानों को पीडीजी पिंकी पटेल ने उन्हें बखूबी सिखाया था।

गे मैलोनी अब तक निश्चित ही भारतीय परम्परा में ढल चुकी हैं और साड़ी को बड़ी सहजता और शानदार तरीके से पहनती हैं। जैसे ही ये भव्य समूह हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप पहुंचा, खुशमिज़ाज गे अनायास ही वीआईपी का स्वागत करने के लिए आईं नृत्यांगनाओं में शामिल हो गईं और पीछे पीछे अध्यक्ष मलोनी ने भी उन्हीं का अनुसरण किया। निश्चित ही रोटरी के पहले युगल के लिए यह एक यादगार वेलेंटाइन डे था... रंग बिरंगे परिधान, साजो सामान और बॉलीवुड डांस के साथ। रोमांस के लिए इससे बेहतर क्या होगा!

PDG गण ज़मिन हुसैन और शाहुल हमीद।

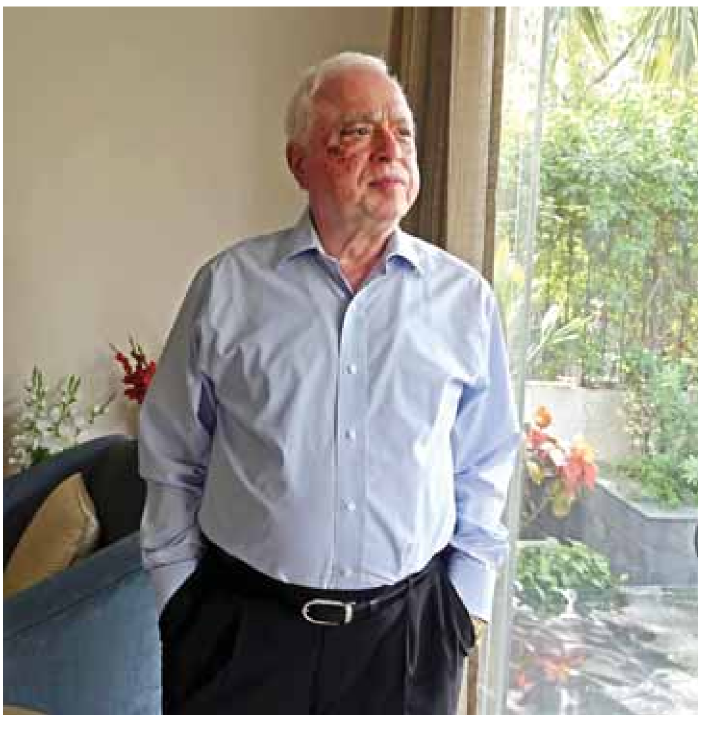

PRID सुशील गुप्ता।

सुशील गुप्ता की कमी खली

स्वास्थ्य की तकलीफ से जूझ रहे PRID सुशील गुप्ता की कमी बेहद खली, अपने सम्बोधन की शुरुआत में रो ई अध्यक्ष मार्क मैलोनी ने बड़े ही मर्मस्पर्शी लहज़े में इस का ज़िक्र किया।

अपने संबोधन की शुरुआत करने से पहले, मैलोनी ने कहा: मैं एक समर्पित रोटेरियन को ज़रूर याद करना चाहूंगा, जिन्हें इस कार्यक्रम में शिरकत कर बेहद खुशी होती और मैं बात कर रहा हूं पूर्व निदेशक सुशील गुप्ता की।

उन्होंने बताया किस प्रकार 2018 में, उन्हें और गे को सुशील गुप्ता और विनीता का स्वागत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था जब वे दोनों उनके RIPN नामित होने के बाद इवानस्टन में रोटरी अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय में आये थे। उनके स्वास्थ्य ने उन्हें उस पद पर बने रहने की इजाज़त नहीं दी।

उन्होंने खुलासा किया कि युगल ने इस अवसर का लाभ उठाया और वे कोलकाता दिल्ली के रास्ते होते हुए आये थे, सुशील और विनीता से उनके घर पर मिलने और उनके साथ रोटरी और ज़िंदगी के बारे में बातचीत करने। सुशील अभी भी पूरी तरह से रोटरी को समर्पित है। भले ही वह अपनी आवाज़ में बोल नहीं सके, लेकिन हमने रोटरी के चमत्कारों, भारत में रोटरी की सफलता के बारे में ज़रूर चर्चा की। उनसे मिल कर मैं बहुत प्रसन्न हूँ और सुशील जी ने कोलकाता में पधारे सभी रोटेरियनों को शुभकामनाएं भेजी हैं।■

Rotary India Centennial Summit 2020

भारत के गुमनाम नायकों का रोटरी अभिनंदन करती हैं

वी मुत्तुकुमारन

PRIP कल्याण बेनर्जी ने RID कमल संघवी, पीडीजी सुभाष जैन और रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी (बाएं) की उपस्थिति में एक पुरस्कार के साथ भ्रिगु बोर्थाकुर को सम्मानित किया।

वैलेंटाइन डे पर कोलकाता में तीन दिवसीय रोटरी सम्मेलन में मानवता के प्रति निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए चार गैर-रोटेरियन रोटरी इंडिया ह्यूमैनिटी हीरो अवाड्र्स से सम्मानित किए गए। महत्वपूर्ण बात यह है कि पुरस्कार विजेताओं का चयन एक ऑनलाइन पोल के माध्यम से किया गया जिसमें ऑनलाइन आवेदकों के लिए 45 दिनों में आठ मिलियन वोट मिले। ''रोटेरियन अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं, लेकिन प्यार की भाषा रोटरी के सभी 1.2 मिनियन सदस्यों को जोड़े रखती है। वैलेंटाइन-डे पर ऐसे लोगों की पहचान कर रहे हैं जो उनकी निस्वार्थ सेवा करने के साथ ही उसी भाषा में बोलते हैं और हम उम्मीद करते हैं यह पुरस्कार दूसरों को सेवा कार्यों में उत्तम प्रदर्शन देने के प्रति प्रेरित करेगा''- सत्र के अध्यक्ष रो ई मंडल डायरेक्टर नॉमिनी ए एस वेंकटेश ने कहा।

आरआईएचएच अवाड्र्स के अध्यक्ष पीडीजी बाल कृष्ण इनामदार ने कहा कि यह पुरस्कार उन गैर-रोटेरियनों को दिए गए थे जिन्होंने स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्ट कार्य किए थे, बुनियादी शिक्षा और साक्षरता, जल, सफाई और स्वच्छता, एवं आर्थिक और सामुदायिक विकास। ऑनलाइन वोटिंग के बाद सात सदस्यीय जूरी पैनल ने अंतिम रूप से चुने गए 15 उम्मीदवारों का मूल्यांकन किया जो 6 फरवरी को समाप्त हुआ।

डेलॉइट इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं जूरी मेंबर पी. आर रमेश ने कहा कि पुरस्कार के लिए चयन करने का मापदंड यह था कि जो लोग कठिनाईपूर्ण, खतरनाक एवं कमजोर भौगोलिक क्षेत्रों में काम करते हैं, जिनका अपने कार्य पर ही फोकस रहता है, जो संसाधनों की कमी के

(बाएं से) RIHHA के अध्यक्ष बाल इनामदार, राज्यसभा संसद MP मोहम्मद नदीम-उल-हक, पश्चिम बंगाल मंत्री अमित मित्रा, विगत रो ई के उपाध्यक्ष एच डीन रोहर्स और RID भरत पांड्या की उपस्थिति में टीआरएफ ट्रस्टी चेयरमैन गैरी हुआंग, चेयर-इलेक्ट के आर रविंद्रन और पीडीजी प्रियेश भंडारी द्वारा अदिक कदम को एक चेक के प्रस्तुत किया जा रहा है।

RID प्योत्र विग्नांकज़ूक ने RIPN शेखर मेहता (बाएं), पीडीजी टी के रूबी और ट्रस्टी जेनिफर जोन्स की उपस्थिति में डॉ शालिनी सक्सेना को सम्मानित किया।

बावजूद भी प्रयास करते रहते हैं और जो उपलब्ध धन का सर्वोत्म रूप से अनुकूल उपयोग करते हैं, उनके लिए पुरस्कार चयन करने का यही मापदंड था। एक अन्य जूरी मेंबर संजय जैन जो कि भारत के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल हैं उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया का आधारभूत तथ्य 'भारत के अनसुने नायकों' की तलाश थी और उन्हें पुरस्कृत करके दूसरों को उनके उत्कृष्ट कार्यों को दोहराने के लिए प्रेरित करना था। यहां पर विजेताओं और उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों को बताया गया है:-

1. **भृगु बोर्थाकुर:** साक्षरता में अपने काम के लिए भृगु बोर्थाकुर ने पुरस्कार जीता। उन्होंने असम में व्यापक स्तर पर बाढ़ राहत कार्य किया है और एक इंजीनियरिंग छात्र के रूप में उन्होंने कुदरत में बच्चों के लिए इनफॉरमल कक्षाएं ली हैं। वह गरीब परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए 13 स्कूलों को चलाते हैं। उन्होंने ने अपने स्वीकृति भाषण में कहा कि - ''यह रोटरी पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए सम्मान की बात है, उस कार्य के लिए जो मैं जमीनी स्तर पर करता हूँ लेकिन विकलांगों को विशेष तौर पर समर्थवान बनाने के लिए विशेष प्रयासों को किए जाने की जरूरत है और रोटरी यही कार्य कर रही है।''

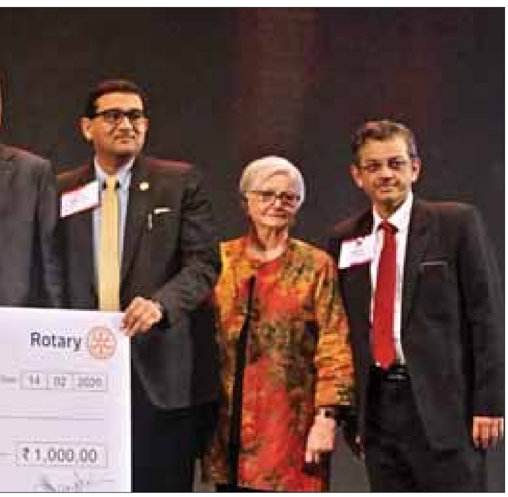

2. **आधिक कदम:** एक पूर्व रोटरेक्टर जो कि कश्मीर में आतंकवादियों और कट्टरपंथियों के द्वारा 19 बार पकड़ा गया। वह इसलिए 19 बार पकड़ा गया क्योंकि वह गुमराह नौजवानों के पुनर्वास के लिए कोशिश कर रहा था और वह जम्मू-कश्मीर के सुदूर इलाकों में उनको समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर रहा था। बॉर्डरलेस वर्ल्ड फाउंडेशन के बैनर तले, उसने 750 से अधिक कश्मीरी लड़कियों और 25 स्थानीय लोगों को बचाया है जिन्हें ब्रेनवॉश करने के लिए आतंकवादियों द्वारा बंदी बनाया गया था और फिर उन्हें भारतीय सेना के खिलाफ लड़ाकों के रूप में काम करने के लिए शामिल किया गया था। उसने बताया कि - ''मैं अपने विद्यार्थी जीवन के समय से ही पिछले 23 सालों से कश्मीर में रह रहा हूँ। नासमझीपूर्ण हिंसा को देखने के बाद मैंने लड़ाकों के प्रभाव से उन्हें मुक्त कराने के लिए मैंने यहां रहने का फैसला किया और छोटी बच्चियों का पुनर्वास करवाया। रोटरी को इस हिमालयी समुदाय में शांति स्थापित करने में मदद करनी चाहिए।''

3. **स्वप्निल गवांडे:** 8 वर्ष के बच्चे के लिए यह एक बहुत ही बड़ा झटका था जब उसने अपने करीबी दोस्त को कॉर्नियल ब्लांइनेस होने के कारण खो दिया था और तब से ही उसने दृष्टि के इस रोकने योग्य बचाव के लिए एक जोरदार अभियान चलाया। अपने दीशा एनजीओ के माध्यम से, वह मुंबई में पिछले 15 सालों के दौरान नेत्र विकारों के खिलाफ विभिन्न कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रहे हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमबीए डिग्री के साथ उन्होंने दिशा ऑई रिसर्च इंस्टीट्यूट को शुरू किया। वह बताते हैं कि ''मैं इस रोटरी एवार्ड को उन सभी लोगों को समर्पित करता हूँ जिन्होंने अपने मृतक परिजनों की आंखें दान की थीं जब परिवार दुख में था।'' दिशा एनजीओ एक ऑई बैंक और स्कूलों के एक ग्रुप को चलाता है। गावंडे भी अंग दान के लिए एक उत्साही प्रमोटर हैं।

4. **डॉ शालिनी सक्सेना:** समुदाय विकास अधिकारी के रूप में, उन्होंने भोपाल गैस त्रासदी की पीड़ित महिलाओं के लिए व्यापक स्तर पर काम किया है। अपने एनजीओ, प्रियांशी एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसाइटी के माध्यम से, उन्होंने 10 सालों के दौरान सैनेटरी पैड्स को बनाने के लिए एक कॉन्ट्रेप्शन डिवाइस बनाया है और इन पैड्स को बनाने एवं बेचने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षित किया है। अब उन्होंने राजस्थान में महिला समूहों और छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश में आदिवासियों हेतु अपने काम का विस्तार किया है जिन्हें मासिक धर्म स्वच्छता के मुद्दे पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता ने प्रशस्ति पत्र और 1 लाख रूपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया।

चित्र: *जयश्री*

Rotary India Centennial Summit 2020

अड्डा जश्न में सराबोर था

रशीदा भगत

रशीदा भगत

RID कमल संघवी, गे, रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, ट्रस्टी चेयर गैरी हुआंग और RIPN शेखर मेहता HoF का उद्घाटन करते हुए।

उद्घाटन दिवस पर, विभिन्न मतावलम्बियों से सौहार्दपूर्ण बातचीत के बाद, संगीत, नृत्य के साथ मनाये जा रहे एक रंगारंग समारोह में, भव्य मार्च का नेतृत्व करते हुए, रो ई अध्यक्ष मार्क मैलोनी ने हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप का उद्घाटन किया जिस की अध्यक्षता PDG राजा श्रीनिवासन कर रहे थे। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय नेता पारंपरिक रंगीन भारतीय पगड़ी धारण किये हुए थे।

HoF में 110 से ज़्यादा स्टाल थे, और बिस्वा बंगला कन्वेंशन सेंटर के भीतर विशाल परिसर में फैले हुए एक स्थान पर रंग बिरंगा अड्डा बनाया गया था, जो रो इ और भारत के वरिष्ठ नेताओं के आदमकद कट आउटों से देदीप्यमान हो रहा था, तीनों दिन अड्डा गतिविधि और चहल पहल से गुलजार रहा। फोटो के शौक़ीन भारतीय रोटेरियनों के लिए यहां कोलकाता के प्रसिद्ध स्थलों जैसे हावड़ा ब्रिज, विक्टोरिया मेमोरियल आदि के कटआउट (प्रतिरूप) के साथ सेल्फी और ग्रुप फोटो खींचने की पूरी सुविधा थी।

फूड स्टॉल पर ज़बरदस्त भीड़ उमड़ रही थी, यहां कोलकाता के प्रसिद्ध पुचके (पानीपूरी) और चाट से लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजन जैसे डोसाई के साथ साथ शहर के कई प्रसिद्ध स्ट्रीट फूड इतने स्वादिष्ट कि उँगलियाँ चाटते रह जाओ, और काफी सस्ती दरों पर उपलब्ध थे, लगभग ₹200 में पेट भर सकते थे। जिस स्टाल पर मैं बार बार आ रही थी, वो थी चिकन-अंडा स्टाल जहां फ़टाफ़ट चिकन-अंडा रोल बन रहा था। एक लाइव काउंटर पर सब्ज़ीयों और चटपटी तीखी सॉस के साथ स्वादिष्ट और रसेदार चिकन रोल, कीमत सिर्फ ₹100 से ₹130।

इसकी मांग इतनी ज़्यादा थी कि इसे एक बार लेने के लिए आपको काफी धक्का मुक्की और मशक्कत करनी पड़ रही थी लेकिन कोई बात नहीं, इस चिकन रोल के लिए चलेगा! झनझना देने वाले इसके तीखे स्वाद से अधिक स्वादिष्ट अंडे पर लगाने वाला डिप था। मैं स्वीकार करती हूँ कि - मैंने अतिरिक्त रोल भी लिए थे, दो दिन। नींद और थकान में होने की वजह से अपने की पैड को दूर करने के बाद, कड़ाके की ठंड के बावजूद, कमरे के भीतर ये मध्य रात्रि के लिए बिलकुल उपयुक्त स्नैक था। और हाँ, इसने मेरी नींद ज़रूर उड़ा दी!

आयोजकों की एक अच्छी बात यह लगी कि पानी - छोटी बोतलों में था ताकि वो कीमती वस्तु व्यर्थ ना जाए - ये मुफ्त उपलब्ध थी। इस काम के लिए सेवक नियुक्त थे जो परिसर में पानी की बोतल ले कर घूम रहे थे और एक बड़ी ट्रे में खाली बोतल इकट्ठी कर रहे थे। इतने विशाल आयोजन में, इस तरह की सेवा दुनिया में आपको कहाँ मिलती है? इस बात का ध्यान रखने वाले व्यक्ति को साधुवाद। ■

RIDE वलेरी वफ़र के साथ HoF समिति के सह-अध्यक्ष PDG वी राजा सीनिवासन (बीच में), शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष विनोद बंसल, RID फ्रांसेस्को अरेजो और अन्य प्रतिनिधि।

वी मुत्तुकुमारन

Rotary India Centennial Summit 2020

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने रोटरी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया

जयश्री

कोलकाता में आयोजित शताब्दी सम्मेलन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने रोटरी के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रशंसा की और रोटरी से प्रधानमंत्री की *आयुष्मान भारत* योजना का हिस्सा बनने का आग्रह किया। इसका उद्देश्य कैंसर, मधुमेह और अन्य जीवन शैली संबंधी विकारों के लिए नियमित जांच शिविरों के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर 85 करोड़ गरीब व्यक्तियों का गुणवत्तापूर्ण उपचार करना है। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि रोटरी इसके लिए आगे आए और आपके आगे आने से, कई अन्य संगठन भी इसके लिए आगे आएंगे। साथ मिलकर हम पूरी दुनिया को ज़्हेल्थ फॉर ऑल प्रोग्रामम का सफल मॉडल प्रदान कर सकते हैं।

PRID सुदर्शन अग्रवाल के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए, उन्होंने दुनिया भर में और विशेष रूप से भारत में पोलियो उन्मूलन में रोटरी की अग्रणी भूमिका का जिक्र किया। मैं इस अवसर पर रो ई मंडल 3010 के सभी रोटेरियन के ईमानदार और पूरे दिल से किए गए समर्पित योगदान को याद करता हूं जब हमने 1994 में पहला पल्स पोलियो अभियान शुरू किया था। जब उन्होंने अभियान को पूरा करने की अपनी योजना के बारे में बताया, तो (तब के प्रधानमंत्री) राजीव गांधी बजट को लेकर चिंतित थे। इसके बाद रो ई मंडल आगे आया और पूरी दिल्ली में अभियान को बढ़ावा देने में मदद की।

दाएं से: RID कमल संघवी, PDG नैन्सी बारबी, RID भरत पांड्या, RIPN शेखर मेहता, केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री हर्षवर्धन, रोटेरियन सु पेजेंट और RIDE वलेरी वफ़र पोलियो उत्तरजीवी बच्चों के साथ।

रोटरी ने प्रचार की जिम्मेदारी संभाली। सबसे बड़ा काम सुबह 4 बजे 4,000 पोलियो बूथों पर वैक्सीन पहुंचाना था। रोटेरियन इस कार्य को करने के लिए सहमत हुए। मंत्री ने कहा लेकिन मुझे विश्वास नहीं था कि वे 4 बजे उठ पाएंगे। इसलिए मैंने इसके लिए 400 स्वास्थ्य कर्मचारियों को संगठित किया था, और सरकारी वाहनों को भी तैयार रखा था। लेकिन मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि टीके पहुंचाने के कार्य में एक भी रोटेरियन अपने ड्यूटी में विफल नहीं हुआ।

उन्होंने रोटेरियन की उनके महान कार्य, चाहे चाहे वह सर्जरी, डायलिसिस और कोई अन्य कार्य हैं, के लिए सराहना की। आपने अपनी वीडियो प्रस्तुति में अपनी सफलता की विभिन्न कहानियां दिखाईं, लेकिन मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि यह केवल आपके महान कार्यों का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है।

उन्होंने भारत को खसरा, रूबेला और अन्य रोकथाम योग्य बीमारियों से छुटकारा दिलाने हेतु *मिशन इन्द्रधनुष* के माध्यम से सार्वभौमिक टीकाकरण की पहुंच को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के साथ रोटरी की साझेदारी की सराहना की।

इससे पहले सत्र के अध्यक्ष रो ई मंडल भरत पंड्या ने दर्शकों को अपने पोस्टिव हेल्थ प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चार मुख्य दीर्घकालिक बीमारियों – मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग, गुर्दे की बीमारी और स्ट्रोक से लोगों की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, इस आधुनिक दुनिया में, जब हम अपने अपने कार्यों में व्यस्त हैं, यह जरुरी है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए समय दें और ख्याल रखें।

एनसीडी या गैर-संचारी रोग साइलेंट किलर्स हैं जो हमारे देश में होने वाली 55 प्रतिशत मौत का कारण बनते हैं। पांड्या ने एनसीडी में दो महत्वपूर्ण कारणों को जिम्मेदार ठहराया – अनुचित जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर भोजन करने की आदतें। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी लबांई, वजन, रक्तचाप और ब्लड शुगर के मापदंडों को ध्यान में रखना चाहिए और क्लबों को इनती जांच के लिए चिकित्सा शिविर लगाने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने नए स्लोगन – *एक चम्मच कम, चार कदम आगे* – को बढ़ावा देने हेतु रोटेरियन की सराहना की और लोगों से चीनी और नमक का उपभोग कम करने तथा दिन में कम से कम 30 मिनट टहलने का आग्रह किया।

चित्र: जयश्री

शताब्दी क्लबों के सर्कल के लिए रोटरी क्लब कलकत्ता ने समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया

Rotary India Centennial Summit 2020

वी मुत्तुकुमारन

दुनिया भर के सभी 100 वर्ष पुराने रोटरी क्लबों को साथ लाने के एक महत्वपूर्ण भाव में, रोटरी क्लब कलकत्ता, रो ई मंडल 3291, ने एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया। रोटरी क्लब कलकत्ता के क्लब अध्यक्ष पुरनेन्दु रॉय चौधरी और रोटरी क्लब मनीला के जैकी रोड्रीगेज़ ने रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी, RIPN शेखर मेहता और मनीला, फ़िलीपिन्स, से अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति के अध्यक्ष निक लोकसिन की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया। मंडल 3291 के डीजी अजय अग्रवाल ने कहा कि बाद में रोटरी क्लब शंघाई को सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने और साहचर्य का एक विशेष संबंध बनाने हेतु रोटरी क्लबों के शतवर्षीय घेरे में शामिल किया जाएगा।

कोलकाता में आयोजित हुए रोटरी इंडिया सेंटेनियल समिट (RICS) की पहली विस्तृत बैठक में आए 32 देशों के 4,200 रोटेरियनों को संबोधित करते हुए, अग्रवाल ने रोटरी क्लब कलकत्ता के स्थापना वर्षों को याद किया जब यूएस के एक स्टील व्यापारी आर जे कूंबेस ने उनके करीबी मित्रों में से 45 मित्रों को कलकत्ता में तत्कालीन पेलिटिस रेस्टोरेन्ट में 26 सितंबर, 1919 को बुलाया। रोटरी द्वारा अनुसरण किए जाने वाले मित्रता, साहचर्य और सेवा के विचार से वे इतने प्रभावित हुए कि वह कलकत्ता में एक ऐसे ही क्लब ही स्थापना करना चाहते थे और 1 जनवरी, 1920 को 20 चार्टर सदस्यों के साथ इस क्लब को इसका अधिकारपत्र हासिल हुआ, डीजी ने कहा। इतने दशकों में, रोटरी कोलकाता के अभिजात वर्ग का एक हिस्सा बन गई है, जो धरोहरों को आकार दे रही है और आनंद के शहर के सौन्दर्य को बढ़ा रही है जैसा कि हुगली नदी पर हावड़ा ब्रिज बनाने के मामले में हुआ। विशेष समिति के सदस्यों के रूप में रोटेरियनों ने 1927 में एक नौका सेतु को हावड़ा ब्रिज में परिवर्तित करने में अहम भूमिका निभाई।

नितीश चन्द्र लाहरी पहले भारतीय थे जो 1926-27 में क्लब सचिव चुने गए थे और रोटरी में उनके उत्कृष्ट योगदानों की वजह से, वह 1962-63 में पहले भारतीय रो ई अध्यक्ष बने। अग्रवाल ने कहा, हम सभी के लिए शताब्दी वर्ष के कई मायने है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, इसका अर्थ है हमारी सेवा गतिविधियों के लिए नए परिदृश्यों एवं परिकल्पनाओं और दृढ़ता एवं आंतरिक पुनर्समर्पण को स्थापित करना यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोटरी अधिक व्यस्त रखती है एवं अधिक सेवा देती है।

रोटरी क्लब कलकत्ता उसके शताब्दी वर्ष को चिन्हित करने के लिए 3 मिलियन डॉलर (20 करोड़) की विविध परियोजनाएं कर रहा है जिसे RIPN शेखर मेहता का पूर्ण प्रोत्साहन एवं सहयोग प्राप्त हो रहा है। अब तक, हम 1,000 शौचालय, 200 बोरवेल निर्मित कर चुके है और 20 गांवों को खुले में शौच से मुक्त कर चुके है। हमने पुरुलिया में 250 बच्चों के लिए एक मुफ्त आवासीय स्कूल का निर्माण किया है, जबकि हावड़ा एवं बर्मनगवां में 200 विद्यार्थियों वाले ऐसे दो स्कूल निर्माणाधीन है, क्लब के शताब्दी वर्ष समिति अध्यक्ष सौमेन रे ने कहा। 1,000 हृदय सर्जरियों के अलावा, 100,000 बच्चों का हावड़ा में टीकाकरण किया गया।

भारत में रोटरी के 100 वर्षों को चिन्हित करने के लिए उनतीस क्लबों को प्रायोजित किया गया जिसमें रोटरी क्लब कलकत्ता सेंटेनरी शामिल है और हम हमारे मंडल में 100 रोटेरियनों, 100 रोटरेक्टरों एवं 300 इंटरेक्टरों को शामिल करने के लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है, रे ने कहा। रोटरी क्लब कलकत्ता इस रोटरी वर्ष में 38 नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित कर रहा है। इस विशिष्ट क्लब ने 10 नए वैश्विक साझेदार क्लबों को जोड़ा है और हजारों मरीजों की सेवा करने हेतु दो सरकारी अस्पतालों में रोटरी वार्डों की शुरुआत की है। सेंटेनियल गोल्फ टूर्नामेंट और विंटेज कार शो जैसे अनुदान संचयन समारोहों ने शहर में रोटरी का एक नया माहौल बना दिया है।

रो ई निदेशक भरत पांड्या का अनुसरण करते हुए, हम 2 मिलियन डॉलर की अनुदान परियोजना करने के बारे में विचार कर रहे है जिसमें 100 गांवों को खुले में शौच से मुक्त किया जाएगा और 100 स्कूलों को पाँच घरेलू क्लबों एवं पाँच विदेशी क्लबों की सहायता से हैप्पी स्कूलों में परिवर्तित किया जाएगा। इस विशाल परियोजना को तैयार किया जा रहा है, रे ने कहा।

अब तक, शताब्दी वर्ष परियोजनाएं कोलकाता के अंदर एवं उसके आसपास 1.2 लाख लाभार्थियों तक पहुँच चुकी है। शताब्दी क्लबों के सर्कल हेतु समझौता ज्ञापन के साथ, हम एक व्यापक प्रभाव हेतु दुनियाभर के क्लबों के साथ अपने साहचर्य एवं प्रसार को विस्तृत कर रहे है, उन्होंने आगे कहा। पीडीजी रजनी मुखर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

रोटरी क्लब कलकत्ता के पूर्व अध्यक्ष सौमेन रे; DG अजय अग्रवाल; निक लोकसिन,अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति, मनीला; रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी; RIPN शेखर मेहता और PDG रजनी मुखर्जी की उपस्थिति मे रोटरी क्लब मनीला के अध्यक्ष जैकी रोडरिगज़ (बाएं बैठे) और रोटरी क्लब कलकत्ता के अध्यक्ष पूर्णेंदु रॉय चौधरी (दाएं बैठे) एक MoA पर हस्ताक्षर करते हैं।

चित्र: जयश्री

हमारे प्रभाव को बढ़ाना

नी हाओ, रोटेरियनों!

कन्फ़्यूशियस के इस उद्धरण को देखें: नैतिकता को विकसित करने की विफलता, जो मैंने सीखा है उसे परखने और विश्लेषण करने में विफलता, रास्ता दिखाए जाने के बावजूद नेकी की राह पर चलने में अक्षमता, अपने दोषों से मुक्त होने की अक्षमता - ये सभी मेरे दुख के कारण है।

यदि इस कहावत को थोड़ा प्रत्यक्ष रूप से कहा जाए, तो यह बिल्कुल रोटरी के नए एक्शन प्लान के पहले लक्ष्य जैसी लगती है। जब हम बात करते है कि रोटरी हमारे प्रभाव को बढ़ा रही है, तो हमारा मतलब है रिश्तों में निवेश करना, प्रमाणों पर आधारित निर्णयों को लेना, दीर्घकालिक समाधानों के लिए अपने संसाधनों को संघटित करना, और हमेशा अपने अनुभवों से सीखना।

रोटरी संस्थान पहले से ही ऐसा बहुत अच्छी तरह कर रहा है और यह एक बेहतर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संभव निवेश बना रहेगा क्योंकि एक्शन प्लान कार्यान्वित हो चुका है। हमारे वैश्विक अनुदान वास्तविक सामुदायिक आवश्यकताओं पर प्रतिक्रिया देते है। ऐसा इसलिए क्योंकि हम उन्हें सख्त सामुदायिक मूल्यांकन के बाद ही अनुमोदित करते है। उसके बाद परियोजनाओं को मूल्यांकन के दौरान प्राप्त हुई जानकारी के तदनुकूल बनाया जाता है।

अब आपका संस्थान प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदानों के माध्यम से पहले से अधिक बड़े पैमाने पर परिवर्तन ला रहा है। ये प्रतिस्पर्धी अनुदान है, जिन्हें समुदाय द्वारा पहचानी गई आवश्यकता पर प्रतिक्रिया देने हेतु तैयार किया गया है। प्रोग्राम्स ऑफ स्केल एक विशेष भौगोलिक क्षेत्रफल में बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित करेंगे। वे दीर्घकालिक, साक्ष्य आधारित हस्तक्षेप के साथ मापने योग्य परिणाम एवं प्रभाव वाले होंगे। प्रत्येक अनुदान, तीन से पांच वर्षों के लिए, रोटरी की एक या उससे अधिक ध्यानाकर्षण क्षेत्रों से संरेखित होने वाली गतिविधियों का समर्थन करेगा।

प्रोग्राम्स ऑफ स्केल पोलियो उन्मूलन में हमारे अनुभवों पर निर्मित है, और हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि इस बीमारी को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य किया जाना शेष है। जब मैंने नवंबर में पाकिस्तान का दौरा किया था, तो मैं बहुत से युवा रोटरी नेतृत्वकर्ताओं को एंड पोलियो नाउ के लिए कड़ी मेहनत करते देख बहुत खुश हुआ।

हमारे वैश्विक अनुदानों के माध्यम से अद्भुत चीज़ें हो रही है, और रोटरी एक्शन प्लान पहले से कहीं अधिक करने में हमारी मदद करेगा। आईए हम नैतिकता को विकसित करना, हम जो सीख रहे है उसे परखना और विश्लेषण करना, हमारे नए ज्ञान के आधार पर नेकी की राह पर चलना जारी रखें, और हम जो भी करते है उसमें बेहतर करते रहें।

गेरी सी के हुआंग
फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

मीठी सैर

हैंक सार्टिन

पिछले वर्षों में, अनानास व्यावहारिक रूप से हवाई का पर्याय बन गया: एक समय में, यह द्वीप दुनिया के 80 प्रतिशत से अधिक डिब्बाबंद अनानास की आपूर्ति करता था। हालांकि राज्य की आखिरी अनानास कैनरी वर्ष 2007 में बंद हो गई और द्वीपों के विशाल अनानास वृक्षारोपण ने अधिक विविध खेती को रास्ता प्रदान किया, जब आप 6-10 जून तक रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए होनोलूलू में होंगे, तो आप इस उष्णकटिबंधीय भोज का आनंद तब भी ले पाएंगे।

डोल प्लैंटेशन में आपको सैर मिलेगी जिनमें पाइनएप्पल एक्सप्रेस ट्रेन टूर शामिल है, जो इस फल के इतिहास और विज्ञान की खोज करता है। क्या आपको पता है अनानास की शुरुआत एक साथ उगने वाली बेरों के गुच्छे से हुई? इस सैर में आपको जेम्स डोल की कहानी भी देखने को मिलेगी, जिन्होंने हवाई में अनानास उद्योग के विकास की शुरुआत की थी।

प्लैंटेशन गार्डन टूर पर, आपको कॉफी, कोको, और लेई बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ सामान्य फूल - *प्लुमेरिया, पिकाके,* और *पुआ केनिकेनी* - के साथ अन्य फूल भी देखने को मिलेंगे। यदि आप सम्मेलन में परिवार को लेकर आए है, तो बच्चों को पाइनएप्पल गार्डन मेज़ पसंद आएगा, जो ढाई मील लंबे रास्तों के साथ 3 एकड़ में फैला हुआ है। बाहर निकलने के रास्ते का पता लगाने के बाद, प्लैंटेशन ग्रिल पर एक डोल व्हिप के लिए रुकिए, जो अनानास के स्वाद वाला एक मुलायम भोजन है।

होनोलूलू में 2020 रोटरी सम्मेलन से मत चूकिए। 31 मार्च तक *riconvention.org* पर पंजीकरण कीजिये।

HONOLULU HAWAII 2020

©The Rotarian

Rotary India Centennial Summit 2020

100 साल के बाद भी मज़बूत और जोशपूर्ण

RIPN शेखर मेहता और राशी HoF में एक नृत्य का आनंद ले रहे हैं। चित्र में कोरिना हुआंग (बाएं) और सोनल सांघवी (दाएं) भी शामिल है।

नीचे: PRIP कल्याण बेनर्जी एक युवा पोलियो उत्तरजीवी के साथ बातचीत करते हुए, चित्र में RIPN मेहता, सोनल और राशी भी शामिल है।

प्रसिद्धि बॉलीवुड डिप्लाव शाह और मंडली द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम।

RIDN ए एस वेंकटेश और उनकी पत्नी विनीता।

ऊपर: RID कमल संघवी और सोनल।

बाएं: (दाएं से) RID भरत पांड्या, उनकी पत्नी माधवी और PRIP राजेंद्र साबू।

शताब्दी समारोह समिति चेयर विनोद बंसल PRID मीखएल अलबर्ग और उनकी पत्नी चार्लोट के साथ।

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और गे HoF में सांस्कृतिक प्रदर्शन का आनंद लेते हुए। DG धीरन दत्ता चरम दाएं पर है।

ऊपर: PRID सी भास्कर और उनकी पत्नी माला, के साथ DG एस शेख सलीम।

नीचे: TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती और ट्रस्टी चेयर-इलेक्ट के आर रविंद्रन।

अध्यक्ष मलोनी, गे और PRIP साबू।

RID संघवी, सोनल, शर्मिष्ठा और PRID मनोज देसाई।

पीडीजी हितेश जरीवाला और उनकी पत्नी भीष्मा TRF ट्रस्टी जूलिया फेल्प्स के साथ एक सेल्फी लेते हुए।

***बाएं से:** INPPC चेयर दीपक कपूर, PRID अशोक महाजन और राजश्री बिड़ला, चेयरपर्सन,आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट।*

ऊपरः (बाएं से) इनकमिंग ट्रस्टी अज़ीज़ मेमन, TRF ट्रस्टी जेनिफर जोन्स, PRID पी टी प्रभाकर और नलिनी।

बाएं ओर ऊपर सेः *PRIP कल्याण बेनर्जी, बिनोता और RID संघवी; TRF ट्रस्टी चेयर गैरी हुआंग और कोरिना।*

अध्यक्ष मलोनी और गे।

बाएं सेः *किम्बर्ली स्टोवाल, विगत रो ई उपाध्यक्ष हेंडरसन डीन रोहर्स, RID विकी पुलिज़, TRF ट्रस्टी-इलेक्ट गीता मानेक, ट्रस्टी जूलिया फेल्प्स, DGN अरुणा कौशिक, RID जोहिता सोलारी और PDG पिंकी पटेल।*

दाएं: ऊपर से : PRID वाई पी दास और मंजू; RID पांडुरंगा सेट्टी, माधवी और PDG संजय खेमका।

***नीचे:** PRID पांडुरंगा सेट्टी और PDG नयन पटेल।*

चित्र: रशीदा भगत और जयश्री
कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

RIPE होल्गर नेक के साथ साक्षात्कार

रोटरी का कायाकल्प करने के लिए केवल एक युवा दृष्टिकोण ही महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन यह एक शुरुआत है। अध्यक्ष - निर्वाचित होल्गर नेक के लिए, अवसर अनंत हैं।

वन रोटरी सेंटर में, दो अलग-अलग मौकों पर, नेक ने *द रोटेरियन* के प्रमुख संपादक जॉन रेज़ेक और पत्रिका की प्रबंध संपादक जेनी लकमानी के साथ दो घंटों तक बातचीत की। धाराप्रवाह जर्मन प्रभावित अंग्रेजी बोलते हुए, नेक ने उनकी असामान्य बढ़ोतरी पर चर्चा की, जो रोटरी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के साथ उनकी लम्बे समय की भागीदारी से प्रेरित थी। वे अनुभव अध्यक्ष के रूप में उनकी आकांक्षाओं को परिभाषित करते है। रोटरी को आगे बढ़ाना, और विशेषरूप से युवा सदस्यों के साथ बढ़ाना, निश्चित रूप से मेरे लक्ष्यों में से एक होगा, उन्होंने कहा। क्योंकि यदि हम युवा पीढ़ी के साथ संपर्क खो देते है - उन्होंने अपने हाथों को ऊपर उठाया और कंधे को उचकाया - तो हम पिछड़ जाएंगे।

बातचीत के दौरान, नेक ने जनवरी 2018 की अंतर्राष्ट्रीय सभा के अपने भाषण पर चर्चा की, जहाँ उन्होंने पॉल हेरिस का उद्धरण दिया था: यदि रोटरी को अपनी नियति को समझना है, तो उसे समय-समय पर विकासपरक, अवसरों पर परिवर्तनवादी होना होगा। फिर उन्होंने इस पर अपने अतिरिक्त विचार व्यक्त किए: भविष्य के लिए तैयार होने के लिए, रोटरी को परिवर्तनवादी बने रहना चाहिए और युवाशक्ति पर भरोसा करना चाहिए।

नेक ने अपने स्वयं के कुछ सूत्रों को पेश किया - जिसमें एक रोटेरियन बनने की कोई उम्र नहीं होती - और एक अध्यक्षीय टाई की आर्थिक आवश्यकता के बारे में बात की। (नेक, जो शायद ही कभी टाई पहनते है, ने खुलासा किया कि वह मार्क डेनियल मलोनी की एक नीली अध्यक्षीय टाई को डेस्क की एक दराज में सुरक्षित रखते है ताकि जरूरत पड़ने पर उसका तुरंत उपयोग कर सकें।) उन्होंने उनकी अध्यक्षीय थीम का भी परिचय दिया: *रोटरी अवसरों को प्रधान है।* इस वाक्यांश को दृष्टिगत रूप से तीन खुले दरवाज़ों, एक नीला, दूसरा सुनहरा, और तीसरा रोटरेक्ट का चमकीला गुलाबी, के चहयाचित्र के साथ दर्शाया गया है। नेक ने समझाया कि इसकी उपयुक्तता के कारण उन्होंने थीम का चयन किया और क्योंकि प्रत्येक भाषा में इसका अनुवाद करना आसान है।

पहले साक्षात्कार के दौरान, नेक की पत्नी, सुसैन, भी शामिल हुई और स्पष्टीकरण दिये।

दी रोटेरियन: रोटरी के इतिहास में आप जर्मनी से पहले अध्यक्ष-निर्वाचित है। हमें जर्मनी में रोटरी के स्वरूप के बारे में बताइए।

नेक: रोटरी दुनियाभर में अलग है। हम सभी समान मूल मंत्र साझा करते है, लेकिन विभिन्न महत्वों के साथ। जर्मनी में, यह वास्तव में दोस्ती या साहचर्य के बारे में - और यह अखंडता और नैतिकता के बारे में है। इस तरह जर्मन रोटेरियन सदस्यों को देखते है। और फिर जो सेवा हम करते है वह दोस्ती की वजह से है। मुझे लगता है कि प्रमुख बिन्दुओं में से एक यह है कि जर्मन रोटरी क्लब अपने सदस्यों का चुनाव सावधानीपूर्वक करते है, और हमारी अवरोधन दर बहुत अच्छी है। हम अवरोधन के बारे में सोचते भी नहीं है।

टीआर: आप रोटरी में कैसे शामिल हुए?

नेक: मेरे लिए, इसकी शुरुआत राउंड टेबल नामक एक संगठन से हुई, जिसके यूरोप में सैंकड़ों क्लब है। आश्चर्यजनक रूप से, इसकी स्थापना 1927 में इंग्लैंड के रोटेरियनों द्वारा की गई थी जो हमेशा वृद्धजनों के साथ घूमते हुए थक गए थे। इसलिए उन्होंने एक नए संगठन, राउंड टेबल, का गठन किया, लेकिन यह शर्त रखी कि 40 वर्ष की उम्र का होने पर आपको इस संगठन से बाहर जाना होगा। मैं इससे 30 वर्ष की उम्र में जुड़ा और जब मैं 39 वर्ष का हुआ तब इसे छोड़ दिया। उनका यह शानदार आदर्श वाक्य था: अपनाओ, अनुकूल बनो, उन्नति करो। मुझे सेवा में दिलचस्पी थी; मुझे मेलजोल में भी दिलचस्पी थी। इस संगठन के मेरे बहुत से मित्र रोटरी से जुड़े, और फिर से, वजह मेल-मिलाप का अवसर थी, खासतौर पर रोटरी की वर्गीकरण प्रणाली के कारण। एक संगठन को अधिक दिलचस्प बनाने के लिए आपको विभिन्न लोगों की आवश्यकता होती है, ताकि अप्रत्याशित दिशाओं में चर्चा की जा सके। मुझे हेर्ज़ोगटम लोन्बर्ग मोल के रोटरी क्लब से जुड़ने के लिए कहा गया। यह थोड़ा अलग नाम है। जब रॉन बर्टन एक निदेशक थे, तो उन्होंने एक बार मेरा

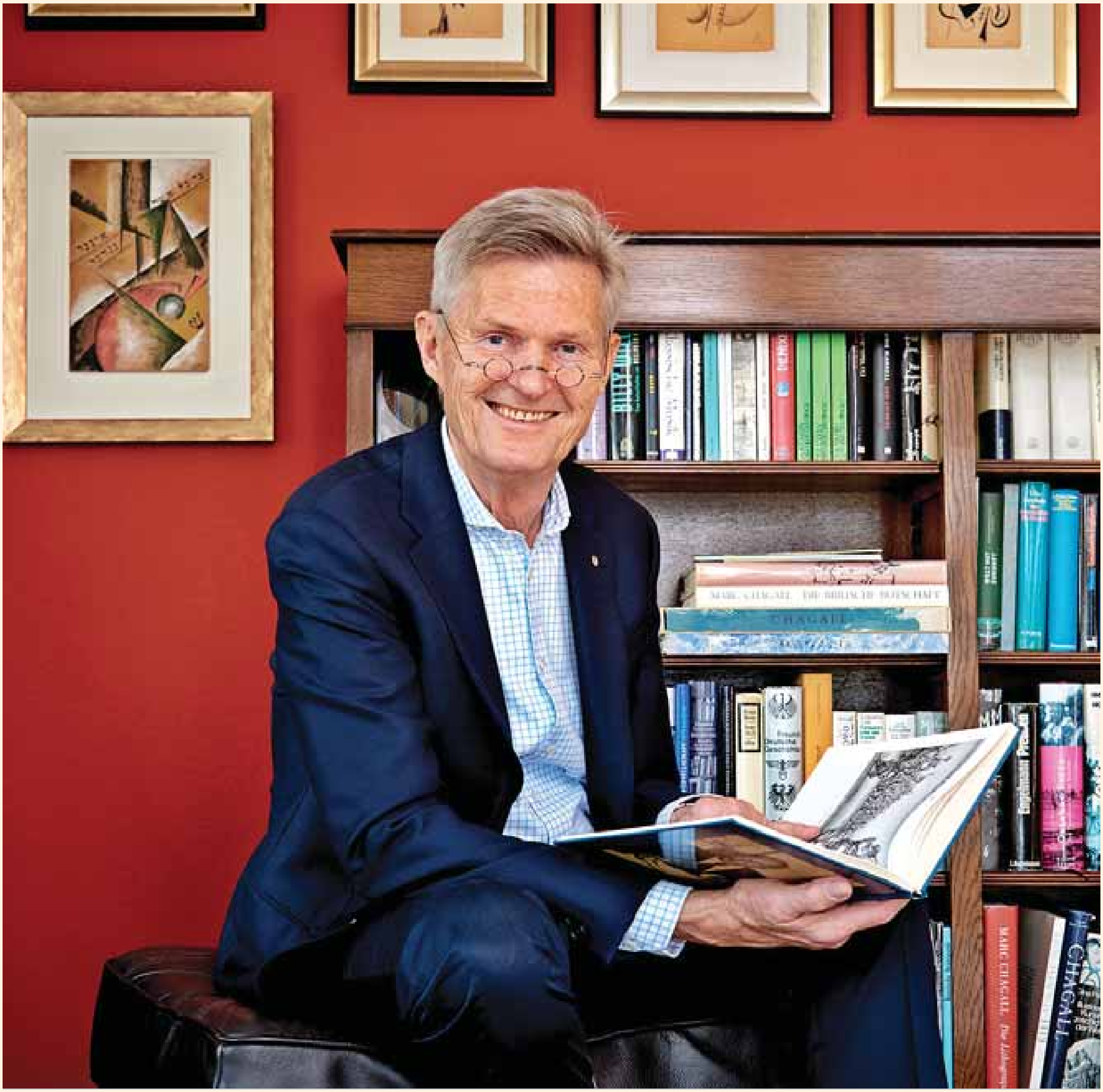

परिचय कुछ इस तरह से दिया जर्मनी के एक रोटरी क्लब से होल्गर नेक। मेरे गृहनगर, रत्ज़ेबर्ग, के एक नए रोटरी क्लब को सदस्यों की तलाश थी, लेकिन मैं उस क्लब के कई सदस्यों को पहले से जानता था, इसलिए मैंने पुराने क्लब से जुड़ने का निश्चय किया। इसने मुझे एकदम अलग लोगों से मिलने का अवसर दिया।

टीआर: रोटरी के अध्यक्ष पद तक पहुँचने के लिए आपने कौनसा रास्ता अपनाया?

नेक: मेरे मंडल गवर्नर बनने से पूर्व मेरे द्वारा जितने भी मंडल नेतृत्व के पद संभाले गए मुझे उसकी सूची बनाने के लिए कहा गया। एक भी नहीं। शून्य। मंडल गवर्नर बनने से पूर्व मैंने कोई पद नहीं संभाला, और मंडल नेतृत्व में मेरी कोई नियुक्ति नहीं थी। मुझे केवल यूथ एक्सचेंज में अपने कार्य के लिए जाना जाता था, और उस वजह से, लोग मुझसे और रोटरी के लिए मेरे जूनून से परिचित थे। जब मैं निदेशक बना तब भी यही हुआ, ज़ोन स्तर पर भी मेरी कभी कोई नियुक्ति नहीं रही। जब मैं मेरे निदेशक-निर्वाचित प्रशिक्षण हेतु इवेंसटन आया, तो यह पहली बार था जब मैंने इस ईमारत में कदम रखा।

टीआर: यूथ एक्सचेंज के बारे में ऐसा क्या है जो इसे इतना सफल कार्यक्रम बनाता है?

नेक: यूथ एक्सचेंज रोटरी में आने का मेरा रास्ता था। सुज़ैन और मैंने रोटरी यूथ एक्सचेंज छात्रों की मेजबानी की और यूथ एक्सचेंज शिविरों के

आयोजन में शामिल हुए, जहाँ रोटरी क्लब और मंडल दुनियाभर के बच्चों की मेजबानी करते है। और फिर मैंने जाना कि इसने कैसे हमारी ज़िंदगियों को समृद्ध किया। हमारे अपने बच्चे नहीं है, इसलिए यह कार्यक्रम हमारे लिए वाकई में शानदार है। मुझे लगता है यह हमें युवा बनाए रखता है।

टीआर: हमने सुना है कि आप आसानी से विचलित नहीं होते। आपको कुछ भी परेशान नहीं करता। यह संभवतः कैसे सच हो सकता है?

नेक: मैं कभी-कभी छोटी बातों से शर्मिंदा हो सकता हूँ, जैसा मेरी पत्नी जानती है। लेकिन जब गंभीर चीज़ों से सामना होता है, जब हमें गंभीर निर्णय लेने होते है, तो मैं अधिक शांत हो जाता हूँ। साथ ही, मैं हमेशा अन्य लोगों पर भरोसा करता हूँ। मैं जानता हूँ कि मैं कुछ भी अकेले नहीं कर सकता। मैं उन लोगों का सबसे ज्यादा सम्मान करता हूँ जो काम कर रहे है - ना केवल सिर्फ काम कर रहे है, बल्कि जूनून के साथ कर रहे है। हमें ऐसे सभी लोगों के प्रति अपना सम्मान दिखाना होगा। यह चीज़ मैंने बहुत पहले सीख ली थी।

टीआर: आप आपके वर्ष के दौरान किन क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करने जा रहे है? और आप क्या हासिल करने की उम्मीद करते है?

नेक: हमने पोलियो उन्मूलन का वादा किया था, और हम उस वादे को पूरा करने के लिए सबकुछ कर सकते है। यदि हम सफल होते है, तो यह इस बात में सुधार करेगी कि दुनिया में रोटरी को किस तरह देखा जाता है। दूसरा, बेशक, रोटरी को बढ़ाना है, और यह केवल हमारी सदस्यता बढ़ने के बारे में नहीं है। यह हर स्तर पर रोटरी के बढ़ने के बारे में है। यह हमारे संगठन को अधिक मजबूत बनाने के बारे में है। यह अवरोधन और नए रोटरी क्लब मॉडलों के माध्यम से बढ़ने के बारे में है। रोटरी वास्तव में दुनिया के सबसे धीमे-बदलते संगठनों में से एक है। हम जो करते है उसमें बहुत समय लगता है। हमें काफी तेज़ होना होगा।

टीआर: रोटरी के बारे में क्या नहीं बदलना चाहिए?

नेक: हम जो भी करते है हमारे मूल मंत्र हमेशा उसका आधार रहे है। दोस्ती, विविधता, अखंडता, नेतृत्व, सेवा - ये कभी पुराने नहीं होंगे। जिस तरह से हम उन मूल्यों को अभिव्यक्त करते है और जीते है, वह बदलेगा। एक भोज पर मिलने की हमारी परंपरा 100 वर्षों तक चल सकती थी। लेकिन यह अब काम नहीं करती है, क्योंकि दोपहर का भोज अब आपके जीवन की प्रमुख वस्तु नहीं रही। हमें ऐसे मॉडलों की तलाश करनी होगी जिनमें युवा रूचि रखते है। उन्हें निर्णय लेने दें कि हमारे मूल मंत्रों को साझा करने के लिए वह किस तरह के रोटरी क्लब से जुड़ना चाहते है। रोटरी सभी के लिए है: युवा और वृद्ध के लिए, पुराने क्लब मॉडल और नए क्लब मॉडल के लिए। बहुत सख्त नियमों की कोई जरूरत नहीं है। जो सबसे सही हो उसका आनंद लें।

टीआर: क्या आप चिंतित है कि रोटेरियनों के लिए औसत आयु बढ़ रही है?

नेक: मैं बहुत खुश हूँ कि हमारे पुराने रोटेरियन, रोटेरियन बने हुए है और यह कि वृद्ध लोग अभी तक रोटरी क्लबों से जुड़ते है। वे हमारे क्लबों और संगठन के लिए महान मूल्य है। लेकिन मैं रोटरी क्लबों को उनके भविष्य के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूँ। क्लबों को साल में दो बार रणनीतिक बैठक रखनी चाहिए। यदि वे वास्तव में उनके भविष्य के बारे में सोचते है, तो यह जरूरी है कि आयु समूहों के मध्य कोई बड़ा अंतर नहीं होना चाहिए। यदि वे हर आयु समूहों में, हर दशक में, सदस्यों को आकर्षित करने में सक्षम है, तो फिर कोई बड़ा अंतर नहीं है। रोटरी क्लबों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे मार्ग पर डटे रहें और फिर भी यह युवा पेशेवरों के लिए दिलचस्प हो। यह हमेशा खतरनाक होता है यदि कोई रोटरी क्लब कहता है, ठीक है, हमारे पास उचित संख्या में सदस्य है। हमारे पास 50 या 60 या 70 या जो भी हो; हमें अभी और सदस्यों की आवश्यकता नहीं है। फिर अंतर बहुत ज्यादा तेज़ी से बढ़ सकता है। मेरा एक कथन है, रोटेरियन बनने की कोई उम्र नहीं होती। यदि कोई 18 वर्ष का है और सदस्य बन रहा है, तो यह अच्छी बात है। और यदि कोई 80 वर्षीय है, तो वह भी बढ़िया है। इसलिए एक रोटेरियन बनने की कोई उम्र नहीं होती - और एक रोटरी क्लब का कोई उचित आकार नहीं होता।

टीआर: हम देखते है कि आप अक्सर टाई नहीं पहनते है। क्या आप कोई आधिकारिक टाई रखने जा रहे है?

नेक: मैंने जाना कि हम एक साल में अध्यक्षीय टाई और स्कार्फ़ से 1.3 मिलियन डॉलर या 1.4 मिलियन डॉलर प्राप्त करते है। यह टाई रखने का एक अच्छा कारण है। मुझे टाई पसंद है। मेरे पास टाई का एक बढ़िया संग्रह है।

टीआर: ठीक है, एक अध्यक्षीय टाई होगी। आपकी थीम क्या है?

नेक: रोटरी अवसरों को खोलती है। यह रोटरी को विकसित करने के हमारे प्रयासों का समर्थन करता है, क्योंकि एक रोटेरियन बनने से भावी सदस्यों को पूरी तरह से नए अवसर मिलते है।अवसरों में से एक, बेशक, सेवा करने का अवसर है। और फिर अन्य चीज़ों की भूमिका शुरू होती है: हम उन लोगों को अवसर प्रदान करते है जो हमारी सेवा के इंतजार में है - स्वच्छ जल, स्कूल जाने के अवसर और भी बहुत कुछ प्रदान करते है। हम जो करते है वो दोनों दिशाओं में कार्य करता है।

टीआर: लोग आपको एक बहुत ही युवा मनोभाव रखने वाला समझते है। आपको क्या लगता है यह कैसे आपके अध्यक्ष होने पर आपके नेतृत्व कौशल को प्रभावित करेगा?

नेक: मैं आशा करता हूँ कि मेरी नेतृत्व शैली नहीं बदलेगी। कुछ लोगों ने कहा कि मैं अध्यक्ष जैसा नहीं लगता हूँ। लेकिन यह ठीक है। यह नेतृत्व के बारे में है, ना कि बहुत गंभीर दिखने के बारे में। इसके अलावा, इस दुनिया से प्रासंगिक बने रहने के लिए हमें वाकई में युवा नेतृत्वकर्ताओं पर ध्यान देना होगा। हम हमारे सेवानिवृत्तों का स्वागत करते है क्योंकि उनके पास योगदान देने के लिए कौशल, समय, और जूनून है। मेरा ध्यान अभिनव क्लबों, नए क्लब

मॉडलों, नए क्लब विचारों, और युवा सदस्यों पर है। मुझे लगता है कि अधिक युवा सदस्यों को आकर्षित करने के लिए मैं सही समय पर सही व्यक्ति हो सकता हूँ।

टीआर: रोटरी में युवाओं को नेतृत्व पदों पर लाने के लिए आप किस तरह अवसरों का सृजन करते है?

नेक: सबसे पहले, हमें उनपर विश्वास और भरोसा करना होगा। वे बहुत सी चीज़ें करने में सक्षम है - लगभग सभी चीज़ें। हमें उन्हें नेतृत्व करने का अवसर देना चाहिए। 2014 में बर्लिन में रोटरी इंस्टिट्यूट की योजना बनाने से पहले मैंने रोटरेक्टरों के साथ एक बैठक की। मैं कुछ अलग करने के लिए उनके विचारों को सुनना चाहता था, और उन्होंने शानदार विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने सभी ब्रेकआउट सत्रों का आयोजन किया, और उन्होंने एक बहुत बढ़िया कार्य किया। इसलिए बस उनपर भरोसा करें, उनपर विश्वास करें।

टीआर: क्या नेतृत्व के पदों पर महिलाओं की उन्नति को गति प्रदान करने का कोई तरीका है?

नेक: एक स्वैच्छिक संगठन में, हम वास्तव में धक्का नहीं लगा सकते। यह काम नहीं करता। हम एक मूलभूत संस्थान है; यह सब हमारे रोटरी क्लबों में शुरू होता है। उन्हें ध्यान देना चाहिए कि मंडल गवर्नरों को नामित करने वाली समितियों में सही लोग हो। वहाँ सही लोग होंगे, तो गवर्नरों के रूप में हमारे पास अधिक महिलाऐं होंगी। सबकुछ संभव है: 2020-21 निदेशक मंडल में छह महिलाऐं होंगी जिनकी अध्यक्षता करके मुझे गर्व होगा।

टीआर: क्या आपको लगता है कि यह एक अलग अनुभव होगा?

नेक: इसमें कोई अंतर नहीं होना चाहिए। हम सभी रोटेरियन है चाहे हम पुरुष हो या स्त्री। यह जूनून और नेतृत्व के बारे में है। हम सर्वश्रेष्ठ लोग चाहते है; यह महिलाओं की गिनती करने के बारे में नहीं है। लेकिन मुझे ख़ुशी है कि यह अभी हो रहा है। रोटरी की सुन्दरता वास्तव में इसकी विविधता है।

टीआर: हम दूसरों को रोटरी के बारे में कैसे बताएं और दुनिया में अपनी छवि को कैसे बेहतर करें?

नेक: इस दुनिया में आपकी छवि को बदलने के लिए, बहुत सारा पैसा या बहुत सारा समय लगता है। दो चीज़ें महत्वपूर्ण है: आपको यह पता होना चाहिए कि इसमें समय लगता है, और फिर आपको ईमानदार होना होगा। मार्केटिंग की वजह से हमें बदलने की ज़रूरत नहीं है। हमें एक सच्ची कहानी सुनानी होगी कि हम क्यों चीज़ों को करते है। वास्तव में रोटरी का हिस्सा बनने के लिए आपको संगठन पर गर्व करना होगा, और हमें अपने कार्य पर गर्व करना होगा। ना कि आप जो करते है उसपर। यह स्वार्थ है।

टीआर: क्या रोटरी को कूल होने की आवश्यकता है?

नेक: युवा सदस्यों को आकर्षित करने के लिए, बेशक। मुझे हमारे मौजूदा रोटरी क्लबों पर गर्व है। लेकिन यदि वे रोटरेक्टरों या युवा पेशेवरों को आकर्षित नहीं कर पा रहे है, तो हमें उन्हें एक ऐसा क्लब मॉडल तैयार करने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए जो उनके लिए उपयुक्त हो। और अगले कुछ वर्षों में हम यही करने जा रहे है।

© The Rotarian

राजकोट में एक रोटरी त्वचा बैंक

किरण ज़ेहरा

रोटरी क्लब राजकोट, रो ई मंडल 3060, ने रोटरी क्लब कैरी किलडारे, रो ई मंडल 7710, यूएसए और टीआरएफ़ की सहायता और ₹50 लाख की लागत से राजकोट में एक त्वचा बैंक की स्थापना की है। एक व्यक्तिगत दानकर्ता नैरोबी, केन्या, की सरला कामदार ने भी इस उद्देश्य के लिए अपना योगदान दिया।

इस सुविधा की उत्पत्ति के बारे में बात करते हुए, क्लब अध्यक्ष संदेश गांधी कहते है कि जलने से झुलसे हुए पीड़ितों पर किए गए एक व्यापक शोध से यह बात सामने आई है कि अस्पताल में लगभग हर तिमाही में 60 जले हुए मरीज आते है और 80 प्रतिशत मरीज 18-40 साल की उम्र वर्ग के होते है, और वे दूसरी और तीसरी डिग्री तक जल चुके होते है। चूंकि अधिकांश मरीज मध्यम या निम्न-मध्यम आय वर्ग के होते है इसलिए उनके लिए कृत्रिम त्वचा खरीदना या कम समय में एक डोनर की तलाश करना असंभव हो जाता है। हमने सिविल हॉस्पिटल में त्वचा बैंक स्थापित करने का फैसला किया, क्योंकि राजकोट और उसके आसपास के इलाकों में स्थित अधिकांश निजी अस्पतालों में जल चुके मरीजों का इलाज करने की सुविधा नहीं है और उन्हें इसी अस्पताल में भेजा जाता है, गांधी कहते है।

क्लब ने 2019 में वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन किया था और पीडीजी पिंकी पटेल और पूर्व अध्यक्ष हिता मेहता ने इस सुविधा को स्थापित करने में मदद की।

त्वचा के जलने से घाव खुले छूट जाते है। शरीर के प्राथमिक सुरक्षा कवच के नष्ट होने के कारण वह निर्जलीकरण और तापमान में गिरावट से गुज़रता है। गंभीर रूप से जल जाने की स्थिति में, तीन से पाँच दिनों के भीतर बहु-अंग कार्य प्रभावित होता है, क्लब सदस्य और त्वचा बैंक के रोटरी प्रभारी डॉक्टर देवव्रत सुखवाल कहते है। वह आगे कहते है कि त्वचा बैंक उन मरीजों के लिए एक वरदान है क्योंकि ग्राफ्टिंग के लिए ब्लड ग्रुप मिलने की आवश्यकता नहीं होती और 18 वर्ष से ऊपर का कोई भी व्यक्ति जिसे कोई त्वचा रोग या इन्फेक्शन नहीं है, त्वचा दान कर सकता है। वह समझाते है कि अत्यधिक जल जाने की स्थिति में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलित हो जाते है और अंदरूनी अंगों को प्रभावित करते है। मरीज आसानी से बच नहीं पाते। स्किन ग्राफ्टिंग द्वारा एक बार त्वचा की सुरक्षात्मक परत के वापस आने के बाद, घाव ठीक होने लगते है और इससे मरीज के बचने की संभावना भी बढ़ जाती है।

PDG पिंकी पटेल, रोटेरियनों के साथ राजकोट त्वचा बैंक में।

त्वचा बैंक में डॉक्टरों एवं स्टाफ की एक टीम ने प्रशिक्षण लिया है और अब दान देने की सहमति मिलने के बाद से मौत के छह घंटों के भीतर वह शव से त्वचा निकाल सकते है। त्वचा की एक अत्यधिक पतली परत, 0.4 से 0.6 मिमी मोटी, जिसमें एपीडर्मीस और डर्मीस के कुछ हिस्से होते है को बैंक में 4 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर निकालकर रखा जाता है।

लेकिन अभी बहुत काम किया जाना बाकि है, क्लब अध्यक्ष कहते है। लोग आँख और अन्य अंग दान करने के लिए तैयार है। लेकिन वे त्वचा दान करने को लेकर तैयार नहीं होते क्योंकि उन्हें लगता है इससे शरीर विरूपित हो जाएगा। क्लब को इस मिथक को खत्म करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। डॉक्टर सुखवाल कहते है कि जांघों एवं पैरों की त्वचा की बाहरी परत (1,000 से 1,500 वर्ग सेंटीमीटर) का ही इस्तेमाल किया जाता है, और ना कि चेहरे, गर्दन या हाथ-पैरों के अन्य प्रत्यक्ष हिस्सों की त्वचा का। त्वचा की मांग बढ़ रही है लेकिन भ्रांतियों एवं जागरूकता की कमी की वजह से आपूर्ति पर्याप्त नहीं है, वह कहते है। ■

पोलियो उन्मूलन के लिए एक उच्च-स्तरीय रोटरी प्रतिनिधि मंडल पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से मुलाक़ात करता है

रशीदा भगत

2019 में सामने आए पोलियो के मामलों, विशेषरूप से पाकिस्तान में, ने रोटरी और उसके साझेदारों के लिए एक गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। ऐसी परिस्थिति में, एक उच्च-स्तरीय दल जिसमें रो ई अध्यक्ष निर्वाचित होलगर नेक, टीआरएफ़ प्रमुख निर्वाचित के आर रविन्द्रन और IPPC प्रमुख माइक मैकगवर्न शामिल थे, ने फरवरी के पहले हफ्ते में पाकिस्तान का दौरा किया। उनके साथ पाकिस्तान के नवनिर्वाचित न्यासी और IPPC सदस्य पीडीजी अज़ीज़ मेमन थे, जिन्होंने सभी प्रबंध किए थे।

पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान और अलग से आर्मी चीफ़ ऑफ स्टाफ जनरल कमर बाजवा के साथ हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों में, रोटरी को सेना एवं नागरिक बल दोनों के भरपूर सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया गया ताकि वे आवश्यक टीकों के साथ पाकिस्तान के हर एक कोने में रहने वाले बच्चों तक पहुँच सकें, न्यासी अध्यक्ष निर्वाचित रविन्द्रन ने *रोटरी न्यूज़* को बताया।

प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान पिछले वर्ष एक कदम से चूक गया जब वह चुनाव जीते ही थे और एक अंतरिम सरकार पावर में थी। लेकिन उन्होंने हमें आश्वस्त किया कि उनकी

पाकिस्तान प्रधान मंत्री इमरान खानके साथ RIPE होल्गर नेक।

TRF ट्रस्टी चेयर इलेक्ट के आर रवींद्रन और RIPE होल्गर नेक के साथ पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल क़मर बाजवा।

सरकार ने पोलियो उन्मूलन को अपना प्राथमिक कार्य माना है और टीकाकरण कार्यक्रम के प्रबंधन के लिए पहले ही अत्यधिक प्रभावी संगठनात्मक कदम उठाए है।

उन्होंने आगे कहा कि सेना प्रमुख ने भी उन्हें आश्वासन दिया है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे कि उनकी सेना सबसे दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँचे और अफ़ग़ानिस्तान के साथ लगी झिरझिरी सीमा को बंद करने के लिए हर कदम उठाएं।

प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख दोनों ने पुष्टि की कि अफ़ग़ानिस्तान के साथ लगी उनकी 1300 मील लंबी सीमा की बाड़ाबंदी करने के प्रयास में पहले ही काफी प्रगति की जा चुकी है। उन्होंने रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के प्रयासों की बहुत सराहना की और पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के इस महत्वपूर्ण चरण में उनकी चिंता को व्यक्त करने के लिए अध्यक्ष निर्वाचित और न्यासी प्रमुख निर्वाचित दोनों को साथ बुलाने के महत्व को समझा, रविन्द्रन ने आगे कहा।

उन्होंने कहा दल स्पष्ट रूप से देख पा रहा था कि पाकिस्तान संसाधनों और व्यवस्थापन के लिए भारी प्रयास कर रहा है ताकि वह यह सुनिश्चित कर सके कि पिछले साल की असफलता दोहराई ना जाए। स्वास्थ्य मंत्री ज़फर मिर्ज़ा ने पुष्टि की कि अंतिम दौर में लगभग 40 मिलियन बच्चों का टीकाकरण किया गया था और छूटे हुए बच्चों की संख्या एक प्रतिशत से कम है।

रोटरी टीम ने नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर का भी दौरा और निरीक्षण किया जहाँ वास्तविक समय में विकास का निरीक्षण करने के लिए एक उच्च-तकनीक डेटा संग्रह प्रणाली है, और टीके को संग्रहित करने के लिए ठन्डे कमरे है।

IPPC के सदस्य PDG अजीज मेमन, RIPE नेक और ट्रस्टी चेयर इलेक्ट रवींद्रन, पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री ज़फ़र मिर्ज़ा के साथ।

रो ई की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि दौरे के अंत में रो ई अध्यक्ष निर्वाचित नेक ने पोलियो उन्मूलन के लिए पाकिस्तान सरकार द्वारा किये गए प्रयासों पर अपना संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान के प्रमुख नेताओं से मिलकर इस बीमारी को सदा के लिए खत्म करने के नए प्रयासों के बारे में जानने का अवसर मिलने के आभारी है। हमें विश्वास है कि सरकार और सेना के सहयोग के साथ, पाकिस्तान इस कार्य को पूर्ण कर लेगा।

रविन्द्रन ने आगे कहा: पोलियो उन्मूलन एक व्यापक प्रयास है जिसके लिए समाज के सभी तत्वों को साथ जुड़ने और फिर से कभी कोई बच्चा पोलियो से ग्रस्त ना हो यह सुनिश्चित करने के हमारे अंतिम लक्ष्य के लिए कार्य करने की आवश्यकता है।

अपनी यात्रा के दौरान, रोटरी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान, जो 230 रोटरी क्लबों और लगभग 3,400 सदस्यों का घर है, के स्थानीय रोटरी नेतृत्वकर्ताओं से मिला।

रविन्द्रन आशावादी थे कि इस वर्ष मामलों की संख्या में एक ठोस गिरावट होगी, और आगे कहा कि वह पाकिस्तान में अगली अंतर्राष्ट्रीय पोलियो प्लस समिति (IPCC) बैठक रखने का विचार रखते है, जहाँ WHO, UNICEF, गेट्स फाउंडेशन और CDC समेत सभी साझेदार भी मौजूद होंगे। खतरनाक पोलियो वायरस के पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान में बने रहने की वजह से, हमें अपनी पूरी ताकत उस क्षेत्र में लगाने की आवश्यकता है। यह पहली बार होगा जब IPCC की बैठक पाकिस्तान में होगी।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

मंडल 3060 ने गोवा में किया सितारों से सजे मंडल सम्मेलन का आयोजन

किरण ज़ेहरा

PRIP कल्याण बेनर्जी और बिनोता।

रंगबिरंगी समुद्री पोशाकों, गर्मियों की टोपियों और फूलों की मालाएं पहने रो ई मंडल 3060 के रोटेरियनों ने भरपूर आनंद लिया, क्योंकि वे गोवा में एक बीच पार्टी पर उनके 50वें मंडल सम्मेलन का उत्सव मना रहे थे। रोटेरियनों को संबोधित करने के पहले, RIPN शेखर मेहता ने कहा डीजी अनीश शाह ने भारत के शीर्ष रो ई नेतृत्वकर्ताओं को आमंत्रित करके और कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करके ''अनोखा कार्य किया है। वह जिस तरह से हमसे जुड़ते है, यह उस बारे में बहुत कुछ कहता है।''

गोल्डकॉन नामक दो दिवसीय सम्मेलन डीजी के गृह क्लब, रोटरी क्लब वलसाड द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें ब्राज़ील, मेक्सिको, और वियतनाम के जीएसई दलों एवं विदेशों से आए 12 RYE छात्रों सहित 1,500 से भी अधिक प्रतिनिधि मौजूद थे। जहाँ पीडीजी टी एन सुब्रमणियन RPIC थे, वहीं अन्य भागीदारों में PRIP कल्याण बेनर्जी, रो ई निदेशक कमल संघवी और भरत पांड्या, RIDN ए एस वेंकटेश, न्यासी गुलाम वाहनवती और PRID मनोज देसाई शामिल थे।

सम्मेलन के एक दिन पूर्व डीजी अनीश शाह से सुबह के 3 बजे फ़ोन पर हुई उनकी बातचीत को याद करते हुए RIPN शेखर मेहता ने कहा ''मैंने अनीश से पूछा वह क्यों नहीं सोये। उन्होंने कहा 'सर, आप ही से सीखा है, कांफ्रेंस के बाद सो लेंगे!' मैं अनीश से कहना चाहूँगा, गलत चीज़ें मत सीखों हमसे'', वह हँसे। मेहता ने विशाल दृष्टिकोण और महान सादगी से भरे मेरे गुरु PRIP कल्याण बेनर्जी

बाएं: *RIPN शेखर मेहता और RIPR टी एन सुब्रमणियन और उनकी पत्नी विद्या।*

नीचे: *DG अनीश शाह और RID भरत पांड्या।*

को धन्यवाद दिया और उनके मंडल को शानदार तरीके से पोषित करने के लिए उनकी प्रशंसा की। उनके क्लब रोटरी क्लब वापी के एक दौरे ने मेरी ज़िंदगी बदल दी। रो ई मंडल 3060 को भारत के उत्कृष्ट मंडलों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि इस मंडल से सात रोटरेक्टर डीजी बने है।

उन्होंने प्रतिनिधियों से 'स्वयं से ऊपर सेवा' की सच्ची भावना को समझने का आग्रह किया। दुनिया में ऐसा कोई संगठन या व्यापार नहीं है जो उसकी बिक्री या उसकी संपत्ति के बारे में ना जानता हो। रोटेरियन होने के नाते हम हमारे द्वारा निर्मित स्कूलों, ब्लड बैंकों, घरों, प्रशिक्षित किये गए विद्यार्थियों की संख्या के बारे में क्यों नहीं जानते। उस गर्व की कल्पना

PRID मनोज देसाई, RIPR सुब्रमणियन और TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती।

RIDN ए एस वेंकटेश और विनीता।

कीजिए जो आप में से प्रत्येक को तब महसूस होगा जब हम उस एक संख्या को चिन्हांकित करेंगे। हम निश्चित रूप से 400 मिलियन डॉलर से अधिक का एक संगठन है।

मंडल के इतिहास का थोड़ा ब्यौरा देने के बाद, बेनर्जी ने कहा: हमारे अपने सम्मेलन में आना हमेशा से ही गर्व की बात रही है, इसलिए डीजीई प्रशांत जानी और डीजीएनडी श्रीकांत इन्दानी, मैं आपको आश्वासन देता हूँ कि आप आपके वर्ष में चाहे कहीं भी सम्मेलन का आयोजन करें, चाहे बैंकॉक में, कोलंबो में या काठमांडू में, यदि बिनोटा और मैं आसपास रहे तो हम वहाँ ज़रूर आएंगे। डीजी को उनकी उपलब्धियों पर बधाई देते हुए उन्होंने आगे कहा उन्होंने सभी चीज़ों को करने के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों का चुनाव किया है और प्रत्येक कार्य को सतर्कता के साथ निष्पादित किया है। आज यहाँ उनके पास प्रत्येक सेवारत भारतीय रोटरी नेतृत्वकर्ता मौजूद है। मैं पूरी तरह से प्रभावित हूँ!

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी के संदेश को संप्रेषित करते हुए, पीडीजी टी एन सुब्रमणियन ने कहा कि

ऊपरः *PDG और उनके जीवनसाथी रोटरी के वरिष्ठ नेताओं के साथ।*

नीचेः *सम्मेलन अध्यक्ष धर्मिन देसाई, डीजी अनीश शाह और स्वाति, RID कमल संघवी और सोनल, PRIP कल्याण बेनर्जी, विद्या और RIPR टी एन सुब्रमणियन।*

आप रोटेरियनों पर रोटरी फाउंडेशन के प्रति आपके दायित्वों को पूरा करने की एक जिम्मेदारी है। 2015-16 में आपके मंडल के प्रत्येक क्लब ने संस्थान को योगदान दिया था। अनीश आपको सुनिश्चित करना होगा कि ऐसा फिर से हो। उनके शब्दों को अनुगुंजन करते हुए टीआरएफ न्यासी वाहनवती ने कहा जबकि हम पोलियो कोष में यथोचित प्रदर्शन कर रहे है, फिर भी हम हमारे वार्षिक कोष और अक्षय निधि में दिए जाने वाले अपने योगदान में पिछड़ रहे है। हम बहुत पीछे है; हमें टीआरएफ में योगदान देना ही चाहिए। विश्व कोष कम है और यह वैश्विक अनुदानों को प्रभावित करेगा। मंडल के 50वें वर्ष पर, रोटेरियनों को टीआरएफ में 2 मिलियन डॉलर का योगदान देने का एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए, उन्होंने आगे कहा।

रो ई निदेशक भरत पंड्या ने कहा क्लबों को मजबूत करना, मानवीय परियोजनाएं करना और रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ाना प्राथमिक क्षेत्र है। अनेक सामुदायिक परियोजनाएं शुरू करने और प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ का समर्थन करने के लिए उन्होंने मंडल के क्लबों की प्रशंसा की और उनसे दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने हेतु अच्छे कार्य करते रहने के लिए कहा। रोई निदेशक कमल संघवी ने मंडल के रोटेरियनों को यह याद दिलाया कि उन लोगों को मत भूलना जो आपके साथ आपकी उत्कृष्टता की यात्रा में साथ चले। यह बहुत जरूरी है कि आप उन लोगों का सम्मान करें जिन्होंने आपका मार्गदर्शन किया है और याद रखिए कि आपके पीडीजी आपके निर्देशक और गुरु है। उन्होंने इस बारे में बात की कि अपने जीवनसाथियों के प्रति आभार व्यक्त करना कितना महत्वपूर्ण है।

RIDN ए एस वेंकटेश ने खुलासा किया कि उन्होंने सम्मेलन में स्वयं को आमंत्रित किया था। शाह ने कहा उनके पास मेरे लायक कोई काम नहीं है। लेकिन मुझे पता है कि एक गुज्जू से कैसे हाँ बुलवाया जाता है। मैंने उनसे कहा कि मैं बिज़नेस ऑफ़ रोटरी पर सभा को संबोधित कर सकता हूँ, और वह तुरंत मान गए। एक गम्भीर मुद्दे पर, उन्होंने क्लब अध्यक्षों से अपने क्लब सदस्यों से एक ग्राहक की तरह व्यव्हार करने और उनकी ख़ुशी सुनिश्चित करने को कहा। पिछले सात वर्षों में, हमने अनेक ग्राहकों (सदस्यों) को खोया है और हम नए सदस्यों को आकर्षित करने या पुराने सदस्यों को रोके रखने के उचित तरीके के बारे में नहीं जानते। हमें इस पर कार्य करना होगा।

PRID मनोज देसाई ने कहा अनेक रोटेरियन मुझसे पूछते है 'मैं रो ई अध्यक्ष बनना चाहता हूँ। मैं क्या करूँ?' एक बड़ी एलसीडी स्क्रीन पर आश्रय किटों के साथ एक नाव पर सवार RIPN शेखर मेहता की एक तस्वीर की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने कहा: कुछ हज़ार बाल हृदय सर्जरियों का आयोजन करें, बच्चों से मिलें, अभिभावकों का अभिवादन करें, उन्हें एयरपोर्ट से लाएं और ले जाएँ, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाएं, अपने हाथों से आश्रय किटों का वितरण करें और शायद तब आप शेखर की तरह सबसे युवा रो ई अध्यक्ष बन सकते है। कामयाबी हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करना पड़ता है और आपको यह निस्वार्थ भाव से करना होगा, उन्होंने हॉल में मौजूद रोटेरियनों को याद दिलाया।

डीजी शाह ने परियोजनाओं, सदस्यता, नए क्लबों, रोटरेक्ट नियुक्ति और धनराशी के संग्रहण पर संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने सभी पीडीजीयों और क्लब अध्यक्षों को धन्यवाद दिया जिन्होंने पूरे मंडल में सामरिक योजना को लागू करने में मदद की। अपने रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करने और अधिक जिंदगियों को छूने में मेरी मदद की है, मुझे इतनी इज्जत प्रदान की है। आपके समर्थन के बिना, मैं यह सब कभी हासिल नहीं कर पाता।

IPDG पिंकी पटेल ने 2018-19 के खातों का विवरण दिया और उसके बाद मंडल पुरस्कार वितरित किए गए। सम्मेलन के मुख्य आकर्षण GSE और RYE की टीमों की दर्शनीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और गोवा की नृत्य प्रस्तुतियां थी।

चित्र: किरण ज़ेहरा

रोटेरियनों को अपना पिन अवश्य पहनना चाहिए: RIDN

वी मुत्तुकुमारन

जैसा कि भारत में रोटरी तीव्र विकास की ओर अग्रसर है, 'हमें अगले 18 महीनों में प्रत्येक को कम से कम एक नए सदस्य को शामिल करने का संकल्प लेना चाहिए जिसके लिए हमें यह निर्धारित करने की जिम्मेदारी है कि अगले 10 वर्षों में क्या रोटरी क्या करने जा रही है और यह इस पर निर्भर करता है कि आज हम क्या करते हैं' - RIDN ए एस वेंकटेश ने कहा।

अब जबकि हम रोटरी की विरासत पर गर्व अनुभव कर सकते हैं, हम सभी को सन् 2030 तक इस एनजीओ को इसके योग्य स्थिति में लाने के लिए 'पूर्व सक्रिय' होना पड़ेगा। 'पिछले दो सालों में हमारे सदस्यों में से 10 प्रतिशत से भी कम

RIDN ए एस वेंकटेश को DG डॉ ए ज़मीर पाशा उनकी पत्नी शकीला और PDG एस राजेंद्रन द्वारा सम्मानित किया गया।

बाएं से: *माला और PRID सी भास्कर, DG (3232) जी चंद्रमोहन, शकीला और DG पाशा, RIPR के रूप में मंडल 5340 से PDG जेनिस कुर्थ अपने पति रोटेरियन मैट।*

सदस्यों ने अपने क्लबों के लिए एक नए सदस्य को शामिल किया होगा या उसको शामिल करने की सिफारिश की होगी', उनहोंने रो ई मंडल 3000 के रोटेरियनों से आग्रह किया कि वे जब भी अपने घरों से बाहर जाएं तो उस समय सदैव अपने रोटरी पिनों को पहनें। चेन्नई में रो ई मंडल 3000 के दो दिवसीय जिला *सम्मेलन* में जिसका शीर्षक सिम्मासनम (सिंहासन) था उसमें उनहोंने रोटरी के प्रति अपने स्वपनों को साझा किया। 'जब भी जनता हमसे हमारे पिन के बारे में सवालों को पूछेगी तो उस समय हमारे पास इसे पहनने से हमें यह अवसर रहेगा कि हम उन्हें हमारे संगठन के बारे में समझा सकें।' यदि भारत में सभी 1,50,000 रोटेरियन, जब वह अपने घरों से बाहर जाते हैं तब पिन पहनकर जाते हैं तब ''वे हमारे ब्रांड एंबेसडर बन जाते हैं और यह और भी ज्यादा बेहतर होगा जब पूरी दुनिया के हमारे समस्त 1.2 मिलियन सदस्य हमेशा अपने पिनों को पहनने का लक्ष्य बनाएं।''

इसके बाद, उन्होंने कहा कि लोगों को रोटरी में शामिल होने के लिए आगे आना चाहिए न कि उन्हें इसके लिए पुश किया जाना चाहिए और यह किया जा सकता है ''जब हमारा आचरण, व्यवहार, कार्य और समुदाय की पहल उनके लिए एक आकर्षक प्रस्ताव बनाते हों।'' दूसरे शब्दों में, रोटरी को नए सदस्यों का ध्यान सहज रूप से ही आकर्षित करना चाहिए और इसके लिए यह इस पर निर्भर करता है कि ''अभी रोटेरियन क्या करते हैं।'' उनका तीसरा स्वपन है रोटरी को उन लोगों के लिए चुनाव या पसंद का संगठन बनाना है, जो लोग नेक कामों के लिए रोटरी को उदारतापूर्वक दान करते हैं। उन्होंने कहा कि - ''गैर रोटेरियन एनजीओ को इस आधार पर आंकते हैं या अपनी राय बनाते हैं कि किस तरह से रोटेरियन विभिन्न सामुदायिक परियोजनाओं को पूरा करते हैं, तो सदस्यों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे आने वाले वर्षों में अपनी पब्लिक ईमेज को बनाएं।''

PRID सी भास्कर ने कहा कि रो ई मंडल 3000 ने सन् 1993 में श्रीलंका से अलग जिला हो जाने से विभाजन होने के बाद एक लंबा रास्ता तय किया है। ''उस समय हमारे पास केवल 28 क्लब थे, भारत में सबसे छोटा जिला और दुनिया में टीआफ देने वाला तीसरा सबसे कम था। आज हम सदस्यता वृद्धि में नंबर एक पर हैं और हम कई लक्ष्यों तक पहुंच चुके हैं जिसके लिए पिछले 28 सालों में इस जिले के पीडीजी को अवश्य श्रेय दिया जाना चाहिए'' - उन्होंने कहा। रोटरी में स्व: सशक्तिकरण के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मूल्य निरूपण की धारणा व्यक्ति के अनुसार अलग-अलग होती है। ''यदि आप पीडीजी जेनिस कुर्थ, RIPR से पूछें तो वह रोटरी के क्षेत्र में मित्रता और साहचर्य को किसी भी अन्य चीज से अधिक महत्व दे सकती हैं, और भारतीय रोटेरियन के लिए यह समुदाय की सेवा होगी जो कि यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के सदस्यों के लिए ऐसा मामला नहीं हो सकता है'' - उन्होंने समझाया। भौगोलिक क्षेत्रो के अनुसार रोटेरियनों के बीच भिन्न-भिन्न धारणाएं हैं जबकि हर जगह रोटरी मूलभूत रूप से एक समान ही है।

भारत गरीब नहीं है

20 वर्ष पहले जिले के गवर्नर के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, भारत के रोटरी क्लब सेवा परियोजनओं को पूरा करने के लिए विदेशी दान दताओं की तलाश कर रहे थे। ''पर अब हम एक गरीब देश नहीं रहे हैं। 2018-19 में टीआएफ देने वाले टॉप दो जिले भारत में थे और सदस्यता वृद्धि में टॉप तीन जिले हमारे क्षेत्र में से थे'' उन्होंने बताया। उन्होंने रो ई बोर्ड में अपने भाषण देने के दौरान इस बात का उल्लेख किया कि ''एशिया एक बढ़ती हुई शक्ति है और भारत जल्द ही एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा।''

एक भारतीय की औसत प्रति व्यक्ति आय ₹1.2 लाख है और अब भारत में रोटरी क्लब किसी भी फंडिग की समस्या के बिना बड़ी संख्या में समुदाय की परियोजनाओं को ले रहे हैं, - उन्होंने बताया। रो ई मंडल 3000 के क्लबों को अपने समुदाय की जरूरतों एवं आवश्यकताओं को समझना चाहिए और जहां भी आवश्यक हो उन्हें प्रोजेक्ट को लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि - ''एक क्लब में न्यूनतम 25 सदस्य होने चाहिए जिन्हें कि सभी को सेवा परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।''

DG डॉ ज़मीर पाशा ने वेंकटेश और बास्कर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सभा का उद्घाटन तमिलनाडु के राज्यपाल श्री बनवारी लाल पुरोहित जी के द्वारा किया गया और विदाई भाषण तेलंगाना के गर्वनर डॉ तमिलिसाई सुंदरराजन के द्वारा दिया गया। सम्मेलन में रो ई मंडल 3000 के 126 क्लबों के 2,200 से अधिक प्रतिनिधियों ने अपने परिवार के साथ भाग लिया। डिंडीगुल के प्रमुख दानदाता जी सुंदरराजन, मदुरै से टीवीएस कंपनी के एक सेवानिवृत कर्मचारी श्री आर श्रीनिवासन और हिन्दू मिशन अस्पताल, त्रिची के डायरेक्टर वी वी सुब्रमण्यम को व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

एक रोटेरियन के निरंतर प्रयास ने एक किशोर को दिया चलने का उपहार

रशीदा भगत

बात कुछ महीने पहले की है, रोटरी मंडल 3181 में रोटरी क्लब मैसूर मिडटाउन के अध्यक्ष - ए एन अयन्ना, उनके क्लब द्वारा संचालित एक हाई स्कूल, रोटरी मिडटाउन एकेडमी से लौट रहे थे, रास्ते में उनकी नज़र एक किशोर पर पडी, जो विकलांग होने के कारण सामान्य लोगों की तरह नहीं चल पा रहा था, इसके बावजूद वो ऊर्जा से भरपूर नज़र आ रहा था। ''मैं अपने रोटेरियन दोस्त सतीश बाबू के दुपहिया वाहन पर पीछे बैठा था; मैंने उसे बाइक रोकने के लिए कहा और लड़के के पास गया, जो सार्वजनिक बस से घर वापस जाने के लिए फुटपाथ पर अकेले इंतजार कर रहा था।''

उन्हें मालूम हुआ कि लोहित कक्षा 10 का छात्र था, हेमावती स्कूल, मैसूरु में, उसका एक पैर दूसरे पैर से छोटा था जिसकी वजह से वो सामान्य रूप से चल नहीं पाता था।

''एक रोटेरियन के नाते, उसकी अक्षमता और चलने में कठिनाई को देखते हुए, उसके परिवार और उसकी पढ़ाई के बारे में बात करने के लिए कुछ देर मैं उसके पास बैठ गया,'' अयन्ना कहते हैं। उन्होंने देखा कि लोहित पसीने में नहा रहा था क्योंकि वह

मुझे उसकी इच्छा शक्ति देख कर बहुत आश्चर्य हुआ क्योंकि विकलांग होने के बावजूद उसने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

रोटरी क्लब मैसूर मिडटाउन निर्वाचित अध्यक्ष ए एन एयन्ना (बाएं से दूसरे) लोहित और रोटरी मिडटाउन एकेडमी के इंटरेक्टर्स के साथ।

अपने दोस्तों के साथ स्कूल में कबड्डी खेल रहा था। ''मुझे उसकी इच्छा शक्ति देख कर बहुत आश्चर्य हुआ क्योंकि विकलांग होने के बावजूद उसने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।''

लोहित के पिता सब्जी का ठेला लगाते थे और परिवार किसी भी तरह की कृत्रिम अंग का खर्च वहन करने में असमर्थ था, ताकि वह सामान्य रूप से चल सके। ''मुझे यह जानकर बड़ा आश्चर्य हुआ कि उसे शारीरिक व्यायाम और खेलों से बहुत प्रेम था, मैं उसकी मदद करना चाहता था, मैंने उसे अपना फोन नंबर दिया और कहा कि अपने पिता से कहना मुझसे बात करें,'' उन्होंने कहा।

लेकिन जब कई दिनों के बाद भी फोन नहीं आया, तो उसकी जानकारी लेने के लिए अयन्ना स्कूल गए। ''स्कूल के कर्मचारियों से कोई ढंग का जवाब नहीं मिलने से मैं बहुत व्यथित हुआ और भारी मन से लौटा।'' लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी; उन्होंने लोहित के बारे में एक रोटेरियन मित्र से बात की जो स्वास्थ्य सेवा उद्योग में काम करता है – मैसूरु का जेएसएस अस्पताल जो कृत्रिम अंगों का डिजाइन और निर्माण करता है।

हमारे इंट्राक्टर्स ने लगभग ₹8,000 संयमित किये, और आखिरकार लोहित को एक उपयुक्त कृत्रिम अंग मिल ही गया।

अयन्ना एक बार फिर लोहित के स्कूल गए और इस बार हेडमास्टर से मिल कर और अधिक जानकारी प्राप्त की, लड़के के विकृत पैर की तस्वीर ली और उसे कुछ डॉक्टरों के साथ साझा किया। लड़के के चाचा नागेंद्र के साथ वो लड़के को अस्पताल ले गए, शुरू में डॉक्टरों ने कहा था कि कृत्रिम अंग लगाने से पहले एक ऑपरेशन करना पडेगा। पर ऑपरेशन के बारे में लोहित के परिवार और अयन्ना दोनों के दुविधा में होने के कारण, इस विचार को त्याग दिया गया।

लेकिन इस किशोर की कहानी और कबड्डी जैसे खेलों के लिए उसके जोश ने काफी दिलचस्पी पैदा की और उधर अयन्ना भी हाथ पर हाथ रख कर नहीं बैठे थे और इसके समाधान की जुगत बिठा रहे थे, ''हमारी स्कूल की हेडमिस्ट्रेस, राम्या उर्स भी शामिल हो गई, और इंटरेक्टर्स के माध्यम से विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किए गए कृत्रिम पैर को प्रायोजित करने के लिए सहमत हो गईं।''

तभी, जेएसएस अस्पताल में काम करने वाले रोटेरियन ने सूचना दी कि बिना ऑपरेशन किये भी लोहित को कृत्रिम पैर लगाया जा सकता है। फिर क्या था, रो क्लब मैसूर मिडटाउन द्वारा प्रायोजित इंटरेक्ट क्लब ने मिल कर आवश्यक राशि जुटाई – लगभग 8,000 रुपये, जेएसएस अस्पताल द्वारा दी गई रियायती दर और आखिरकार लोहित को एक उपयुक्त कृत्रिम अंग मिल ही गया।

अयन्ना बहुत खुश है कि लोहित ''लंगड़ा कर नहीं बल्कि हम सब की तरह सामान्य रूप से चलेगा साथ ही अपने पसंदीदा खेल भी खेल सकता है। इस अनुभव ने मुझे सिखाया है कि अगर हम ईमानदारी से समर्पित और प्रतिबद्ध हो कर कुछ करने की ठान लें, तो निश्चय ही कर सकते हैं।'' ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

गुलाबी चेन्नई

जयश्री

रोटरी मंडल 3232 के रोटेरियनों की वजह से, बहुत जल्द चेन्नई में महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाले गुलाबी रंग के ऑटोरिक्शा दिखेंगे। पिछले वर्ष जापान के दौरे में इसी प्रकार के कार्यक्रम को देखने के बाद से यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट बन गया है। मैं चालक की सीट पर महिलाओं को देखना चाहता हूँ। उन्हें वित्तीय तौर पर स्वतंत्र होना पड़ेगा और केवल तब ही उनका पूरा परिवार उनके साथ विकास करेगा, डीजी जी चंद्रमोहन ने चेन्नई में हाल ही में सम्पन्न हुए एक कार्यक्रम में कहा। मंडल की सुविधाओं से वंचित 100 महिलाओं को 'गुलाबी ऑटो' देने एवं 200 महिलाओं को ऑटो चलाने में प्रशिक्षण देने की योजना है।

बहुत से रोटेरियनों द्वारा महिलाओं के लिए ऑटोरिक्शा प्रायोजित करके मंडल के रोटरी क्लबों ने कार्यक्रम को अपना समर्थन दिया है। जिन व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम का समर्थन किया उसमें शामिल है, होटल सवेरा की प्रबंध निदेशक नीना रेड्डी जिन्होंने सीएसआर कोष से दो लाभार्थियों को ऑटो दान किए; उसी तरह पीडीजी राजा सीनिवासन और डीजी चंद्रमोहन की पत्नी मंजुला ने किए; रोटरी क्लब चेन्नई सनराइस की अध्यक्ष अनीस बेगम ने तीन ऑटोरिक्शा प्रायोजित किए; जबकि अंपा स्काय वॉक मॉल के अंपा पालनीअप्पन ने ₹1 लाख का चैक प्रस्तुत किया।

परियोजना प्रमुख शांति सेल्वम ने कहा कि जब जुलाई के पहले सप्ताह में परियोजना का काम शुरु हुआ तो एक दल ने विभिन्न इलाकों की पाँच झुग्गियों में जाकर जरूरतमन्द महिलाओं की पहचान की जो इस परियोजना से लाभान्वित होंगी। प्रशिक्षण हेतु उनका चुनाव करने से पूर्व हमने उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की दो बार जांच की। फिर हमने दो हफ्तों के लिए उनका दाखिला एक ड्राइविंग स्कूल में कराया।

महिलाओं को वित्तीय तौर पर स्वतंत्र होना पड़ेगा और केवल तब ही उनका पूरा परिवार उनके साथ विकास करेगा।

इस कार्यक्रम में महिलाओं को बैज, पहचान पत्र एवं लाइसेन्स प्रदान किए गए और हॉल उनके उत्साह एवं विश्वास से भर गया था। यह एक जीवन भर चलने वाला कौशल है और हमें उम्मीद है कि और अधिक महिलाएं इस प्रयास से लाभान्वित होंगी, शांति ने कहा।

शहर के उपनगर से आई महालक्ष्मी (42) लाभार्थियों में से एक है। आजीविका के लिए विभिन्न प्रकार के छोटे-मोटे काम करने के बाद, उन्हें तीन साल पहले किराए पर एक ऑटो मिला। घर के लिए एकमात्र रोटी कमानेवाली होने के नाते, उनके लिए घरेलू खर्चों का प्रबंध करना और अपनी बेटी की स्कूल फीस भरना आसान नहीं था।

मैं शहर की पहली कुछ महिला ऑटोरिक्शा चालकों में से एक थी। महिलाओं एवं लड़कियों ने अक्सर मुझसे कहा है कि उन्हें मेरे ऑटो में सुरक्षित महसूस होता है। मेरे समर्पण और

ऊपर: DG जी चंद्रमोहन (बीच में) और उनकी पत्नी मंजुला (बाएं से तीसरी), परियोजना अध्यक्ष शांति सेल्वम और मंडल सचिव गणपति सुरेश की उपस्थिति में ADGP एम रवि एक लाभार्थी को ड्राइविंग लाइसेंस और बैड्ज देता है।

नीचे: महिला ऑटो चालक सभी अपने लाइसेंस और बैड्ज प्राप्त करने के लिए उत्साहित हैं।

ट्रैफिक नियमों एवं सड़क अनुशासन का पालन करने वाली महिला ऑटो चालकों के लिए आप एक पुरस्कार शुरु कर सकते है।

आत्मविश्वास के लिए वे अक्सर तस्वीरें खींचते है और मेरी सराहना करते है। दूसरा पहलू यह है कि, जो पैसा मैं कमाती हूँ वह मेरे मासिक किराए और पेट्रोल में खर्च हो जाता है। मेरी बेटी की शिक्षा के लिए मैं बमुश्किल ही कुछ बचा पाती हूँ। मेरे ऑटो में सवारी करने वाले एक रोटरी सदस्य ने मेरी कहानी सुनी और मदद करने का वादा किया। मैं खुश हूँ कि मैं बिना किराया दिए अपना खुद का ऑटो चलाऊँगी, महालक्ष्मी मुस्कुराई, ऑटोचालकों द्वारा पहने जाने वाले ब्रांड न्यू ब्राउन कोट को प्रदर्शित करते हुए, जो परियोजना के अंतर्गत दिया गया था।

शांति ने कहा कि महिला चालक कम से कम प्रतिदिन ₹1,500 कमा सकती है, और ईंधन जैसे जरूरी खर्चे निकालने के बाद आसानी से ₹1,000 बचा सकती है।

मुख्य अतिथि एडीजीपी एम. रवि ने इस पहल के लिए रोटेरियनों की प्रशंसा की और कहा कि यह सड़कों पर महिलाओं की सुरक्षा में योगदान देगा। उन्होंने 200 महिलाओं से महिला पुलिस स्वयंसेवक बनने और महिलाओं के खिलाफ अपराधों से लड़ने में मदद करने हेतु पुलिस एवं जनता के मध्य एक सेतु की तरह काम करने का आग्रह किया। रोटेरियनों से, उन्होंने कहा, ट्रैफिक नियमों एवं सड़क अनुशासन का पालन करने वाली महिला ऑटो चालकों के लिए आप एक पुरस्कार शुरु कर सकते है। वे अपने पुरुष समकक्षों के लिए एक उदाहरण स्थापित करेंगी।

पिंक ऑटो में जीपीएस और इलेक्ट्रानिक मीटर लगे है और उनके पीछे रोटरी का चक्र सुशोभित है। ■

महिला रोटेरियनों के लिए एक विशेष सभा

किरण ज़ेहरा

RIDN ए एस वेंकटेश ने कहा, महिला सदस्य रोटरी का एक अहम और जीवंत हिस्सा होती है। वह रोटरी क्लब गार्गीस, रो ई मंडल 3170, द्वारा कोल्हापुर में आयोजित की गई महिला रोटेरियनों की एक सभा 'संहिता' में रो ई मंडल 3190, 3160, 3150, 3141, 3142 और 3131 से आई 300 से भी अधिक महिला प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। महिलाओं ने क्लब अध्यक्षों, मंडल गवर्नरों और अधिकारियों के रूप में पूरे रोटरी जगत में नेतृत्व के पद संभालना शुरू कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय रोटरी प्रबंधन समिति के 17 सदस्यों में से आठ सदस्य महिलाएं है, उन्होंने आगे कहा, और आग्रह किया कि प्रत्येक रोटेरियन को उनके क्लब में कम से कम एक महिला को शामिल करना चाहिए।

बैठक में महिलाओं के लिए रोटरी को आकर्षक बनाने के विचारों को बढ़ावा देने पर ध्यान केन्द्रित किया गया और इस विषय पर चर्चा एवं विचार-विमर्श करने के लिए क्षेत्र विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ मंडल नेतृत्वकर्ता साथ आए। रो ई मंडल 3170 की रोटरी महिला समन्वयक गौरी हिरेमथ ने कहा कि महिलाओं के लिए सम्मान बहुत अधिक बढ़ गया है। मैं स्वयं को रोटरी में एक महिला के रूप में नहीं देखती हूँ, मैं एक रोटेरियन हूँ और मैं मेरे रोटरी परिवार की आभारी हूँ कि उन्होंने समाज की सेवा करने के साथ मुझे सीखने एवं बढ़ने में मदद की।

डीजी गिरीश मसूरकर, ने महिलाओं के संघर्ष की व्याख्या उस समय से की जब 1978 में रोटरी क्लब दूआर्ते, कैलिफोर्निया, यूएसए, ने तीन महिलाओं को सदस्य बनने हेतु आमंत्रित किया था। इसके बाद क्लब का अधिकारपत्र रद्द कर दिया गया और नौ वर्षों तक चली कानूनी लड़ाई के परिणामस्वरूप 1989 की ऐतिहासिक विधान परिषद हुई, जहाँ पर रोटरी में सदस्यता के लिए केवल पुरुष के प्रावधान को हटाने के लिए मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि उनके मंडल में 700 महिला सदस्य है, और मैं उस संख्या को बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

झिलम रॉय चौधरी, RILM की कार्यक्रम निदेशक, ने अपने सम्बोधन में कहा, महिलाएं सहज रूप से संघर्ष निवारण और पर्यावरण अनुकूल एवं धर्मनिरपेक्ष भविष्य के लिए काम करने की महत्ता को समझती है। संहिता जैसी बैठकें हमें हमारी उपलब्धियों को दर्शाने एवं बहादुरी से चुनौतियों का सामना करने का अवसर प्रदान करती है।

एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ एवं रोटरी क्लब बैंगलोर वेस्ट, रोई मंडल 3190, की सदस्य डॉक्टर मीनाक्षी भारत ने 'मासिकधर्म कलंक' को संबोधित करने हेतु अधिक कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए रोटेरियनों को जागरूक किया। एक साथ मिलकर हमें यह सुनिश्चित करना है कि सभी लड़कियों को मासिक धर्म एवं स्वास्थ्यकर तरीके से उसका प्रबंध करने के बारे में अच्छी तरह जानकारी हो, उन्होंने कहा।

अन्य सत्रों में स्वास्थ्य, नेतृत्व एवं जल संरक्षण जैसे विषय शामिल थे।

पीडीजी श्यामश्री सेन, रो ई मंडल 3291, ने महिला रोटेरियनों से सेवा परियोजनाओं में बेहतर रूप से सम्मिलित होने और सदस्य संख्या को बेहतर बनाने का अनुरोध किया। इतने प्रयासों के बाद महिलाएं रोटरी का हिस्सा बन गई है, लेकिन संख्या अभी भी कम है। क्लबों में महिलाओं का स्वीकरण रोटरी को अगले 100 वर्षों के लिए जीवंत बना देगा, उन्होंने कहा। ■

दाएं से: PDG आनंद कुलकर्णी, DG गिरीश मसुरकर (दाएं से तीसरा) और RIDN ए एस वेंकटेश महिला रोटेरियन कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए।

लिटिल बिग हट्र्स प्रोजेक्ट के तहत पूरी हुई 100वीं सर्जरी

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब मीनांबक्कम की लिटिल बिग हट्र्स प्रोजेक्ट, रो ई मंडल 3232, अल्पपोषित परिवारों के बच्चों में जन्मजात हृदय दोष (सीएचडी) के सर्जिकल सुधार हेतु सहयोग करता है। टीआरएफ के साथ क्लब, और कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, इटली तथा अफ्रीका के 11 रोटरी क्लबों ने बच्चों के लिए इस तरह की 100 सर्जरी करने की योजना बनाई थी। प्रोजेक्ट के प्रमुख संचालक बी दक्षिणायणी ने कहा, चेन्नई के तीन अस्पतालों - सूर्या, एमएमएम, एमआईओटी हॉस्पिटल्स में इलाज हेतु अब तक 56 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं और एक अन्य एनजीओ जेनेसिस फाउंडेशन द्वारा समर्थित है।

डीजी जी चंद्रमोहन, पीडीजी सी आर राजू और परियोजना समन्वयक बी दक्षिणायणी की उपस्थिति में TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती एक बच्चे और माँ को बधाई देते हैं।

कार्यक्रम को आधिकारिक तौर पर पिछले साल पीआरआईडी सी. बास्कर द्वारा शुरु किया गया था। अब इसके तहत 100 सर्जरी हो चुकी है। टीआरएफ के ट्रस्टी गुलाम वाहनवती ने डीजी जी. चंद्रमोहन के साथ, एमआईओटी हॉस्पिटल का दौरा किया और उन बच्चे से मिले, जिनका इलाज किया जाना था और उनकी सफल सर्जरी की कामना की। उन्होंने प्रोजेक्ट से जुड़े कुछ अन्य युवा लाभार्थियों से भी मुलाकात की। उन्होंने भागीदार हॉस्पिटल और दुनिया भर में रोटरी क्लबों तथा साझेदार एनजीओ के द्वारा किए गए अच्छे काम की सराहना की। ■

तमिलनाडु के मुख्य मंत्री एडप्पादी पलनीस्वामी एनआईडी कैंप में एक बच्चे को एक खिलौना गिफ्ट करता है। चित्र में DG चंद्रमोहन, मंडल सचिव गणपति सुरेश और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सी विजय भास्कर।

एंड पोलियो आयोजन ने बढ़ाई रोटरी की प्रतिष्ठा

रो ई मंडल 3232 ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एडापादी पलानीस्वामी के साथ मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री के शिविर कार्यालय में एनआईडी शिविर का आयोजन किया।

ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ महानिदेशक जी. चंद्रमोहन, जिला पोलियोप्लस के अध्यक्ष सी. मुथुस्वामी तथा जिला सचिव गणपति सुरेश भी इस दौरान उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई और भारत तथा दुनिया भर में पोलियो उन्मूलन में इसकी भूमिका के बारे में बताते हुए रोटरी की विभिन्न सेवा परियोजनाओं की सराहना की। एनआईडी कैंप में बच्चों को सॉफ्ट टॉय भी गिफ्ट किए गए।

मुथुस्वामी ने कहा कि यह रोटरी की छवि के निर्माण का प्रमुख आयोजन था। ■

स्वास्थ्यकर रसोइयों का निर्माण

जयश्री

DGN मयूरेश वारके की उपस्थिति में लाभार्थियों को रसोई के बर्तन प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

रोटरी क्लब हीरानंदनी एस्टेट, रो ई मंडल 3142, ने अनाथालयों एवं वृद्धाश्रमों जैसे सार्वजनिक संगठनों में स्वास्थ्यकर रसोई' प्रदान करने की एक अनोखी परियोजना अपने हाथों में ली है जहाँ रसोई की हालत ख़राब है। सुरक्षित आहार परोसना कोई विकल्प नहीं होता, बल्कि यह एक दायित्व होता है। और यह दायित्व और भी बड़ा हो जाता है जब बच्चों एवं बुजुर्गों की देखभाल करना हो, क्लब अध्यक्ष डॉक्टर नम्रता श्रीवास्तव कहती है। परियोजना का लक्ष्य आधारभूत संरचनाओं को सुधारने, मरम्मत करने, सुविधाएं प्रदान करने और किसी भी प्रकार के खाद्य संदूषण को रोकने एवं सुरक्षा स्थापित करने हेतु स्वच्छता मानकों को बढ़ाने का है। यह कार्य मुंजेर भारत, एक संगठन जो *स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत मिशन* के साथ काम करता है, के सहयोग से किया जा रहा है।

पहले चरण में दो संस्थानों की पहचान की गई है। दी डिज़ाइअर सोसाइटी एक अनाथालय है जो 50 एचआईवी-पॉज़िटिव लड़कों की देखभाल करता है। नम्रता कहती है, हमने यहाँ एक फ्रिज, भंडारण पात्र, परोसने के कटोरे और कटलरी प्रदान की है। अगली रसोई वात्सल्य ट्रस्ट की है जो 30 वृद्ध लोगों और 20 अनाथ लड़कियों की देखभाल करता है। यहाँ पर पूरी तरह मरम्मत की गई। दीवारों को रंगा गया, नए शेल्फ और खाना पकाने के प्लैटफ़ार्म बनाए गए, फर्श पर फिर से टाइल्स लगाई गई और बिजली के तार फिर से बिछाये गए। यह सब करने के बाद, हम पूर्ण परिवर्तन से संतुष्ट थे। रसोई एक घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है जहाँ से स्वस्थ भोजन टेबल तक पहुंचता है और उसे खाना पकाने वालों को प्रेरित करने के लिए पर्याप्त रूप से बेहतर होना चाहिए, वह चुटकी लेती है।

डीजीई मयूरेश वारके, मंडल सचिव विनीत शाह, परियोजना निदेशक प्रदीप ठाकुर और क्लब सदस्यों की अध्यक्षता में हुए एक कार्यक्रम में लाभार्थियों को आधिकारिक रूप से रसोइयाँ सौंपी गई। माइकल मुंजेर, सहयोगी संगठन मुंजेर भारत के सीईओ, उसके निदेशक ग्रेगर अलेक्जेंडर रेंडल, एमडी संजय श्रीवास्तव और परियोजना प्रमुख अंजलि सिंह भी मौजूद थे।

वर्ष खत्म होने से पूर्व यह परियोजना आठ अन्य रसोइयों का समर्थन करेगी।

इस्तेमाल हो चुके भोजन पकाने के तेल के सुरक्षित एवं उचित निपटान के लिए भी सहयोगी दल खाद्य और पेय संगठनों (FBO) के साथ काम कर रहे है, ताकि इसे सड़क किनारे वड़ापाव एवं समोसे बनाने वाले विक्रेताओं को बेचने से रोका जा सके। यह वास्तव में कैंसर को आमंत्रित कर रहा है, नम्रता कहती है। मुंजेर भारत FBO से इस्तेमाल किया हुआ तेल खरीदकर उसे संसाधित करके पर्यावरण-अनुकूल बायो-डीजल बनाता है।

एक LN-4 शिविर प्रगति में हैं।

कृत्रिम हाथ

हाल ही में, क्लब ने रोटरी क्लब पूना डाउनटाउन, रोई मंडल 3131, और रोटरी क्लब कल्याण के सहयोग से ठाणे में एक ड्छ4 कृत्रिम हाथ शिविर फिटमेंट शिविर का आयोजन किया। दुर्घटना या बिजली के झटके के कारण अपने हाथ गंवा चुके लगभग 500 लोगों को ये कृत्रिम हाथ लगाए गए जिसे एलेन मीडोज़ फ़ाउंडेशन, यूएसए, द्वारा विकसित किया गया। तकनीशियनों द्वारा उन्हें नए हाथों से लिखने और पकड़ने या चीज़ें उठाने के लिए प्रशिक्षित भी किया गया। परियोजना प्रमुख अरुणिमा सिंह कहती है कि सामाजिक एवं प्रिंट मीडिया पर किए गए व्यापक प्रचार ने देश भर के लाभार्थियों तक पहुँचने में मदद की। रोटरेक्टर और इनर व्हील सदस्यों ने शिविर के सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया।■

जगदलपुर में घर तक पहुंची नर्सिंग सुविधा

टीम रोटरी न्यूज़

प्रोजेक्ट स्पर्श बड़े पैमाने पर सफल रहा है, क्योंकि इसके तहत जगदलपुर में शय्याग्रस्त रोगियों को उनके घर तक चिकित्सा देखभाल प्रदान किया जा रहा है। रोटरी क्लब जगदलपुर, रो ई मंडल 3261 द्वारा क्राइस्ट कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के साथ साझेदारी में शुरू की गई इस नर्सिंग सेवा में निर्दिष्ट मोबाइल नंबर पर कॉल प्राप्त करने के बाद मरीजों की देखभाल के लिए एक कार और पैरामेडिक्स की एक टीम मौजूद है। रोटरी क्लब जगदलपुर के पूर्व अध्यक्ष, सत्यनारायण अग्रवाल ने कहा, कॉल प्राप्त होने के बाद, मेडिकल स्टाफ द्वारा उपचार के समय और जगह को निर्धारित समय पर कई सारी सेवाएं मरीजों के घरों तक पहुंचाने हेतु लिख लिया जाता है।

आमतौर पर, विजिट का समय सुबह 8 से 11 बजे के बीच होता है और प्रक्रियाओं में बेडसाइड केयर, बॉडी ड्रेसिंग, बीपी, शुगर की जांच, टेंपरेचर, स्पंज बाथ और दवा शामिल हैं। अग्रवाल ने कहा, हम लगभग हर दिन कॉल आते रहते हैं। हम प्रत्येक मामले का आकलन करते हैं और रोगी के घर तक कार पहुंचाने की योजना पहले से ही बना लेते हैं। रोटरी ने कार एम्बुलेंस प्रदान की है, नर्सिंग कॉलेज अपने प्रोजेक्ट के लिए पैरामेडिक्स प्रदान कर रहा है। अग्रवाल ने कहा, नर्सों और कार विजिट के सभी चिकित्सकीय देखभाल पूरी तरह से मुफ्त हैं और मरीजों से इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।■

स्वास्थ्यकर भोजन और नियमित

वी मुत्तुकुमारन

दुनिया में सबसे बड़ा किलर कौन है? यह धूम्रपान या शराब नहीं है बल्कि यह अस्वास्थ्यकर हाई कैलोरी वाला भोजन है। ''बुरा, अस्वास्थ्यकर भोजन आतंकवाद की तुलना में अधिक लोगों को मारता है और भारतीयों को आनुवंशिक रूप से गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) का खतरा होता है जैसे मोटापा, उच्च रक्तचाप, हार्टअटैक और मधुमेह जो कि एक सायलेंट किलर हैं'' - डाक्टर उमेश खन्ना, मुंबई के एक प्रमुख नेफ्रोलॉजिस्ट ने कहा, जिन्होंने 250 से अधिक गुर्दा प्रत्यारोपण किए हैं। एनजीओ, जीवन स्पर्श के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में, जो *प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ: स्टॉप एनसीडी* के आर्किटेक्ट में से एक हैं जिसका उद्देश्य अस्वास्थ्यकर भोजन और सुस्त गतिहीन जीवनशैली से पैदा होने वाले रोगों को नियंत्रित करना है।

रोटरी इंस्टीट्यूट इंदौर, *कनेक्ट वित हेल्थ सेशन* में बोलते हुए मुंबई किडनी फाउंडेशन के फाउंडर चेयरमैन श्री खन्ना ने कहा कि अभी हर तीन भारतीय व्यस्कों में एक मोटापे से ग्रस्त है और देश में अनुमानित रूप से 17 मिलियन बच्चे मोटापे से ग्रस्त होंगे जिसमें सन् 2025 तक में 90 प्रतिशत आबादी शामिल होगी। WHO के अनुसार, वैश्विक स्तर पर एक साल में 41 मिलियन लोग एनसीडी से मरते हैं, जो सभी मौतों का 71 प्रतिशत है। भारत में होने वाली सभी मौतों का 60 प्रतिशत कारण एनसीडी है क्योंकि नमक, चीनी और तेल की औसत दैनिक खपत की मात्रा डब्ल्यूएचओ के द्वारा निर्धारित किए गए स्तर से अधिक है। उन्होंने कहा - ''सडन *कार्डियक अरेस्ट* जैसी कोई चीज नहीं होती है, शरीर पर इस तरह के प्राणधातक अटैक को आने में वर्षों लगते हैं और इसके लिए आप पूर्णरूप से जिम्मेदार हैं।''

अनुमानता: 25 प्रतिशत भारतीयों में हाई बीपी होता है और लगभग 20 प्रतिशत लोगों में मधुमेह का स्तर स्वीकार्य सीमा से अधिक होता है। उन्होंने कहा कि ''चिंताजनक बात यह है कि उनमें से अधिकांश लोग, विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग, यह नहीं जानते कि वे इस तरह के जोखिमपूर्ण कारकों से पीड़ित हैं जो उन्हें एनसीडी की ओर ले जाता है।'' एनसीडी हेतु जागरूकता पैदा करते हुए यह सरकार के साथ इसमें क्षमता का निर्माण भी कर रहा है ''और इसके प्रति सिफारिश की भूमिका अदा करते हुए इसने फूड लेबलिंग को अनिवार्य करने का आह्वान किया है।'' उन्होंने समझाया।

एक पैनल डिस्कशन में मुंबई नेफ्रालॉजी ग्रुप के सचिव डॉ हेमल शाह ने इस बारे में कुछ प्रचलित मिथकों को तोड़ा जैसे कि ब्लड प्रेशर के लिए दवा लेना ही पर्याप्त है और युवा लोगों हाई ब्लड प्रेशर (140/90) से पीड़ित नहीं होंगे। ङ्गङ्घआपको नियमति रूप से ब्लड प्रेशर लेवल की जांच करनी चाहिए क्योंकि इसके लक्षण दिखाई देने की संभावना नहीं हो सकती है। हार्ट अटैक में परिणत हो सकता है, दृष्टि को नुकसान होता है और कई तरह की जटिलताएं पैदा हो जाती हैं।''

व्यायाम के साथ तंदरूस्त रहें

बाएं से: इंदौर संस्थान में कनेक्ट वित हेल्थ सत्र में PRID मनोज देसाई, डॉ उमेश खन्ना, RID भरत पांड्या, डॉ संदीप जुल्का, डॉ ज़मुरूद एम पटेल और डॉ हेमल शाह।

चिंताजनक बात यह है कि उनमें से अधिकांश लोग, विशेष तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग, यह नहीं जानते कि वे इस तरह के जोखिमपूर्ण कारकों से पीड़ित हैं जो उन्हें एनसीडी की ओर ले जाता है।

डॉ उमेश खन्ना

ग्लोबल हॉस्पिटल्स, मुंबई के डायबिटीज विभाग के प्रमुख डॉ जमुररूद एम पटेल ने विटामिन और पोषक तत्वों से भरपूर स्वास्थ्यपूर्ण आहार लेने का आह्वान किया है। ''अपने पसंदीदा भोजन को लेने के बजाए नियमित समयान्तराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं। धूम्रपान एवं शराब से बचें और दैनिक रूप से व्यायाम करें।'' सभी पैक या प्रोसेस्ड खाध पदार्थ हानिकारक होते हैं क्योंकि वे खराब होने से बचाव करने वाले छिपे हुए लवण पदार्थों एवं अन्य सामग्रियों से युक्त होते हैं जो एनसीडी के रिस्क फैक्टर को बढाते हैं।

मधुमेह एक सायलेंट किलर है और 50 प्रतिशत मधुमेह रोगी अपनी स्थिति से अनजान होते हैं ''चिंताजनक बात यह है कि बच्चों तक को टाइप-2 डायबिटीज हो रहा है, जो कि पिछले 18 सालों से बढ़ रहा है। अगर माता-पिता दोनों ही मधुमेह रोगी हैं तब उनके बच्चों को यह विकार होने की 50 प्रतिशत संभावना है और यदि माता या पिता दोनों में से किसी एक को है, तब उस स्थिति में उनके बच्चों को हाई ब्लड सुगर होने की 25 प्रतिशत संभावना है। मधुमेह रोगी अत्याधिक ब्लड सुगर के कारण अपने जीवन के औसतन 06 साल खो देते हैं''-उन्होंने बताया।

मोटापे पर डॉ. हेमल शाह ने कहा कि 25 से अधिक बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) मोटापे के अंतर्गत आता है जबकि 23-25 के बीच का बीएमआई आपको ओवरवेट बनाता है। ''दुनिया में मोटापे से संबंधित विकारों के कारण लगभग 30 लाख लोग मर जाते हैं और सभी 30 प्रतिशत कैंसर फैट ऊतकों के कारण होते हैं।''

रो ई मंडल भारत पंड्या ने अपनी समापन टिप्पणी में कहा कि सभी चार पैनालिस्ट ने रोग-मुक्त जीवन हेतु कुछ उत्तम उपायों को सुझाया है, ''उन व्यावसायियों के विपरीत जो लोगों के स्वास्थ्य की कीमत पर मुनाफा कमाते हैं'' PRID मनोज देसाई ने डाक्टरों को बधाई दी।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

पोलियो पीड़ितों के लिए नए हल्के वजन वाले कैलिपर्स

टीम रोटरी न्यूज़

2011 में जब भारत से पोलियो का उन्मूलन रोटरी की उपलब्धियों के लिए मील का पत्थर था, बहुत कम लोग इस गंभीर बीमारी के दुर्बल प्रभाव से पीड़ित रोगियों की सहायता के लिए आगे आए। लाखों की संख्या में, ज्यादातर बुजुर्ग नागरिकों को अपने जीवन के बाकी दिनों में धातु और चमड़े से बने पारंपरिक कैलिपर्स और काले चमड़े के जूते का उपयोग करने हेतु मजबूर होना पड़ता था।

रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन, रो ई मंडल 3054, ने ग्लोबल पोलियो रिहैबिलिटेशन इनिशिएटिव GPRI नामक एक अभियान शुरू किया है, जो पोलियो पीड़ितों तक पहुंचता है, उनके दर्द को कम करने हेतु सिद्ध, लागत प्रभावी तकनीक की पेशकश करता है। क्लब के सदस्य डॉ अनिल कुमार जैन ने कहा कि, धातु, लकड़ी और चमड़े के कैलीपर्स का युग समाप्त हो गया है। हमने कम लागत, आसानी से उपयोग होने वाले, हल्के वजन वाले थर्मोप्लास्टिक कैलिपर्स विकसित करने हेतु डॉ पी के सेठी के मार्गदर्शन में संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रौद्योगिकी विभाग, जीओआई द्वारा वित्त पोषित एक शोध परियोजना की शुरुआत की है।

उन्होंने कहा, इन आधुनिक कैलीपर्स को कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है और व्यक्ति अपनी पसंद के जूते का उपयोग कर सकता है। इसके अलावा, इस प्रोस्थैटिक का उपयोग सभी प्रकार के मस्कुलोस्केलेटल और लकवाग्रस्त विकारों के अच्छे परिणामों के लिए किया जा सकता है। लेकिन यह नया कैलीपर अभी तक देश के उन सुदूर इलाकों तक नहीं पहुंचा है जहां पारंपरिक उपकरणों के साथ कई पोलियो पीड़ित कठिन जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। डॉ जैन ने कहा, ''GPRI के *रीच द अनरीच्ड प्रोग्राम* के माध्यम से हम संदेश फैला रहे हैं ताकि पोलियो पीड़ित हमसे संपर्क करके इस कैलीपर का लाभ उठा सकें।'' ■

रोटरी क्लब मांडवी ने जॉब फेयर का किया आयोजन

नौकरी के उम्मीदवार को ऑफर लेटर मिलता है।

140 युवकों को दिवाली का उचित उपहार देने हेतु रोटरी क्लब मांडवी, रो ई मंडल 3054, ने जिला रोजगार केंद्र, कच्छ; आईटीआई, मांडवी और जिला औद्योगिक केंद्र के साथ साझेदारी में एक जॉब फेयर का आयोजन किया; जिसमें उम्मीदवारों द्वारा 200 से अधिक पंजीकरण किए गए हैं।

जॉब फेयर में उम्मीदवारों के तत्काल साक्षात्कार हेतु रोटरी हॉल में शीर्ष कंपनियां मौजूद थीं, जिसकी मुख्य अतिथि के रूप में अपने विशेष संबोधन में जिला रोजगार अधिकारी एम के पाला ने सराहा की। उन्होंने मांडवी के युवाओं के लिए इस तरह का आयोजन करने हेतु रोटरी को धन्यवाद दिया। कुल उम्मीदवारों में से 140 को प्रशिक्षण के लिए चुना गया, इसके बाद कंपनियों द्वारा भर्ती की गई।

क्लब के अध्यक्ष भाविन गनात्रा ने सभा का स्वागत किया, जबकि परियोजना अध्यक्ष अक्षय मेहता ने रोटरी की विभिन्न गतिविधियों और वैश्विक पहुंच के बारे में बताया। इस आयोजन की एंकरिंग रोटेरियन प्रतीक एच शाह द्वारा किया गया और मांडवी में इस तरह के पहले जॉब फेयर की सफलता हेतु कई रोटेरियन ने अपना समर्थन दिया। क्लब के सचिव तेजस वासानी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। ■

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

स्केल ग्रांट प्रोग्राम

'स्केल ग्रांट प्रोग्राम प्रतिस्पर्धात्मक अनुदान' (ग्रांट) हैं जिसे एक समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। मॉपन योग्य परिणामों एवं प्रभाव के साथ एक स्थायी हस्तक्षेप का उपयोग करके अनुदान से एक महत्वपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले बहुत से लोगों को फायदा होगा। हर अनुदान तीन से पांच वर्ष की गतिविधियों को सहयोग प्रदान करेगा, उन गतिविधियों को सहयोग देगा जो एक एक या एक से अधिक रोटरी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। ग्रांट प्रपोजल प्रोसेस (अनुदान प्रस्ताव प्रक्रिया) को शुरू करने के लिए इस लिंक का उपयोग करें: *https://rotaryfoundation.embark.com/auth/login*.

एवरी रोटेरियन, एवरी ईयर

एवरी रोटेरियन, एवरी ईयर (EREY) फंड पैदा करने वाली एक पहल है जो फाउंडेशन के वार्षिक फंड के लिए सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है। यह अभियान उस सरल विचार पर आधारित है कि यदि हर रोटेरियन प्रति वर्ष एनुअल फंड के लिए एक पर्सनल गिफ्ट देता है एवं फाउंडेशन प्रोजेक्ट में भाग लेता है तब वहां ऐसा कुछ भी शेष नहीं रहेगा जिसे कि फाउंडेशन पूरा न कर सकता हो।

प्रति वर्ष, क्लब जो EREY में राशि प्राप्त करते हैं अर्थात प्रति व्यक्ति 100 डॉलर का न्यूनतम वार्षिक फंड योगदान, हर बकाया भुगतान करने वाले सदस्य को वार्षिक फंड में से कम से कम 25 डॉलर देने वाले सहित, उनको *100% प्रत्येक रोटेरियन को हर साल क्लब बैनर* से सम्मानित किया जाता है। भारत की रोटरी के इस विशेष शताब्दी वर्ष में इस बैनर को प्राप्त करने में अपने क्लब को मदद प्रदान करें।

क्लब बैनर

रोटरी क्लब को उपलब्ध विभिन्न क्लब बैनरों की सूची नीचे प्रदर्शित की गई है जिन्होंने रोटरी वर्ष के दौरान टीआरएफ के प्रति उनके महत सहयोग प्रदान किया है:-

- 100% फाउंडेशन देने वाले क्लब
- 100% एवरी रोटेरियन, एवरी क्लब
- वार्षिक फंड देने में टॉप तीन प्रति व्यक्ति
- 100% पॉल हैरिस सोसायटी क्लब
- 100% पॉल हैरिस फेलो क्लब (वन-टाइम रेकोगनिशन)

उपरोक्त सूची में उल्लेखित प्रत्येक फाउंडेशन बैनर रिपोर्ट क्लब की स्थिति को चेक करने के लिए *My Rotary* का उपयोग कर सकते हैं।

रोटेरियन-डिजिटल

रोटेरियन-डिजिटल एक संपूर्ण प्रतिकृति है यह प्रिंट प्रति का एक विकल्प है। ई-कॉपी आधी कीमत (6 डॉलर प्रति अर्धवार्षिक अवधि) पर उपलब्ध है और इसे संबंधित रोटरी क्लब के अधिकारियों के माध्यम से *data@rotary.org* पर ईमेल के द्वारा सब्सक्राइब किया जा सकता है। सदस्यों के पास एक वैध ईमेल एड्रैस अवश्य होना चाहिए। उन जगहों पर जहांकि पोस्टल सिस्टम विश्वसनीय नहीं होता है तब वहां पर हम मासिक मैगजीन की ई-कॉपी की सदस्यता लेने की पूर्ण रूप से सलाह देते हैं।

रोटरी शॉप

"रोटरी शॉप", रोटरी सदस्यों के लिए रोटरी के द्वारा बनाए गए प्रकाशनों की खरीदी करने का एक ऑनलाइन प्लेटफार्म है और अप्रैल, 2020 तक माल का संचालन करना आधिकारिक रूप से बंद हो जाएगा।

जब रोटरी के सबसे लोकप्रिय प्रिंट प्रकाशनों को विभिन्न रोटरी प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल रूप से प्रस्तुत किया जाएगा तब रोटरी माल को सीधे ही अनुमोदित लाइसेंस विक्रेताओं के माध्यम से खरीदा जा सकेगा। ऐसे विक्रेताओं की सूची *My Rotary* के माध्यम से उपलब्ध है।

रोटरी शॉप के बंद होने के पश्चात, हम रोटेरियन से प्रकाशन या माल का कोई आर्डर नहीं लेंगे। ■

STATEMENT ABOUT OWNERSHIP

Statement about ownership and other particulars about *Rotary Samachar* to be published in the first issue of every year after the last day of February

1. Place of Publication	:	Chennai - 600 008
2. Periodicity of its publication	:	Monthly
3. Printer's Name	:	P T Prabhakar
Nationality	:	Indian
Address	:	15, Sivasami Street Mylapore Chennai 600 004
4. Publisher's Name	:	P T Prabhakar
Nationality	:	Indian
Address	:	15, Sivasami Street Mylapore Chennai 600 004
5. Editor's Name	:	Rasheeda Bhagat
Nationality	:	Indian
Address	:	25, Jayalakshmipuram 1st Street Nungambakkam Chennai - 600 034
6. Name and address of individual who owns the newspaper and partner or shareholders holding more than one percent of the total capital	:	Rotary News Trust Dugar Towers, 3rd Floor 34, Marshalls Road Egmore Chennai - 600 008

I, P T Prabhakar, declare that the particulars given are true to the best of my knowledge and belief.

Chennai - 600 008
1st March, 2020

sd/-
P T Prabhakar

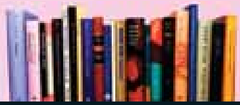

शब्दों की दुनिया

उन्हें थोड़ा मौका दीजिये

संध्या राव

ऐसा कुछ नहीं है जो थोड़ा मौका मिलने पर भारत के बच्चे नहीं कर सकते। एक हालिया किताब हमें याद दिलाती है कि हमें क्यों उनकी शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

रो*टरी न्यूज़* के पाठक भारत की शिक्षा प्रणाली की जमीनी हकीकत से परिचित है। उन्हें हजारों सुविधाओं से वंचितों के लिए इसके अभाव के सबूत की जरूरत नहीं है; उसी समय, रोटरी स्वयं असंख्य परियोजनाएं करके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराती है। टीच फॉर इंडिया (TFI) कार्यक्रम के सिटी ऑपरेशन्स के प्रमुख संदीप राय की किताब ग्रे सनशाइन के कवर पर दो सुन्दर छोटी बच्चियों जैसे बच्चे को।

यह दो वर्षीय फ़ेलोशिप कार्यक्रम समस्त भारत में शिक्षा प्रणाली को सुधारने के प्रयास से युवाओं को सरकारी कक्षाओं में पूर्णकालिक शिक्षकों के रूप में नियुक्त करता है। अब तक, ऐसे कुछ 4,000 शिक्षक सरकारी स्कूलों में नियुक्त किए जा चुके है, जो उनकी ज़िंदगियों और उनके भविष्य को अनेक सकारात्मक तरीकों से प्रभावित कर रहे है। पश्चिमी देशों के प्रतिष्ठित स्कूलों/विश्विद्यालयों में आगे की पढ़ाई के लिए ऐसे बच्चों को प्रेरित करने हेतु उनका कार्य काफी प्रभावी रहा है।

संदीप राय, भारतीय प्रवासियों की एक संतान जिन्होंने अमेरिकन दीप साउथ में एक किराने की दुकान खोली थी, चिकित्सा की पढ़ाई करने की तैयारी में थे जब उन्होंने जैक्सन, मिसिसिप्पी, के वेल्स मेथोडिस्ट चर्च के उपदेशक कीथ टोंकेल का उपदेश सुना। ''उन परेशानियों की तरफ देखना और एक धारणा - उनकी स्थिति के लिए कड़ी मेहनत की कमी को या भाग्य को जिम्मेदार ठहराना जो उनके बस में है ही नहीं - बना लेना बहुत आसान है, टोंकेल ने कहा। लेकिन यह स्वीकार करना, यह याद रखना बहुत कठिन है कि हम उनसे अधिक काबिल नहीं है... हम सभी को, आपको और मुझे, विनीत भाव की नितांत आवश्यकता है जो निस्संदेह श्रेष्ठ है।''

हमारी ''विनीत भाव की इस नितांत आवश्यकता की चेतावनी'' ने राय को कीथ के संपर्क में रहने और, अगले तीन सालों में स्वीकृति, सेवा, गरीबी, प्यार के बारे में अधिक गहराई से सोचने हेतु प्रेरित किया। फिर, उन्होंने मन बना लिया और अपने माता-पिता से कहा कि अब वह चिकित्सा में उत्सुक नहीं है, वह एक कार्यक्रम से जुड़ेंगे जिसका नाम था टीच फॉर अमेरीका और उन्होंने ऐसा ही किया। इस जीवन परिवर्तक निर्णय के तहत आखिरकार वह भारत आए और टीच फॉर इंडिया परिवार का हिस्सा बने।

ग्रे सनशाइन राय की यादगार यात्रा के साथ-साथ कुछ शिक्षकों और बच्चों की यात्राओं को भी अंकित करती है। संयम और परिज्ञान से भरे प्रतिबिम्ब के माध्यम से, राय सच्ची कहानियाँ साझा करते है। उदाहरण के लिए, निशि, टाइल लगाने वाले एक मजदूर की बेटी जो बिहार से आया था, डॉक्टर बनने के सपने देखती है। वह बच्ची उन्हें बताती है कि कैसे ''हर कोई कम आय वाले लोगों की तरफ देखता है। उन्हें लगता है कि हम आलसी है। लेकिन यह सच नहीं है। दुनिया तो हमें इन्सान की तरह भी नहीं देखती। वे हमसे दूर रहते है। और यह धारणा, चाहे हमें पसन्द हो या ना हो, हमारी क्षमता को सीमित करती है,'' उन्होंने इसे भारत में एक मूलभूत सत्य के रूप में पहचाना है।

पाठकों ने हर जगह इस विषय पर भिन्नताएँ सुनी होगी जैसी मैंने सुनी है, भोपाल में बच्चों के साथ काम करने वाली एक युवती से जिसने बताया कि ''हमारी शिक्षा प्रणाली विफलता के परीक्षण की ओर इस कदर प्रवृत्त है कि मैं अपने बच्चों को स्कूल से निकाल लूंगी।'' इसी संदर्भ में राय का विचार है कि ''दर्जनों अध्ययनों से यह पता चला है कि बच्चों के विकास में उम्मीदें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह कि जो लोग अपनी पृष्ठभूमि या क्षमता की परवाह किए बिना उच्च स्तर को अपनाते है, लगभग हमेशा अपने समकक्षों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते है जो उपयुक्त अनुभव है।''

दूसरी तरफ आपके पास माध्यम/उच्च वर्ग की पृष्ठभूमि से तरुण जैसे युवा है, जिन्हें खखढ प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने हेतु कोचिंग केन्द्रों में दाखिला लेने के लिए मजबूर किया जाता है। राय याद करते है कैसे तरुण इस प्रणाली के अमानवीय कठोरपन

से क्लांत और शोषित और आत्म-संदेह से व्याकुल होकर, कोटा की खखढ कोचिंग से भागकर देशभर में भटकते रहे, और डर एवं मानवता के सभी पहलूओं के साथ वास्तविक जीवन एवं गरीबी का अनुभव लिया, और आखिरकार हिंदुस्तान लीवर में नौकरी करने के पहले पढ़ने हेतु BITS पिलानी गए। वहाँ उन्हें आत्मानुभूति हुई और वह एक TFI सदस्य बनने हेतु निकल पड़े ताकि वह बच्चों को सर्वश्रेष्ठ बनने के सपने देखने में मदद कर सकें।

ये युवा और उनके छात्र अपने सपनों और सच्चाइयों से पाठकों का दिल छू लेते है। उन्हें सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की वजह से भी नकारा जाता है, यहाँ तक कि, कभी-कभी, वे राजनीतिक ताकतों के हाथों की कठपुतली बन जाते है जो लोगों को धार्मिक विचारधारा और सामाजिक कलंक के नाम पर विभाजित करना चाहते है। यह किताब हमें बच्चों और समुदायों द्वारा अपने अस्तित्व को बरकरार रखने के लिए हर दिन लड़ी जाने वाली वास्तविक लड़ाइयों से रूबरू कराती है; कहानियों की प्रमाणिकता में सभी कट्टर, विभाजक विचार रखने वाले या आज के समय में ङ्कराष्ट्रवादीफ और ङ्कसुधारकफ का दावा करने वाले व्यक्तियों की गतिविधियों से जीवन को खींच लाने की ताकत है। बेशक, यदि वे पढ़ने और जानने के लिए खुली हो तो।

उत्तरपश्चिम दिल्ली के सीलमपुर के एक अस्थायी स्कूल, बाब उल उलूम में अनुराग की कक्षा में, एक दिन शिक्षा की गुणवत्ता के सवाल पर चर्चा हुई जिसने एक अमन नाम के विद्यार्थी को यह पूछने हेतु प्रोत्साहित किया ''भैया वास्तव में, हमारे देश में शिक्षा का स्तर क्या है?'' इस सवाल ने अनुराग को उन्हें (और हमें) ASER, एनुअल स्टेट ऑफ़ एजुकेशन रिपोर्ट, के बारे में बताने हेतु उत्साहित किया जो यह बताता है कि कक्षा पांचवी के 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे कक्षा दूसरी की किताबें नहीं पढ़ सकते, और दो तिहाई बच्चे बुनियादी जोड़ना-घटाना नहीं कर सकते। जब बच्चों को पता लगा कि ASER ने सीलमपुर में शिक्षा के स्तर का अध्ययन नहीं किया है, तो वह डेटा एकत्रित करने और उसका विश्लेषण करने का तरीका तैयार करने लगे। इस तरह आखिरकार उन्होंने I-STEP (इन्स्पाइरिंग स्टूडेंट्स,

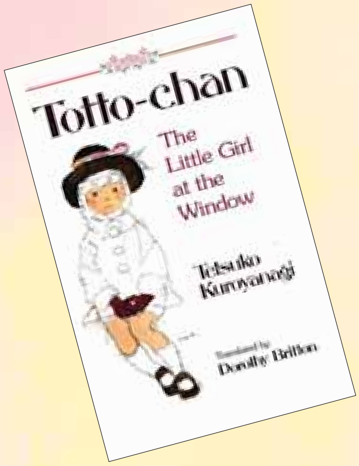

टीचर्स, एजुकेटर्स एंड पेरेंट्स) नामक दिल्ली के पहले छात्र-नेतृत्व सम्मेलनों का ड्राफ्ट तैयार किया, योजना बनाई और उसे समन्वित किया। बाद में यह विस्तृत होकर *लाखों में एक* अभियान बन गया जो समस्त भारत के 100,000 गाँवों को कवर करता है। कौन कहता है कि युवा शिक्षक और उनके छात्र सवाल नहीं पूछ सकते और समाधान नहीं ढूंढ सकते?

बेकार गुणवत्ता वाली शिक्षा, कुप्रबंधित विद्यालय, संघर्षरत छात्र - ये सभी दुनियाभर में मौजूद है और इनके बारे में कई किताबें लिखी जा चुकी है, कुछ पर तो फ़िल्में भी बन चुकी है। बेल कौफमेन (1964) द्वारा लिखित अप दी *डाउन स्टेकेर्स* 64 हफ़्तों तक *द न्यूयॉर्क टाइम्स* की बेस्टसेलर सूची में शामिल रही थी; लन्दन के ईस्ट एंड पर आधारित और ई आर ब्रेथवेट द्वारा लिखित एक आत्मकथात्मक उपन्यास *टू सर विथ* लव (1959) पर एक हिट फिल्म बनाई गई थी। लूलू द्वारा गाया गया इसका शीर्षक गीत उस समय तक शीर्ष पर था जब मैं स्कूल जाती थी। और फिर है टोटो-चान: *द लिटिल गर्ल एट द विंडो* (1981), जापानी टीवी शख्सियत टेत्सुको कुरोयानागी द्वारा द्वितीय विश्व युद्द के दौरान टोमो ताकूएन, टोक्यो का एक प्राथमिक विद्यालय, में प्राप्त अपरंपरागत शिक्षा के बारे में लिखित एक आत्मकथात्मक संस्मरण है। संयोग से, भोपाल की एक युवती द्वारा किये गए अवलोकन के एक भयानक संबंध में, विकिपीडिया कहता है किताबों का जापानी नाम उन लोगों का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया जाता है जो असफल रहें...

पुलित्ज़र पुरस्कार विजेता लेखक फ्रेंक मैककोर्ट व्यावहारिक रूप से अपने पूरे वयस्क जीवन में शिक्षक थे। उन्होंने न्यू यॉर्क स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ाने के अनुभव को अपने संस्मरण, *टीचर मेन* (2005) में रिकॉर्ड किया है। दृढ़ परंतु फिर भी संवेक्षाशील यह किताब सुखद रूप से लगातार ड्रग्स, मद्यासक्त, गोलीबारी और अत्यधिक गरीबी जैसी तनावपूर्ण परिस्थितियों में बड़े हो रहे युवाओं को पढ़ाने के इम्तहानों और कुंठाओं का ब्यौरा देती है।

1999 का कथेतर साहित्य *द फ्रीडम राइटर्स डायरी: हाउ अ टीचर एंड 150 टीन्स यूस्ड राइटिंग टू चेंज देमसेल्व्स एंड दी वर्ल्ड अराउंड देम* जो कैलिफ़ोर्निया के वूड्रो विल्सन हाई स्कूल के विद्यार्थियों के एक समूह और उनके शिक्षक एरिन ग्रुवेल द्वारा लिखा गया था। यह उन डायरियों पर आधारित है जिन्हें रखने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया गया था जिसमें उन्होंने उनके अतीत, वर्तमान और भविष्य की परेशानियों को दर्ज किया था।

इसके संस्थापक शाहीन मिस्त्री के प्रयासों की वजह से TFI पूर्ण रूप से - भौतिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवर्तन की संभावना के बारे में है। अपने माता-पिता के साथ दुनिया के विभिन्न कोनों की यात्रा करने के बाद, यह युवती मुंबई में ही बस गई। जब उन्होंने दिन-रात ट्रैफिक सिग्नलों पर बच्चों को आवारागर्दी करते देखा तो दुनिया को देखने का उनका नजरिया मूल रूप से परिवर्तित हो गया। सबसे पहले जरूरतमंद शहरी बच्चों के लिए आकांक्षा फाउंडेशन की स्थापना करने के बाद, उन्होंने टीच फॉर अमेरीका फ़ेलोशिप मॉडल की तर्ज पर टीच फॉर इंडिया की स्थापना की। इसलिए इस किताब के अंतिम शब्द उन्हीं के है। राय की किताब में, वह शैक्षणिक असमानता को समर्पित एक कल्पित म्यूजियम ऑफ़ ग्रे सनशाइन के बारे में लिखती है। ''मैं एक दिन म्यूजियम ऑफ़ ग्रे सनशाइन का दौरा करने हेतु लालायित हूँ,'' वह लिखती है, ''जो हमें याद दिलाएगा कि हमने उदासी भरी कक्षाओं को उम्मीदों भरी कक्षाओं में तब्दील कर दिया है। मैं उस दिन के इंतजार में हूँ जब यह उदासीभरा धुंधलापन छंट जाएगा।''

स्तंभकार बच्चों की लेखिका
और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

नेपाल के डीजी की 2.2 मिलियन डॉलर के टीआरएफ़ योगदान की योजना है

किरण लाल श्रेष्ठ

कपड़ा निर्माता, रोटरी क्लब पोखर, रो ई मंडल 3292

नेपाल एवं दुनिया के अन्य हिस्सों में रोटेरियनों द्वारा किए गए अच्छे काम से प्रेरित होकर, उन्होंने वरिष्ठ रोटेरियन बाल गोपालदास भंडारी के साथ मिलकर, 1996 में पोखर में पहले रोटरी क्लब की स्थापना की थी। अब मेरे क्लब ने नेपाल में 12 क्लबों को प्रायोजित किया है, किरण लाल श्रेष्ठ कहते है, आगे कहते हुए कि शिक्षा, स्वास्थ्य और जल उस समय पोखर की जरूरतें थी।

अधिकांश इलाकों में पानी एक बहुमूल्य वस्तु थी। मैं छोटी लड़कियों को उनकी माताओं के साथ मटकों में पानी ले जाते देखता था। हमारे पहले मिलान अनुदान के माध्यम से हमने एक गाँव में जल सुविधा प्रदान की और ग्रामीणों से अधिक, हम यह देखकर प्रसन्न थे कि लोगों को उनके घरों में पर्याप्त मात्रा में पानी मिल रहा है।

उनका सबसे अभिलषित पल तब था जब एक महिला नल से पानी आने पर खुशी से खिल उठी। वह हमारा पहला जल अनुदान था और बहुत से लोगों ने हमें यह कहकर निरुत्साहित किया कि हम उस गाँव में पानी नहीं पहुँचा पाएंगे। वह सूखा इलाका था। और फिर हमने पहले बोरवेल की खुदाई एक ऐसे अस्पताल में की जहाँ बिलकुल भी पानी नहीं था। मैं अपने दादाजी से प्रेरित था जो एक जल प्रणाली को विकसित करने के लिए काठमांडू से पोखर गए थे।

वैश्विक अनुदानों की बात करें तो, हर साल हमारा मंडल 50-60 अनुदान कर रहा है। इस साल हमारा लक्ष्य 100 अनुदानों का है, जिसमें से 50 अनुदान परियोजनाएं पूरी की जा चुकी है, वह कहते है। इसमें एक कैथ प्रयोगशाला, 30 डायलिसिस केंद्र और सामुदायिक जल संरक्षण परियोजनाएं शामिल है।

सदस्यता पर, श्रेष्ठ कहते है कि मंडल में 17 प्रतिशत महिला रोटेरियन है और वह रोटेरियनों की पत्नियों को सदस्य बनाने हेतु प्रोत्साहित कर रहे है। इससे ना केवल रोटरी मजबूत होगी, बल्कि परिवार भी मजबूत होंगे। मंडल की सदस्यता में 90 प्रतिशत अवरोधन है और हमें 1,000 नए सदस्य मिलेंगे, जिसमें से 350 नए सदस्यों को शामिल किया गया है और 10 में से दो नए क्लबों को चार्टर किया गया है।

डीजी नए क्षेत्रों में क्लबों की स्थापना को प्रोत्साहित कर रहे है। नेपाल में डायलिसिस सुविधाओं की जरूरत है। हमने स्थानीय लोगों से कहा है कि यदि वे वहाँ एक क्लब बनाएँगे तो हम वहाँ एक केंद्र स्थापित करेंगे। और हाल ही में वहाँ 40 सदस्यों के साथ एक नए क्लब की शुरुआत हुई है।

टीआरएफ़ में उनकी 2.2 मिलियन डॉलर का योगदान देने की योजना है, और उनके पास -घड सदस्य बनने के लिए चार प्रतिबद्ध दानकर्ता और 150 नए प्रमुख दानकर्ता है।

उनकी पत्नी, और बड़ा बेटा रोटेरियन है और छोटा बेटा रोटरेक्टर है।

आपके गवर्नरों से मिलें

जयश्री

क्लब परियोजनाओं से वह प्रसन्न होते है

अजय अग्रवाल

अखबार प्रकाशक, रोटरी क्लब कलकत्ता मिलेनियम, रो ई मंडल 3291

रोटरी से उनका परिचय RIPN शेखर मेहता ने करवाया था। उस वक्त दोनों रोटरी क्लब कलकत्ता सेंट्रल के सदस्य थे, और वह मेरे आईपीपी भी थे, अजय अग्रवाल कहते है।

वह उस जगह के शताब्दी गवर्नर बनने को लेकर उत्साहित है जहाँ भारत में रोटरी का जन्म हुआ था। और भी रोचक इसलिए है क्योंकि सभी क्लबों ने इस उत्सुकता को आत्मसात किया है और वे परियोजनाएं करने को लेकर बहुत उत्साहित है। सदस्यता बढ़ाने, नई परियोजनाओं के लिए धन प्राप्त करने, वैश्विक अनुदानों की मदद से कार्यक्रमों को विस्तारित करने को लेकर बहुत उत्साह है जिसमें से 50 इस वर्ष किए जा रहे है, वह मुस्कराते हुए कहते है।

उनका सबसे अभिलषित पल? बेशक जब मेहता को रो ई अध्यक्ष की कमान सौंपी गई। जब वह उनका नामांकन भर रहे थे, तो हम सभी प्रार्थना कर रहे है और जब वह जीत गए, तो हम सभी ने बहुत धन्य महसूस किया, क्योंकि यह शताब्दी वर्ष के दौरान हुआ था।

उनका प्रमुख ध्यान सदस्यता को मजबूत बनाने पर है। इस वर्ष अवरोधन बहुत अच्छा रहा है, विशेष रूप से दिसंबर-जनवरी के दौरान जब बहुत से रोटेरियन रोटरी छोड़ देते है, हमने बमुश्किल किसी को जाते देखा और इस वर्ष हम 4,000 के जादुई आंकड़े को छूने का प्रयास कर रहे है, एक ऐसा लक्ष्य जिसे हासिल करने को लेकर मैं आश्वस्त हूँ क्योंकि हम केवल 200 से कम है, डीजी कहते है।

उनका अगला लक्ष्य इस वर्ष ₹176 करोड़ की परियोजनाएं करने का है। हम करीब-करीब लक्ष्य पर है।

संस्थान का उनका लक्ष्य 400,000 डॉलर का है।

अग्रवाल को क्लब परियोजनाएं देखना पसंद है। वे किसी भी गवर्नर के लिए चिरस्थायी यादें होंगी। साहचर्य आता-जाता है, लेकिन परियोजनाओं को साकार होते देखने की संतुष्टि बहुत अधिक होती है। मैं बस अभी एक RYLA से वापस आ रहा हूँ। युवतियों को नेतृत्व में प्रशिक्षित होते देखना मुझे बहुत खुशी देता है, उतनी ही खुशी मुझे जल और स्वास्थ्य परियोजनाएं देती है।

उनकी पत्नी ममता पूर्व इनर व्हील आल इंडिया प्रेसिडेंट है।

वह रोटरी को बढ़ाने को लेकर उत्सुक है

एम वीरभद्र रेड्डी

एक्वा फीड्स, रोटरी क्लब काकीनाड सेंट्रल, रो ई मंडल 3020

वह 1997 से एक रोटेरियन है जब पीडीजी के वी एस अंजानेय मूर्ति द्वारा उन्हें आमंत्रित किया गया था। वीरभद्र रेड्डी को रोटरेक्टर ना बन पाने का पछतावा है और इस वर्ष विशाखापट्नम में 20 रोटरेक्ट क्लबों और 100 नए इंटरेक्ट क्लबों की स्थापना करके वह अपने खोए हुए अवसर की पूर्ति कर रहे है।

उन्हें प्रसन्नता है कि उनका मंडल वैश्विक अनुदान परियोजनाओं एवं नाइजीरिया के लिए एक VTT के अलावा, मानव दुग्ध बैंक और दो रक्त बैंक जैसी परियोजनाएं निष्पादित कर रहा है। प्रोजेक्ट पॉज़िटिव हैल्थ कार्यक्रम के जवाब में, मंडल ने सर्वाधिक NCD जांच शिविर आयोजित किए है, वह कहते है।

रेड्डी ने भारत में रोटरी शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कुछ सार्वजनिक छवि कार्यक्रम कतारबद्ध किए है।

डीजी महिलाओं की सदस्यता में वृद्धि से प्रसन्न है जो पिछले कुछ वर्षों से 180 पर टिकी हुई थी और इस वर्ष 240 के पार पहुँच गई है। उन्होंने तीन नए रोटरी क्लबों को अधिकृत किया है।

टीआरएफ़ में देने के मामले में, वह पिछले वर्ष पोलियो फ़ंड में मंडल द्वारा हासिल किए गए शीर्ष स्थान को बरकरार रखने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे है, और वह वार्षिक दान को भी बढ़ाना चाहते है। हमारा डीडीएफ़ केवल 15,000 डॉलर का है। इतने कम डीडीएफ़ के साथ मेरे लिए या आगामी गवर्नरों के लिए मंडल परियोजनाओं को पोषित करना कठिन है। इसलिए, इस वर्ष मैं वार्षिक दान पर अधिक ध्यान केन्द्रित कर रहा हूँ, रेड्डी कहते है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

भारत में रोटरी के शताब्दी वर्ष पर आई के गुजराल के साथ कुछ सजीव पल

नीना सोंधी

पूर्व प्रधानमंत्री इंदर कुमार गुजराल उनके 93वें जन्मदिन से ठीक पांच दिन पहले 4 दिसंबर, 2012 को गुज़र गए थे। हमें लगा हमने एक पारिवारिक मित्र को खो दिया है। मेरे ससुर एफ सी सोंधी और अवतार नारायण गुजराल (आई के गुजराल के पिता) की रोटेरियनों के रूप में मित्रता हुई थी। 1971-72 में, रोटरी क्लब जालंधर, 3070, के अध्यक्ष रहते हुये सोंधी ने नारी निकेतन का दौरा किया था जिसे गुजराल के माता-पिता चलाते थे।

ए एन गुजराल के गुजरने के बाद, मेरे पति पी सी सोंधी और मैं संस्थान को चलाने में पुष्पा गुजराल की मदद करते हुये नारी निकेतन के काम में और अधिक व्यस्त हो गए, क्योंकि उनके सभी बच्चे, जिनमें सबसे बड़े पुत्र आई के गुजराल भी शामिल थे, दिल्ली में थे।

बाद में, जब उनकी माँ व्यवस्था देख पाने में असमर्थ थी, तो गुजराल स्वयं संस्थान को संभालने में अधिक व्यस्त हो गए। नारी निकेतन में एक साथ काम करते हुये, हमें उनके साथ अधिक समय बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

समाज में अपने बढ़ते रुतबे के बावजूद भी, गुजराल एक विनम्र और नेक इंसान थे। मेरी शुरुआती याद उनकी माँ के पुराने नौकर द्वारा चलाई जाने वाली एक पुरानी, जर्जर कार में बैठकर हमारे घर आने की है। मुझे याद है कि कार से बाहर निकलते ही उन्हें हंसी आ गई थी।

फिर हम उनसे कभी-कभार दिल्ली में मिलते थे, और वह हमें हमेशा गाड़ी से भेजने की पेशकश करते थे, जिसकी जरूरत हमें कभी नहीं पड़ी। एक बार नारी निकेतन के बारे में चर्चा करने के लिए मैं महारानी बाग स्थित उनके आवास पर गुजराल से मिलने गई। हमारी बातचीत और चाय के बाद, मैं बस वहाँ से निकलने ही वाली थी, पर मेरा ड्राईवर वहाँ नहीं था। इससे पहले कि मैं कुछ कह पाती, गुजराल स्वयं उनकी गाड़ी चलाकर मुझे राजधानी

नारी निकेतन में पूर्व प्रधान मंत्री आई के गुजराल।

में ग्रेटर कैलाश स्थित मेरे निवास तक छोड़ने के लिए आगे आये।

1989 में, गुजराल और उनका परिवार आम चुनावों के लिए महीने भर लंबे चुनाव प्रचार हेतु जालंधर में डेरा डाले हुये थे। परिणाम घोषित होने के बाद, एक दिन हमारे यहाँ अचानक से एक मेहमान आए - गुजराल स्वयं। हम अपने परिवार के खेल व्यवसाय के तहत इंग्लैंड के एक हॉकि ग्राहक की मेजबानी कर रहे थे। चूंकि हमारे पास नौकर नहीं थे, हमारे दोनों बच्चों ने अचानक से आए उस मेहमान के लिए जल्दी-जल्दी दौड़कर चाय बनाकर परोसने में मेरी मदद की। दूरदर्शन का दल हमारे घर पर नवनियुक्त विदेश मंत्री का साक्षात्कार लेने आया, एक यादगार घटना जिसे हम अभी तक सँजोये हुये है।

1998 में, जालंधर सीट के लिए गुजराल तीन-दिवसीय चुनाव अभियान पर थे। उनके दल ने मुझे बताया कि वह शहर के औद्योगिक समूहों का दौरा नहीं करेंगे। मैं उनसे निराश हो गई और जब वह एक रोटरी बैठक कि अध्यक्षता कर रहे थे तब मैंने उनसे यह बात कही। मेरा दुख सुनकर, वह तुरंत ही हमारे क्षेत्र का दौरा करने के लिए राज़ी हो गए। 24 घंटों में हमें कारख़ाना परिसर को भारतीय प्रधानमंत्री और उनके अनुगामियों के दौरे के लिए तैयार करना था। यह बहुत बड़ा काम था, लेकिन हमने खुशी-खुशी ऐसा कर लिया।

एफ सी सोंधी के कारखाने में गुजराल।

चुनाव परिणामों के बाद, गुजराल उनका समर्थन करने के लिए हमारा धन्यवाद करने हेतु फिर से हमारे घर आए। उनके पहले एक बस भरकर सुरक्षा कर्मी हमारे घर पर आए थे, और हमारी छत पर ब्लैक कैट कमांडो तैनात थे, जबकि सशस्त्र सुरक्षा बल हमारे घर के बाहर पहरा दे रहा था। इतनी भारी सुरक्षा के बावजूद भी, एक व्यक्ति गुजराल को अगले दिन होने वाले एक नाश्ते के कार्यक्रम पर आमंत्रित करने के लिए हमारे कमरे में आ घुसा।

एक बार अपॉइंटमेंट लेकर हम 5, जनपथ पर उनसे मिलने की प्रतीक्षा कर रहे थे। दरवाजा खुला और जैसे ही हम अंदर जाने लगे झठखझ राजेंद्र साबू बाहर आए।

जब गुजराल के गुजरने के एक या दो साल पहले हम उनसे मिले, तो उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं था। हालांकि, उन्होंने उसी गर्मजोशी के साथ हमारा स्वागत किया। हमने नारी निकेतन के बारे में बात की और उन्होंने हमारी सहभागिता के लिए अपना आभार प्रकट किया। हम दिल्ली से ताइवान के लिए जाने वाले थे। यह जानकर कि यह ताइवान की हमारी पहली यात्रा है, उन्होंने बताया कि जब वह ताइवान गए थे तो उन्हें वहाँ का खाना बहुत पसंद आया था। अंत में, जब हम जाने लगे, तो जैसे वह हमेशा करते थे, वह उठे और, धीरे से ही सही, मगर मुख्य दरवाजे तक हमें छोड़ने के लिए वह हमारे साथ आए। इतने ऊंचे रुतबे वाले, नेक और मिलनसार इंसान को कोई कैसे भुला सकता है, जिनकी जन्मतिथि उसी दिन पड़ती है जिस दिन भारत में रोटरी का जन्म हुआ था। हम उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देते है।

नीना सोंधी, गुजराल के साथ।

लेखक रोटरी क्लब जालंधर साउथ, रो ई मंडल 3070, की पूर्व अध्यक्ष है।

संतुलन और वृद्ध वयस्क

शीला नंबीयार

हम में से कई लोगों ने परिवार के किसी बूढ़े सदस्य या किसी मित्र को गिरने की वजह से चोट लगते देखने पर होने वाली चिंता का अनुभव किया है। उम्रदराज व्यक्तियों के मध्य गिरने के इतिहास को अपरिहार्य घटनाओं की तरह देखा और स्वीकारा गया है। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। यदि उचित सावधानी बरती जाए तो गिरने से होने वाली शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक क्षति से बचा जा सकता है।

कूल्हे, और जांघ की हड्डी के ऊपरी हिस्से में फ्रैक्चर बहुत हानिकारक होता है, विशेष रूप से उन वृद्ध महिलाओं में जिन्हें अस्थि-सुषिरता होती है। और तो और यदि शारीरिक चोट दुर्बल करने वाली नहीं होती है, तो मानसिक क्षति भयानक होती है, जो मन में डर बैठा देती और किसी भी तरह की गतिविधि को करने से स्वयं को रोकती है जो अपने आप ही स्वास्थ्य और फिटनेस की कमी की ओर ले जाता है। यह भविष्यवाणी की आत्म-पूर्ती करने जैसा है - वे डरते है कि वे गिर जाएँगे, गतिविधियां कम कर देते है, मांसपेशियाँ क्षय हो जाती है, ताकत और संतुलन खो देते है, और इसलिए एक बार फिर से मामूली कामों को करते हुये भी गिर जाते है।

गिरने के सबसे आम कारणों में से कुछ है:

- निकटतम भौतिक परिवेश
- शक्ति, संतुलन, गति, चपलता और रफ़्तार और प्रतिक्रिया समय के संदर्भ में ख़राब फिटनेस स्तर
- शामक औषधि या कोई भी ऐसी चीज़ का सेवन जो संज्ञान को परिवर्तित करती है
- मध्यकर्ण असंतुलन की वजह से चक्कर और शिरोभ्रमण
- दृष्टि संबंधी समस्याएँ
- पार्किन्सन, मधुमेह, मल्टीपल स्क्लेरोसिस इत्यादि जैसी अन्य चिकित्सीय समस्याएँ
- अनुचित फुटवेयर
- सचेतन की कमी

उपरोक्त कारकों में से बहुत से कारकों को निकटतम परिवेश में सरल परिवर्तन करके और फिटनेस स्तरों, शक्ति और संतुलन को बेहतर बनाकर संबोधित किया जा सकता है।

पर्यावरण

अगर संभव हो तो फिसलन रोधक टाइल्स का प्रयोग करें। बाथरूम में सहारे के लिए रेलिंग लगाएं। गीले बाथरूम खतरनाक होते है। बाथरूम को सूखा रखना चाहिए।

उलझ कर गिर सकने वाले कालीनों, तीखी किनारों और कोनों, कमज़ोर चौकियों एवं कुर्सियों, गीले क्षेत्रों, बिना रेलिंग वाली सीढ़ियों और ख़राब डिज़ाइन या ख़राब फिटिंग वाले जूते-चप्पलों से बचिए। फर्श पर अच्छी प्रकाश व्यवस्था और क़दमों के स्पष्ट निरूपण एवं स्तरीय परिवर्तन को सुनिश्चित करें। स्थिरता के लिए टेबल, कुर्सियों और बिस्तरों की नियमित जाँच की जानी चाहिए।

इलाज

कुछ तरह की औषधि जैसे शामक, एंटीहिस्टमीन, एंटीहाइपरटेंसिव्स की वजह से चक्कर, पोस्चुरल हाइपोटेंशन हो सकता है और इसलिए संतुलन खोने की प्रवृत्ति विकसित हो जाती है। मधुमेह-प्रतिरोधी दवाओं के कारण रक्त शर्करा में उतार-चढ़ाव से चक्कर आ सकते है और संतुलन बिगड़ सकता है।

फिटनेस

अस्वस्थ, अधिक वज़नदार व्यक्तियों की तुलना में ऐसे वृद्ध व्यक्ति के साथ गिरने एवं चोट लगने की घटनाएँ कम होती है जो अपने पूरे जीवन में सक्रिय रहते है, जो फिटनेस कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेते है और जो आदर्श सीमा के भीतर उनके वजन को बनाए रखने के साथ ही आदर्श मांसपेशी द्रव्यमान को बनाए रखते है।

वृद्ध लोगों के लिए एक व्यायाम कार्यक्रम में बुनियादी कार्डियो के अलावा एक संतुलन एवं ताकत का रूटीन भी शामिल होना चाहिए।

या तो इसका प्रयोग करें या इसे गंवा दें। मांसपेशी द्रव्यमान/ ताकत समेत फिटनेस का कोई भी पहलू यही कहता है। खाली बैठने और निष्क्रिय जीवन से अवनति निश्चित होती है। प्रमुख मांसपेशी समूहों को लक्षित करने वाला एक शक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम पैर एवं कूल्हे की प्रसारण ताकत में सुधार ला सकता है। ऊपरी शारीरिक ताकत जो अनदेखी करने से तेज़ी से कम होती है, को बनाए रखने के लिए लिफ्टिंग, रीचिंग और कैरिंग जैसे सरल कार्य करने की आवश्यकता होती है। प्रतिरोधक बैंड का उपयोग करके शक्ति प्रशिक्षण किया जा सकता है जिन्हें शक्ति के स्तरों को पृथक करने के लिए रंगों से कोड किया जाता है, या फिर एंकल वेट, कलाई के बैंड और तो और मार्गदर्शन के तहत डम्बेल जैसे अन्य बाहरी वजनों की भी मदद ली जा सकती है।

बड़ी भारी मांसपेशियाँ और असाधारण शक्ति का अर्थ प्रत्यक्ष रूप से बढ़िया भौतिक संतुलन नहीं होता है। शारीरिक हरकतें एक निश्चित स्तर के संतुलन और गुरुत्वाकर्षण के केंद्र में इस विस्थापन को समायोजित करने की क्षमता को आदेश देती है। उदाहरण के लिए बैठने के बाद खड़े होने पर गुरुत्वाकर्षण केंद्र फर्श के निचले हिस्से से बदलकर ऊपरी हिस्से पर आ जाता है, जिससे स्थिरता में कमी आ जाती है। पैर की मांसपेशियों का पर्याप्त संतुलन और ताकत यह सुनिश्चित करेगी कि इस प्रक्रिया के दौरान कोई गिरे नहीं।

बोसू बॉल, स्विस बॉल, स्टेपर का उपयोग करके विशेष व्यायाम जब एक कसरत के रूटीन में शामिल किया जाता है तो यह संतुलन को बेहतर कर सकता है। लचीलापन और संतुलन दोनों को बढ़ाने के लिए योग भी एक बढ़िया तरीका है। मोड़ और ऐंठन, एक पैर वाली मुद्रा और औंधे होकर किये जाने वाले आसन शरीर को कई तरह से चुनौती देते है जिनका वह आदी नहीं होता है।

मध्य कर्ण असंतुलन

संतुलन में सुधार के लिए, अच्छी दृष्टि, वेस्टीबुलर (मध्य कर्ण) की समस्यओं की अनुपस्थिति और एक आदर्श सोमेटोसेंसरी (हाथों, पैरों से संवेदनाएं) प्रणाली को सुनिश्चित करें। यह प्रणाली शरीर को एक परिष्कृत न्यूरोमस्कुलर तंत्र के माध्यम से परिवेश के संबंध में अपनी स्थिति को समझने में सक्षम बनाती है। शरीर को लगातार उसकी स्थिति और अन्य वस्तुओं जैसे फर्श या एक कुर्सी से उसके संपर्क के बारे में सूचना मिलती रहती है। यदि इस तंत्र में कोई समझौता होता है, तो संतुलन प्रभावित हो सकता है (और यह पाया गया है कि उम्र के साथ संवेदी प्रणाली क्षीण होती जाती है)।

दृष्टि

ख़राब दृष्टि से अनावश्यक दुर्घटनाएँ हो सकती है। आपका पैर फिसल सकता है या आप एक अनदेखी चौकी से ठोकर खाकर गिर सकते है। उम्र के साथ आपकी नेत्रों की ताकत परिवर्तित होती है। गिरने से बचने के लिए अपने नेत्रों की नियमित जाँच करवाना महत्वपूर्ण है।

चिकित्सीय समस्याएँ

अनियंत्रित मधुमेह की वजह से हाथों/पैरों में मंद सनसनी हो सकती है। पैरों को स्वस्थ रखना आवश्यक है, छालों या गैर-उपचारात्मक फोड़ों की जाँच करते रहें। न्यूरोलॉजिकल विकार जैसे पार्किन्सन रोग या मल्टीपल स्क्लेरोसिस में संतुलन की समस्या होगी और मरीज को तदनुसार सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है।

अनुचित फुटवेयर

अच्छी गुणवत्ता, अच्छी फिटिंग वाली पादुकाएँ पहनना सुनिश्चित करें। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह बहुत ही सरल और अधिक प्रभावी कदम है। कहीं आपकी पादुकाएँ घिस तो नहीं गई इसकी जाँच करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें बदलें। पैरों में संवेदना को बेहतर करने के लिए नंगे पांव चलना भी काफी अनुशंसित है। कीचड़, घास और रेत जैसी विभिन्न सतहों पर चलें।

सचेतन

कभी-कभी सिर्फ सरासर लापरवाही की वजह से ही दुर्घटनाएँ होती है। बिना सोचे-समझे जल्दबाजी में यहाँ-वहाँ भागना, अपने परिवेश के बारे में अनभिज्ञ और लगभग अचेत रहने से नादानी भरी दुर्घटनाएँ हो सकती है जिनसे आसानी से बचा जा सकता था। सचेत ध्यान मन को वर्तमान में मौजूद रखने हेतु प्रशिक्षित करने का बढ़िया तरीका है।

जितनी देर संभव हो सके एक पैर पर खड़े रहना, एड़ी से लेकर पैरों की उँगलियों तक जितनी देर संभव हो पैर के दोनों पंजों को चिपकाकर खड़े रहना, खड़े होते वक्त पैंट को पकड़कर खड़े रहना, सीधी रेखा में चलना, कुर्सी से उठकर आगे की ओर चलना, और फिर मुड़कर जितनी तेजी से संभव हो वापस आकर कुर्सी पर बैठना, इस तरह के सरल कार्यों का अभ्यास करके संतुलन में सुधार किया जा सकता है।

संतुलन, शक्ति और स्वांतरग्रहण का आंकलन करने के लिए विशेष परीक्षण उपलब्ध है। एक पैर का संतुलन परीक्षण, और ङ्गगेट अप एंड गोफ जैसे परीक्षण ग्राहक का रूटीन तैयार करने में मार्गदर्शन की भूमिका निभाते है। कृपया ध्यान दें कि ख़राब संतुलन वाले वृद्ध वयस्कों को बिना किसी निरीक्षण के व्यायाम या इनमें से कोई भी गतिविधि नहीं करना चाहिए।

निष्कर्ष के तौर पर,

- अपनी दिनचर्या में शक्ति, संतुलन और लचीलेपन के व्यायाम निश्चित तौर पर शामिल करें।
- वृद्ध लोगों को प्रशिक्षण दे सकने वाले एक प्रशिक्षक से प्रशिक्षण लें।
- योग को शामिल करें।
- अपनी रक्त शर्करा की जाँच करें।
- सुनिश्चित करें कि आप आपके द्वारा सेवन की जाने वाली दवाओं के दुष्प्रभावों को समझते है।
- सुनिश्चित करें कि आपका निकटतम परिवेश कोलाहल एवं जोखिम से मुक्त हो।
- अपनी हरकतों और गतिविधियों के प्रति सचेत रहें।

लेखिका एक जीवन शैली चिकित्सक है।
sheela.nambiar@gmail.com.
www.drsheelanambiar.com

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

एक शाम लक्ष्मण के साथ

विनय किरपाल

एक भूतपूर्व प्रोफेसर ने महान कार्टूनिस्ट से अपनी मुलाक़ात को याद किया जो 24 अक्टूबर को 98 वर्ष के हो गए।

मुझे आज भी याद है जब मुझे मुंबई में *टाइम्स ऑफ इंडिया* की इमारत में महान कार्टूनिस्ट, आरके लक्ष्मण के कार्यालय की एक झलक मिली। बात 1975 की है मैं भारत के प्रसिद्ध लेखक *इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया* के तत्कालीन फायरब्रांड संपादक खुशवंत सिंह से लेख के सिलसिले में मिलने गया था जो पत्रिका के लिए लिख रहा था।

लक्ष्मण के कार्यालय का दरवाजा अधखुला था। भीतर विशाल पुरातन शैली की महोगनी मेज पर कोई नहीं बैठा था। जिज्ञासावश मैंने उनके निजी सहायक से पूछा कि वह कब आएंगे और में उनसे कब मिल सकता हूँ। मुझे बताया गया कि लक्ष्मण यहां हर रोज़ नहीं आते थे, हालांकि वह अपने कार्टून रोज़ाना भेजते थे। लक्ष्मण अपने शानदार करियर में 50 वर्षों से *द टाइम्स ऑफ इंडिया* के साथ जुड़े हुए थे। और इस तरह की स्वतंत्रता उनके कलात्मक स्वभाव के अनुकूल ही थी। इस घटना के कुछ दशक बाद 2000 में मुझे लक्ष्मण से मिलने का मौका मिला, जब रोटरी क्लब ऑफ पुणे रिवरसाइड द्वारा उस सप्ताह के स्पीकर के रूप में उन्हें आमंत्रित किया गया था।

तब मैं क्लब का एक सदस्य था। अपनी 20 मिनट की बातचीत के दौरान, लक्ष्मण ने बताया कि कैसे उन्होंने धोती पहने, गंजे, मितभाषी प्रसिद्ध कॉमन मैन के पात्र का सृजन किया था, जब वो स्वतंत्र भारत के राजनेताओं की हरकतों पर नज़र रखता था तो उसके चेहरे पर हमेशा असमंजस के भाव रहते थे। जाहिर है, पहले उन्होंने अलग-अलग राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले पात्र तैयार किये थे लेकिन फिर उन्होंने केवल एक पात्र ही रखने का निर्णय किया, जो सभी भारतीयों की आवाज़ होगा। वह पात्र, जिसे पहले बाबूजी के नाम से जाना जाता था, अंततः कॉमन मैन बन गया।

उस शाम, पुणे के उद्योगपति और रोटेरियन नितिन देसाई ने उनके सम्मान में एक रात्रिभोज का भव्य आयोजन किया था। मशहूर कार्टूनिस्ट के साथ समय बिताने के मौके को लेकर हर कोई उत्साहित था। लक्ष्मण अपनी पत्नी, कमला के साथ आए थे जो लोकप्रिय तेनाली राम कहानियों की लेखिका थी।

1965 में आर के लक्ष्मण द्वारा कार्टून।

दक्ष चित्रकार

चौड़े बरामदे में एक व्हाइटबोर्ड रखा था। लक्ष्मण बगल में खड़े थे, हाथ में मार्कर। हम सभी ने उनके शुरू होने का बेसब्री से इंतजार किया। लक्ष्मण ने बोर्ड के ऊपर से स्केच करना शुरू किया। कुछ ही क्षणों में बोर्ड से , एक

बार भी हाथ उठाये बिना, उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी, लालू प्रसाद यादव के चित्र उकेरे और अंत में प्रतिष्ठित कॉमन मैन के हाथ में एक तख्ती पकड़ा दी, जिस पर लिखा था, ममुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवादफ। उनकी इस चित्रकारी ने मुझे उन शिल्पकारों की याद दिला दी, जिन्होंने ऊपर से शुरू करते हुए, एक ही पत्थर से कैलाश मंदिर को तराशा था। बरामदा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। किसी ने ड्राइंग का फोटो लिया। बातचीत के बाद, खाने का समय हो गया था।

हमने प्लेट में भोजन लिया और मद्धिम रोशनी में छोटे-छोटे समूहों में लॉन पर व्यवस्थित कुर्सियों की ओर बढ़ गए। लक्ष्मण दो रोटेरियन के साथ बैठे थे। मैंने अपना परिचय एक पूर्व अंग्रेजी प्रोफेसर के रूप में दिया,जिसने पीएचडी करने के दौरान, दूसरों के साथ साथ, उनके भाई आर के नारायण के कार्यों पर भी शोध किया था। वह अपने भाई की पुस्तकों का चित्रांकन करते थे। हमने करीब एक घंटे बातचीत की, बल्कि बोल तो वो रहे थे हम सिर्फ सुन रहे थे। वह पूरी तरह से मजाकिया अंदाज में थे।

उन्होंने कहानियां सुनाईं, उनमें से एक थी नए घरेलू नौकर की, जिसे उन्होंने और कमला ने काम पर रखा था। एक पार्टी की योजना बनाई गई थी और उसमें बॉम्बे के पुलिस आयुक्त सहित कई मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। जैसे ही मेहमान अंदर जाने लगे, कमला को पता चला कि नया नौकर गायब है।

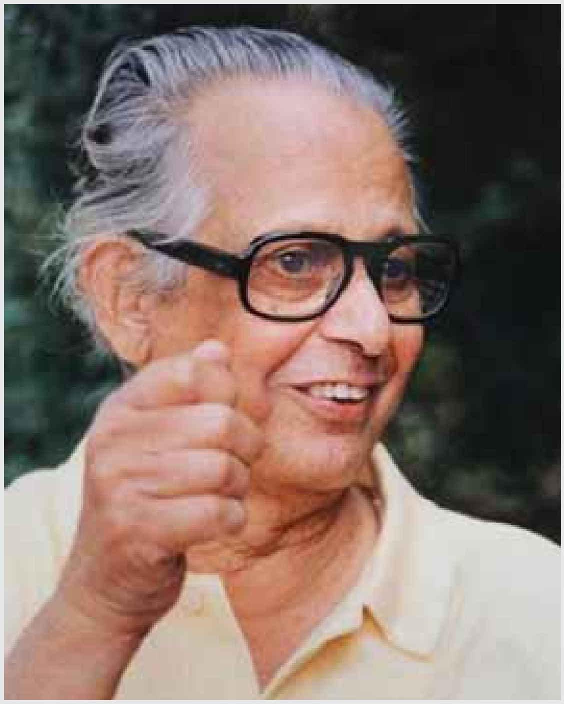
सी जी सुब्रमण्यम

आर के लक्ष्मण।

पुणे में आम आदमी की प्रतिमा।

उसने हमें यह कहते हुए सुन लिया था कि कमिश्नर आ रहे थे, हंसते हुए लक्ष्मण ने कहा। उस की आपराधिक पृष्ठभूमि थी, इसका हमें बाद में मालूम चला और हम पुलिस के पचड़े में नहीं पड़ना चाहते थे! लक्ष्मण ने अपनी पुस्तक *सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिआ* में, 10 हास्यास्पद सनकी लोगों में उस आदमी का ज़िक्र किया है।

परफेक्ट लीफ

कुछ समय बाद, संयोग से उनके एक लेख पर नज़र पडी जिसमें उन्होंने स्कूल में अपने उस कला शिक्षक के बारे में लिखा था, जिसने उन के भीतर कलात्मक प्रतिभा को पहचाना था, मैंने लक्ष्मण के सहायक को फ़ोन किया और उस संग्रह में इसे शामिल करने की अनुमति माँगी जिसे मैं अपने पसंदीदा शिक्षकों के सम्मान में लिखने की योजना बना रहा था। लक्ष्मण आसानी से मान गए। उनकी वो रचना, जिसका शीर्षक मद परफेक्ट लीफफ है, अब मेरी किताब, *यू मूव्ड माय लाइफ: हार्टवर्मिंग स्टोरीज़ ऑफ टीचर्स हू मेंटर्ड एंड टॉट अस टू ड्रीम* का हिस्सा है । लक्ष्मण अपने आखिरी दिनों में पुणे में बस गए थे और यहीं पर 26 जनवरी 2015 को 93 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था।

उनके सम्मान में कॉमन मैन की आठ फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा यहां के सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट की सच्ची श्रद्धांजली है।

लेखक ITI-बॉम्बे में अंग्रेजी के भूतपूर्व प्रोफेसर रह चुके हैं (यह लेख पहल *द हिंदू* में प्रकाशित हुआ था।)

Rotary
PEOPLE OF ACTION

मंडल गति

रोटरी क्लब पोंडिचेरी सेंट्रल - रो ई मंडल 2981

राजीव गांधी मटर्निटी गवर्नमेंट हॉस्पिटल में ₹18 लाख की एक न्यूरो स्कैन डॉपलर मशीन दान की गई। उपकरण नवजात शिशुओं एवं हृदय रोग से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य की जांच करने में अत्यंत सहायक होंगे। पीडीजी एस पिराइयों हस्तांतरण समारोह में मौजूद थे।

रोटरी क्लब पेरियाकुलम - रो ई मंडल 3000

तीन रोटेरियन - एस. भास्करण, यू. थिरुनौकरासु और एम. साथकतुल्लाह - ने अन्नामलाई जंगल के दुर्गम रास्तों को पार करके दूरस्थ पहाड़ी इलाकों में रहने वाले आदिवासी परिवारों के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई।

रोटरी क्लब राजामुंद्री रिवर सिटि - रो ई मंडल 3020

एक विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रम *न्यू जेनेरेशन्स* के दौरान शतरंज, टेबल टेनिस, वाग्मिता, निबंध लेखन, चित्रकारी और पोस्टर प्रस्तुति जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में 1,000 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दो प्रेरक उपदेशों का आयोजन किया गया।

रोटरी क्लब गाज़ियाबाद - रो ई मंडल 3012

एक सरकारी स्कूल में डीजी दीपक गुप्ता द्वारा लिंग-पृथक शौचालय खंडों के साथ हाथों की ढुलाई के स्टेशनों का उद्घाटन किया गया। परियोजना को एक सीएसआर अनुदान की मदद से सम्पन्न किया गया।

विधियाँ

रोटरी क्लब बल्लारपुर - रो ई मंडल 3030

बल्लारपुर के ग्रामीण अस्पताल के साथ मिलकर एक पोलियोप्लस अभियान का आयोजन किया गया। सभी 52 बूथ को एंड पोलियो नाऊ के स्टिकर वितरित किए गए। क्लब ने स्वयंसेवकों के दल के साथ मिलकर बस अड्डों एवं रेल्वे स्टेशनों जैसे व्यस्त क्षेत्रों में अभियान शुरू किया।

रोटरी क्लब उज्जैन - रो ई मंडल 3040

अन्य गैर सरकारी संगठनों की सहायता से *राष्ट्रीय जल सम्मेलन* नामक एक जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति बी के शर्मा द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया जिसमें जल संरक्षणकर्ता राजेंद्र सिंह मुख्य अतिथि थे। जल संरक्षण पर एक संगोष्ठी आयोजित करने से पूर्व जागरूकता फैलाने के लिए एक रैली निकाली गई।

रोटरी क्लब चिखली रिवरफ्रंट - रो ई मंडल 3060

क्लब ने, रोटरी क्लब गणदेवी के सहयोग से डी ई इटालिया सार्वजनिक हाई स्कूल और एक अन्य खेरगाम, गुजरात के स्कूल, में दो आरओ संयंत्र दान किए। इस परियोजना की वजह से 2,000 से अधिक ग्रामीण एवं आदिवासी बच्चों को स्वच्छ एवं शुद्ध पीने योग्य पानी मिलेगा।

रोटरी क्लब मसूरी - रो ई मंडल 3080

कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए तीन सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में जूते, ब्लेज़र और स्वेटर वितरित किए गए। क्लब के सामुदायिक सेवा निदेशक डी के जैन और TEACH समिति के अध्यक्ष पंकज जैन ने कार्यक्रम का आयोजन किया।

रोटरी क्लब अलवर - रो ई मंडल 3053

रोटरी चेरिटेबल सोसाइटी की सहायता से गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल, पिथ्रोदी, के 100 विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म वितरित किए गए। प्रेरक भाषणों के माध्यम से रोटेरियनों ने विद्यार्थियों को आकर्षित किया।

रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल - रो ई मंडल 3120

10 गांवों के 800 से अधिक परिवारों को 1,000 ऊन के कंबल वितरित किए गए ताकि वे स्वयं को शीत लहर से बचा सके। डीजी संजय अग्रवाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। लाभार्थियों में शहर के बाहर स्थित जनसा क्षेत्र की महिलाएं भी शामिल थी।

रोटरी क्लब अहमदनगर प्रियदर्शिनी - रो ई मंडल 3132

3,000 किताबों पर रोटरी के चार-मार्ग परीक्षण को छापा गया और पाँच स्कूलों के इंटरेक्टरों को वितरित किया गया। इसके अलावा, रोटेरियनों ने विद्यार्थियों को इस अंगुष्ठ नियम की महत्ता को समझाया जिन्होंने इसे अपने रोज़मर्रा के जीवन में पालन करने का संकल्प लिया।

रोटरी क्लब सिरसी - रो ई मंडल 3170

जहाँ क्लब अध्यक्ष डॉक्टर के वी शिवराम ने हुबली में आयोजित हुए मंडल सम्मेलन में रोटरी WinS 1-स्टार अवार्ड प्राप्त किया। वहीं मंडल को ग्रामीण स्कूलों में विभिन्न स्वच्छता परियोजनाओं को लागू करने के लिए इस वर्ष अब तक पाँच WinS 1-स्टार अवार्ड्स मिल चुके है। WinS - नेशनल रिकग्निशन कमेटी के सदस्य पीडीजी गणेश भाट और डीजी डॉक्टर गिरीश मासूरकर ने पुरस्कार वितरित किए।

रोटरी क्लब बंतवाल - रो ई मंडल 3181

नॉर्वे, रो ई मंडल 2275, के तीन क्लबों के साथ मिलकर की गई एक परियोजना में एजी रितेश बालीगा ने लड़कियों एवं विशेष बच्चों के लिए दो शौचालय खंडों के साथ एक जल शोधक का उद्घाटन किया। रोटेरियन तोबजोन वीक ने पहल की और नॉर्वे के 13 व्यक्तियों को शामिल किया जिन्होंने स्वच्छता सुविधाओं के लिए धन एकत्रित किया।

रो ई मंडल 3141

डीजी हरजीत सिंह तलवार ने पीडीजी बंसी धुरंधर और डीजी 3142 डॉक्टर मोहन चंदावरकर के साथ मिलकर कोलकाता के शतवर्षीय शिखर सम्मेलन में रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी को डाक टिकटें एवं कवर प्रस्तुत किए। हाल ही में मुंबई में सम्पन्न हुए मंडल सम्मेलन में मलोनी की तस्वीर वाली डाक टिकटें जारी की गई।

विधियाँ

रोटरी क्लब पय्यानूर - रो ई मंडल 3202

एक विशाल LN-4 कृत्रिम हाथ शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 365 छिन्नांग व्यक्तियों को कृत्रिम हाथ लगाए गए। पय्यानूर कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवक रोटेरियनों की मदद करते है। डीजी ए कार्तिकियन ने पीडीजी वी जी नयनार की मौजूदगी में शिविर का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब दिमापुर - रो ई मंडल 3240

रो ई निदेशक कमल संघवी ने पीडीजी चंदू अग्रवाल, क्लब अध्यक्ष अशोक अग्रवाल और अन्य गैर सरकारी संगठनों की मौजूदगी में एक शव वाहन की शुरुआत की। नागालैंड के पूर्व राज्यपाल पी बी आचार्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

रो ई मंडल 3231

मंडल ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शनों एवं मंच कार्यक्रमों के साथ एक विशाल पोंगल उत्सव का आयोजन किया। मंडल के रोटेरियनों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और फसल उत्सव के लिए एक-दूसरे को शुभकमनाएँ दी। कार्यक्रम ने पारंपरिक कौशलों को प्रदर्शित करने के लिए युवा प्रतिभा को मौका दिया।

रोटरी क्लब जमशेदपुर ईस्ट - रो ई मंडल 3250

एक दूरस्थ गाँव महुलिया में एक विशाल चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्लब अध्यक्ष डॉ अनूप गुप्ता और डॉ तमाल देव के नेतृत्व में चिकित्सकों के एक दल ने मरीजों की जांच की। विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए 500 से अधिक ग्रामीणों की जांच की गई।

रोटरी क्लब सेंट्रल कलकत्ता - रो ई मंडल 3291

अनाथ बच्चों को पालने के लिए जानी जाने वाली एक समाज सेविका डॉक्टर सिंधुताई सपकाल को ₹1 लाख दान किए गए। दृष्टिबाधित, थैलेसीमिया और नि:शक्त बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank	:	HDFC Bank SB Account
Branch	:	Montieth Road Egmore, Chennai
A/c Name	:	Rotary News Trust
A/c No.	:	50100213133460
IFSC Code	:	HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians	:	1,211,107
Clubs	:	35,989
Districts	:	525
Rotaractors	:	170,905
Clubs	:	10,305
Interactors	:	329,245
Clubs	:	14,315
RCC	:	10,900

As on Feb 14, 2020

*Please note Interact clubs that have not reported Interact Adviser in the past two Rotary years, are placed in "Suspended" status effective Oct 1, 2019.

Membership Summary

As on Feb 2, 2020

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	*Interact Clubs	RCC
2981	114	4,869	252	47	31	223
2982	67	3,125	162	84	81	55
3000	128	5,435	519	186	248	210
3011	88	3,677	934	51	82	25
3012	102	3,814	996	53	69	59
3020	72	4,229	243	54	54	350
3030	91	5,008	666	99	158	286
3040	88	2,,070	235	37	45	144
3053	64	2,819	491	19	38	99
3054	126	6,073	1,114	78	137	476
3060	96	4,519	664	54	59	143
3070	106	3,159	445	45	20	58
3080	84	3,466	319	88	132	112
3090	78	2,035	56	37	5	122
3100	99	2,663	375	12	13	146
3110	122	3,713	326	28	7	105
3120	79	3,323	464	40	18	53
3131	135	5,466	1,208	103	171	116
3132	84	3,491	373	33	81	158
3141	103	5,744	1,391	115	129	89
3142	93	3,342	691	79	113	64
3150	93	3,630	381	58	120	116
3160	72	2,493	171	28	3	83
3170	128	5,722	721	68	186	166
3181	81	3,562	345	60	191	116
3182	83	3,175	261	44	85	97
3190	127	5,013	724	137	133	60
3201	145	5,661	457	103	71	50
3202	129	5,194	321	80	241	47
3211	142	4,605	350	8	23	132
3212	102	4,104	319	101	183	146
3231	91	3,690	450	51	71	357
3232	127	5,112	889	126	184	92
3240	90	3,113	417	50	365	190
3250	101	3,935	704	61	63	182
3261	72	2,653	379	16	18	43
3262	105	3,630	429	45	35	77
3291	153	3,794	791	86	84	615
India Total	**3,860**	**1,51,126**	**20,033**	**2,464**	**3,747**	**5,662**
3220	70	1,963	279	81	123	73
3271	90	1,472	274	63	19	21
3272	150	1,817	307	51	15	43
3281	213	5,649	886	223	45	195
3282	167	4,918	647	150	38	47
3292	124	4,953	782	131	111	115
S Asia Total	**4,674**	**1,71,898**	**23,208**	**3,163**	**4,098**	**6,156**

Source: RI South Asia Office

On the racks

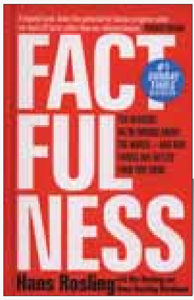

Factfulness

Author : **Hans Rosling (Co-authored by Ola Rosling and Anna Rosling Rönnlund)**
Publisher : **Sceptre**
Pages : **353; ₹499**

When asked simple questions about global trends — why the world's population is increasing; how many young women go to school; how many of us live in poverty — we systematically get the answers wrong. So wrong that a chimpanzee choosing answers at random will consistently outguess journalists, Nobel laureates, and investment bankers.

In *Factfulness*, Professor of International Health and a man who can make data sing, Hans Rosling, together with his two long-time collaborators Anna and Ola, offers a radical new explanation of why this happens, and reveals the ten instincts that distort our perspective.

It turns out that the world, for all its imperfections, is in a much better state than we might think. But when we worry about everything all the time instead of embracing a worldview based on facts, we can lose our ability to focus on the things that threaten us most.

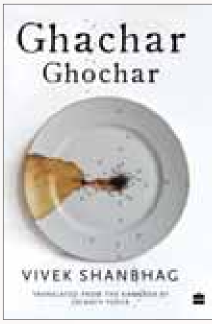

Ghachar Ghochar

Author : **Vivek Shanbhag (Translated from Kannada by Srinath Perur)**
Publisher : **Harper**
Pages : **128; ₹299**

Ghachar Ghochar is the English-language debut of noted Kannada writer Vivek Shanbhag's work. The story is about how money controls the lives of a poor family. From a cramped, ant-infested house to a spacious bungalow, the family finds itself making a transition in many ways. The narrator, a sensitive young man, is numbed by the swirls around him. All he can do is flee every day to an old-world cafe, where he seeks solace from an oracular waiter. As members of the family realign their equations and desires, new strands are knotted, others come apart, and conflict brews dangerously in the background. Translated from Kannada by Srinath Perur, the book is a suspenseful, playful and ultimately menacing story about the shifting consequences of success.

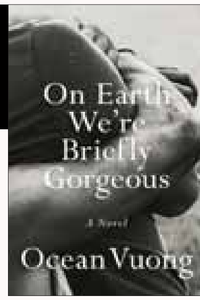

On Earth We're Briefly Gorgeous

Author : **Ocean Vuong**
Publisher : **Penguin Press**
Pages : **237; ₹1,499**

This book is a letter from a son to a mother who cannot read. Written when the speaker, Little Dog, is in his late 20s, the letter unearths a family's history that began before he was born — a history whose epicentre is rooted in Vietnam — and serves as a doorway into parts of his life his mother has never known, all of it leading to an unforgettable revelation.

At once a witness to the fraught yet undeniable love between a single mother and her son, it is also a brutally honest exploration of race, class and masculinity. Asking questions that are of topical relevance to American people, as they are beset with addiction, violence and trauma, but layered in words of compassion and tenderness, *On Earth We're Briefly Gorgeous* is as much about the power of telling one's own story as it is about the obliterating silence of not being heard. With stunning urgency and grace, the book focuses on people caught between disparate worlds, and asks how we heal and rescue one another without forsaking who we are. The questions of how to survive, and make it moments of joy power the most important debut novel of many years.

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S

एक अच्छे हेयर ब्रश की अहमियत

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

जैसे-जैसे हम बड़े होते है, मुझे लगता है कि आप उन चीज़ों पर विचार करना शुरू कर देते है जो वास्तव में आपके लिए सबसे अधिक मायने रखती है। मैंने जिन लोगों से बात की उनमें से बहुत से लोगों ने कहा माता-पिता, बच्चे, पत्नी, शिक्षक, किताबें, संगीत, और बाकी सामान्य चीज़ें। लेकिन मेरी ज़िंदगी में जो चीज़ सबसे अधिक मायने रखती है वह है मेरे तीन हेयरब्रश, मेरे जीवन के तीन प्यार।

हेयरब्रश? हाँ, वाकई में हेयरब्रश। मेरे बाल घुँघराले एवं सीधे के बीच का एक मिश्रण है, मतलब, वे प्राकृतिक रूप से लहरदार है। जहाँ घुँघराले बालों की कंघी नहीं की जा सकती और सीधे बालों की कंघी आसानी से की जा सकती है, लहरदार बाल सबसे ज्यादा तकलीफदेह होते है। आप उन्हें ऐसे ही नहीं छोड़ सकते क्योंकि वह भयानक दिखते है और आप उनकी कंघी नहीं कर सकते क्योंकि वह टिकती नहीं है, चाहे आप कितना भी पानी या तेल या क्रीम या तीनों का एक साथ इस्तेमाल क्यों न कर लें।

इसलिए आप कल्पना कर सकते है कि यह मेरे लिए हमेशा से कितना संघर्षपूर्ण रहा है। जब तक मैं स्कूल में था मुझे इससे उतना फर्क नहीं पड़ा, लेकिन कॉलेज में आने के बाद, एक लड़के को लड़कियों के लिए आकर्षक दिखना पड़ता है। लेकिन आह मेरे बीए के दौरान मेरी किस्मत नहीं चमकी, ना ही मेरे बालों के मामले में, और शायद इसलिए, ना ही लड़कियों के मामले में। दोनों ने ही साथ देने से इन्कार कर दिया।

फिर मुझे मोक्ष का मार्ग दिखा, जैसा कि हमेशा वह अनपेक्षित रूप से मिलता है। एक बार कॉलेज से अपने कमरे की ओर लौटते वक्त, मुझे सड़क पर एक हेयरब्रश मिला वह नया सा लग रहा था इसलिए मैंने उसे यह सोचकर उठा लिया कि इसे मैं किसी महिला सहपाठी को दे दूँगा। मैंने बेसिन में इसे अच्छे से शैम्पू से धोया - जी हाँ 1960 के दशक में हमारे पास शैम्पू होता था - और उसे ऐसे ही अपने बालों में चलाया। फिर मैं काँच से सामने स्तंभित खड़ा रह गया। मेरे बाल अचानक से टीले की तरह जम गए थे। सुनिश्चित करने के लिए मैंने अपने बालों को बिगाड़कर फिर से ऐसा ही किया। और वे फिर से जम गए थे।

मुझे उस वक्त एहसास हुआ कि ज़िंदगी ने एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया है और उसी समय मैंने उसे अपने पास रखने का निर्णय लिया। वह मेरे जीवन का पहला प्यार बन गया। अगले दस वर्षों तक मैंने उसे अपने पास रखा यहाँ तक कि उसके आधे ब्रिसल्स झड़ने के बावजूद भी। वह काफी बीमार दिखने लगा था।

लेकिन सभी अच्छी चीजों का अंत होता है और जब मेरी शादी हुई मेरी पत्नी ने फौरन ही अपने प्रतिद्वंद्वी को देख लिया। तो सबसे पहले उसने मेरे प्रिय ब्रश को कचरे के डब्बे में फेंक दिया। उसने कहा वह भयानक, बीमार, शर्मनाक दिख रहा था।

मैं रूठ गया इसलिए वह मुझे एक ब्रश दिलवाने ले गई। मुझे कोई भी उसकी टक्कर का तब तक नहीं मिला जब तक मैं किसी काम से नेपाल नहीं गया था। उसका एक नक्काशीदार लकड़ी का हैंडल था और उसके ब्रिसल्स कड़क थे, और वह केवल 50 नेपाली रुपयों में मिल रहा था। वह मेरा दूसरा प्यार था, लेकिन इस बार मुझे यह सुनिश्चित करना था कि मेरी पत्नी के नखरों के बावजूद भी यह मेरे साथ आजीवन रहे।

जहाँ घुँघराले बालों की कंघी नहीं की जा सकती और सीधे बालों की कंघी आसानी से की जा सकती है, लहरदार बाल सबसे ज्यादा तकलीफदेह होते है।

मुझे उस वक्त एहसास हुआ कि ज़िंदगी ने एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया है और उसी समय मैंने उसे अपने पास रखने का निर्णय लिया। वह मेरे जीवन का पहला प्यार बन गया।

लेकिन ऐसा करने की कल्पना करना इसे वास्तव में करने से आसान था। एक दिन वह बस गायब हो गया। मेरी पत्नी ने कहा कि मैंने उसे शायद उस होटल में खो दिया होगा जहाँ हम ठहरे थे। मैंने कहा तुमने जरूर उसे फेंक दिया होगा। वह पहेली दो दशकों से अनसुलझी है।

लेकिन आप लंबे समय तक एक अच्छे व्यक्ति को उदास नहीं रख सकते और जल्द ही मुझे मेरा तीसरा प्यार कोरिया में मिला जिसका हम दौरा कर रहे थे। उसका नक्काशीदार हाथीदांत का हैंडल था। मुझे वह एक अनोखी चीज़ें रखने वाली दुकान में मिला था। वह छोटा था, लगभग चार इंच लंबा। लेकिन उसके ब्रिसल्स एक तांबे के पैड में जड़े हुये थे और एकदम सख्त थे। वह 30 डॉलर का था लेकिन मैंने उसे खरीद लिया क्योंकि एक बार फिर से, मेरी पत्नी की तरह ही, वह मेरा पहली नज़र का प्यार था। अंतर बस इतना है कि एक मेरे बालों को खड़ा रखता है, तो दूसरा उन्हें लहरदार बनाता है। दोनों एक दूसरे के अच्छे पूरक है। दोनों ही मुझे परेशान करते है। ■

कोलकाता में मस्ती

HoF में RID गण भरत पांड्या और कमल संघवी।

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और गे, HoF में।

चित्र: हेमन्त कुमार

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month